



Ministry of Panchayati Raj  
Government of India

# ଆମ୍ରାଦୟ ସଂକଳନ



শ্রୀ ଗିରିବାଜ ସିଂ  
କେନ୍ଦ୍ରୀୟ ପରିଷତ୍ତିବାଜ ଆଫ ପ୍ରାଯୋଚନ ମନ୍ତ୍ରୀ

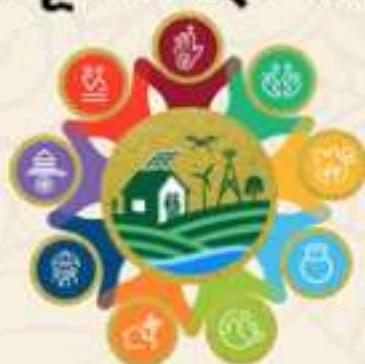


ଶ୍ରୀ ନରେନ୍ଦ୍ର ମୋହିତ  
ପ୍ରଧାନମନ୍ତ୍ରୀ



ଶ୍ରୀ କପିଲ ମବେଶ୍ଵର ପାତିଲ  
କେନ୍ଦ୍ରୀୟ ସାଂଗ୍ରହିକ ମନ୍ତ୍ରୀ ପରିଷତ୍ତିବାଜ

## ପଞ୍ଚାୟତସମୂହତ ବହନକ୍ଷମ ଉନ୍ନযନ ଲକ୍ଷ୍ୟସମୂହର ସ୍ଥାନୀୟକରଣ



### ଏହି ସଂସ୍କରଣଗତ

ବହନକ୍ଷମ ଉନ୍ନୟନର ଲକ୍ଷ୍ୟ: ବିଧାନାଳୀ ତିକ୍ରି କରା ହାନୀରକାରେ କାମ କରା

ମାନ୍ୟମାନିକ ବାସ୍ତ୍ରୀୟ ପ୍ରକାଶନ ବେଳୀ

ବହନକ୍ଷମ ଉନ୍ନୟନର ବ୍ୟାନୀଯକରଣ: ପୈଶକ୍ତିକ ଲକ୍ଷ୍ୟ

## স্বচ্ছ ভারত দিবস উদযাপনত ভারতৰ বাট্টপতিৰ শোভা বৰ্ধন

প্ৰত্যেকখন ঘৰত টেপৰ পানী, শৌচালয় আৰু বিজুলী যোগান ধৰিবলৈ চৰকাৰে কাম কৰি  
আছে:

শ্ৰী গিৰিবৰাজ সিং, কেন্দ্ৰীয় গ্ৰামীণ বিকাশ আৰু পঞ্চায়তিবাজ মন্ত্ৰী



জুন শক্তি মন্ত্ৰীলয়ৰ দ্বাৰা আয়োজিত ২ অক্টোবৰ গান্ধী জয়ন্তীৰ দিনা উৎযাপিত স্বচ্ছ ভারত দিবসৰ দিনা ভারতৰ বাট্টপতি, শ্ৰীমতী মৌপদী মূৰ্মুয়ে উন্নৃষ্টানটোৱ শোভা বঢ়ায়। তেওঁ বিভিন্ন শ্ৰেণীৰ স্বচ্ছ সৰ্বেক্ষণ গ্ৰামীণ বটা প্ৰদান কৰে। অনুষ্ঠানটোৱ ওপৰত লক্ষ্য বাখি তেওঁ জাতিৰ পিতা মাতৃ গান্ধীক শ্ৰদ্ধাঙ্গলি জৰাপন কৰে। তেওঁ কৈ যে গান্ধীজীৰ চিন্তা - ধাৰা চিৰঘৃণমীয়া। সত্য আৰু আহিংসাৰ লগতে তেওঁ চাফ - চিকুনটাটো জোৰ দিছিল। পৰিকাৰ - পৰচৰণতাৰ জৰিয়তে তেওঁৰ লক্ষ্য আছিল সমাজিক বিকৃতি আৰ্তবোৱা আৰু এখন নতুন ভাৰত গঢ়ি তোলা। সেয়েহে, তেওঁৰ ডিন্মাদিনৰ দিনা স্বচ্ছ ভাৰত দিবসৰ পালন কৰাটো হৈছে তেওঁক প্ৰদান কৰা শ্ৰদ্ধাঙ্গলি। বাট্টপতিয়ে জানিব দিয়ে যে স্বচ্ছ ভাৰত মিছন - গ্ৰামীণ ২০১৪ত মুক্তি কৰাৰ পৰা ১১কৌটিত কেও অধিক শৈচাগৰ নিৰ্মাণ কৰা হৈছে আৰু প্ৰায় ৬০ কৌটি লোকে মুকলিৰে শৈচ কৰা অভ্যাস পৰৱৰ্তন কৰিছো। তেওঁ সুখ প্ৰকাশ কৰি কৈ যে এই মিছনৰ জৰিয়তে ভাৰতে UN ৰ বহনক্ষম উন্নয়নৰ লক্ষ্য নং ৬ সময়সীমা ২০৩০ সম্পূৰ্ণ হোৱাৰ ১১বছৰ আগতেই পূৰ্ণ কৰিবলৈ সফল হৈছে।

কেন্দ্ৰীয় গ্ৰামীণ বিকাশ আৰু পঞ্চায়তিবাজ মন্ত্ৰী শ্ৰী গিৰিবৰাজ সিং দেৱো উক্ত অনুষ্ঠানটোত উপস্থিত থাকো চচ্ছ ভাৰত মিছন-গ্ৰামীণৰ বিষয়ে আলোচনা কৰি তেওঁ কৈ যে প্ৰধান মন্ত্ৰী নৰেন্দ্ৰ মোদী ডাঙৰীয়াৰ তত্ত্বাবধানত গ্ৰামীণ অঞ্চলৰ ঘৰবোৰত ১১কৌটিত কৈ অধিক শৈচাগৰ নিৰ্মাণ কৰা হৈছে আৰু ১০ কৌটিত কৈ অধিক টেপৰ পানীৰ সংযোগ কৰা হৈছো। কেন্দ্ৰীয় মন্ত্ৰীগৰাকীয়ে কৈ যে ভাৰতে জন ভাগিদাৰি আন্দোলনৰ সহায়ত স্বচ্ছ ভাৰত অভিযান সফল কৰাৰ লক্ষ্যত উপনীত হ'ব। তেওঁ লগতে কয় যে স্বচ্ছতাৰ বাবে আৰম্ভ কৰা এই জন আন্দোলন দেশৰ প্ৰতিটো চুকে - কোপে গৈ পাৰ লাগো। শ্ৰীযুত সিঙ্গে কয়, চৰকাৰে প্ৰতিধন ঘৰত খোৱা পানী, শৌচালয় আৰু বিজুলী যোগান ধৰাৰ লক্ষ্যৰে নিষ্ঠাৰে কাম কৰি আছে।

পঞ্চায়তিবাজৰ সভাপতি, শ্ৰী সুনিল কুমাৰে তেওঁৰ বক্তব্যত কয় যে জল জীৱন মিছন আৰু ODF প্লাছৰ বাবে জনতাৰ সহৰোগে মুখ্য ভূমিকা পালন কৰো। তেওঁ কয় এই দুয়োখন আঁচনিৰ বক্ষণাবেক্ষণৰ দায়িত্ব গ্ৰাম পঞ্চায়তৰ। তেওঁ আৰু কয় যে মানুহে সেৱা সুৰক্ষা দিবলৈও সাজু যদিহে তেওঁলোকক সেৱা প্ৰদানকাৰীয়ে ভাল সেৱা প্ৰদান কৰো। তেওঁ কয় যে এই সেৱাসমূহ দেশৰ সকলো বাসিন্দাক প্ৰদান কৰিবলৈ পঞ্চায়তবোৰ লগতে বাজ্যিক কৃতপক্ষয়ো আগবঢ়ি আহিছে।

## बषिय बस्तु र तालिका

**मुख्य सम्पादकः**

सुनील कुमार, आई.ए. एच.  
प्रधानमंत्रीराज विभाग के सम्पादक

**सम्पादकः**

डॉ बाजिय कुमार वहेबो, आई.इ.एच.  
प्रधानमंत्रीराज विभाग के सम्पादक

**सहयोगः**

आलोक पाण्डे  
अंग्रेजनी कुमार तरिबी

**3**



महात्मा गांधी

**4**



बाजिय कुमार वहेबो

**5**



सम्पादक वहेबो

**16**



बहनकम उपर्यन्त यानीयकरण  
शैक्षिक लक्ष्य

भारतीय बाट्टों परि वाच भारत दिवास  
अनुठान तेका शोभा बाइटिल

01

**20**



संशोधित बाट्टीय  
प्रकारण विटा

यानीय उपर्यन्त पुनर्कालीनित करिबलैले  
बहनकम उपर्यन्त यानीयकरण लक्ष्यः प्रकारण  
यानीय सुचक काठामो (LIF) र बाबे  
आक ईयार डेचवार्ट

12

**24**



प्रकारण विषयाभिकृत लक्ष्य  
माध्यमेरे एल एह डि त्रिव यानीयकरण  
बाट्टीय कर्मशाला र उपर्यत...

प्रकारण समृद्धत बहनकम उपर्यन्त लक्ष्य  
यानीयकरण श्रमण

22

**31**



महान्या गांधी आनंद बाट्टीय विटा र सम्मानित

बहनकम उपर्यन्त बाबे बाट्टो संघर कार्यसूची २०८०  
दरिहता युक्त गांधी प्रकारण उपर्यत ईयाक  
बालवायित करिबलैले बाट्टीय कर्मशाला

27

## गिरीराज सिंह GIRIRAJ SINGH



ग्रामीण विकास तथा पंचायती राज वर्ती  
भारत सरकार  
कृषि भवन, नई दिल्ली  
MINISTER OF  
RURAL DEVELOPMENT AND PANCHAYATI RAJ  
GOVERNMENT OF INDIA  
KRISHI BHAWAN, NEW DELHI

### बाते

ऐटो मोर बाबे बब आनन्दब विषय ये पञ्चायति राज मन्त्रालयब द्वाबा 'पञ्चायतसमूहत बहनक्षम उन्नयनब लक्ष्यसमूहब स्थानियकरण' विषयब ओपरेत 'ग्रामोदय संकल्प' नामब आलोचनीब १३०म प्रकाशन प्रकाश करबा हैचे। भारत बहनक्षम उन्नयनब लक्ष्य १७० उपनीत ह'बलै, २०३० चनब बहनक्षम उन्नयनब कार्यसूचीत आकृ बाट्टीय उन्नयनब लक्ष्य बाबे दृढ़ प्रतिज्ञाबद्ध आकृ इयाते अन्तर्भुक्त उन्नयनब आदर्श हैचे। सब का साथ, सब का विकाश 'अथवा 'उन्नयन सकलोब सैते, आकृ सकलोब बाबे। भारतब प्राय ६८% भारतीयइ गाँওत बास करेआकृ महात्मा गांधीजीब शब्दत- भारतब हुदय गाँওते आछे, बाट्टीय पर्यायत बहनक्षम उन्नयनब लक्ष्यबप्राप्ति बाबे गाँও बोरब तृणमूल पर्यायबप्राहि कार्य कराटो दरकाब आकृ सेहटो ह'ल पञ्चायत भरत। २०३०चनलै ९५ विषयबन्तुब अधीनत अन्तर्भुक्त बहनक्षम उन्नयनब लक्ष्य १७ब द्वाबा संहत ग्राम्य उन्नयनब बाबे दरिद्रतामुक्त आकृ जीरिका बृद्धि, स्वास्थ्यकर, शिशुब अनुकूल, पर्याप्त पानी, परिक्षाब आकृ सेउज, स्वारलभ्वी आकृ अन्तःगाँथनि, सामाजिकभाबे सुरक्षित आकृ सामाजिकभाबे न्यायप्रबाधण, सुशासित, आकृ महिला अनुकूल गाँও आदित पञ्चायतेएक गुरुत्वपूर्ण भूमिका पालन करेआ। ऐ ग्रामोदय संकल्पब प्रकाशनत एचडिजीब स्थानियकरणब दिशब जरियाते धारणा, बोडमेप, कार्य परिकल्पना आकृ बृत्तित्व आदि सामरिलैचे। मई निश्चित ये पञ्चायत बहनीय बहनक्षम उन्नयनब लक्ष्यब ओपरेत भिन्नि करि प्रकाशित 'ग्रामोदय संकल्प'ये पञ्चायत, पञ्चायत प्रतिनिधि आकृ अफिचब विषयबवीयाके धरि साधारण जनताक सार्वजनीन कार्यसूचीक स्थानीय पद्धतित बुजिबलै आकृ तेहुलोके इयाक लाभ करिबलै आगवाढिबलै सहाय करिब।

(गिरीराज सिंह)



कपिल मोरेश्वर पाटिल  
बाजिक मन्त्री  
पंथगायत्री बाज मन्त्रालय  
भारत चरकार



KAPIL MORESHWAR PATIL  
MINISTER OF STATE  
MINISTRY OF PANCHAYATI RAJ  
GOVERNMENT OF INDIA



### वार्ता

ऐटो बब आनन्दब विषय ये पंथगायत्री बाज मन्त्रालयब द्वाबा 'पंथगायत्रतसमृहत बहनक्षम उन्नयनब लक्ष्यसमृहत स्थानियकरण' विषयब ओपरत 'ग्रामोदय संकल्प' ब १३तम प्रकाशन प्रकाश कर्बा हैছे। भारत बहनक्षम उन्नयनब कार्यासूचित स्थाक्षरकरी हिचापे प्रतिश्रुतिबद्ध। भारतब प्राय ६८% भारतीयह गाँওत बास कर्बे आक सेहि सत्य मनत बाखियेह बहनक्षम उन्नयनब लक्ष्यबोरत उपनित ह'बलै तणमूल पर्यायब परा येने पंथगायत्रीबाजब जबियतेए एचडिजीबोरब स्थानियकरण आदि कार्या अनुष्ठित कर्बा ब प्रयोजन। ऐ दिशत, पंथगायत्रीबाज मन्त्रालये स्थानीय ग्राम्य सन्तासमहे निजब दृष्टिभंगी प्राप्त करिबलै स्थानीय एचडिजी आक दिवदता मुक्त आक जीरिका बृद्धिब बाबे बैषम्य आक अन्यायब बिकद्दे युजि पंथगायत्रे सुख जीवन आक पर्याप्त पानी निश्चित करिछे आक भारतब ग्राम्य ताङ्कलत २०३०चनलै जलबायु परिवर्तनब क्षतिकारक प्रभार कमोराब बाबे काम कर्बा आक 'समग्र उन्नयन' निश्चित करि बिषयभित्रिक कपरेखा ग्रहण करिछे। ऐ ग्रामोदय संकल्पब प्रकाशनत एचडिजीब स्थानियकरणब दिशब जबियतेधारणा, बोडमेप, कार्या परिकल्पना आक कृतित्व आदि सामरिलैछे। मई निश्चित ये एलएचडिजी ब ओपरत भित्रि करि प्रकाशित 'ग्रामोदय संकल्प'ये पंथगायत्र, पंथगायत्रब प्रतिनिधि आक अफिचब बिषयबवीयाके धरि साधारण जनताक सहाय करिब।

(कपिल मोरेश्वर पाटिल)

सुनील कुमार, आईएसएस  
सचिवालय

Sunil Kumar, IAS  
Secretary



मारत सरकार  
पंचायती राज मंत्रालय  
दौ. राजेन्द्र प्रसाद रोड,  
कृषि भवन, नई दिल्ली-110001  
Government of India  
Ministry of Panchayati Raj  
Dr. Rajendra Prasad Road,  
Krishi Bhawan, New Delhi-110001

### वार्ता

मई एटोडो जनाबैले पाइ सुनी हैँ ये 'स्थानीयकरण बहनक्षम उम्मीदवालय' लक्ष्य मन्त्रालय द्वारा प्रदक्षिणे आक प्रचेत्तीब प्रति उत्सर्गित कर्वि 'प्रामोदय संकल्प' नामब आलोचनीखनब १३तम प्रकाशन प्रकाश कर्वा हैँ यात पञ्चायति हैँ मुख्य सत्रिय अंशीदाब। बहनक्षम उम्मीदवालय लक्ष्यबोवेर हैँ उत्तम, आधिक न्याय आक सकलोब बाबे बहनक्षम भविष्याब बाबे प्राप्त कर्वा बलुप्रिन्ट। सकलो इउ एन सदस्य बाट्टुसम्हाहे २०१५ चनत १७एच दि जी आक १६९९ ता॒ब लगत सम्पर्कित लक्ष्य ग्रहण आक वाक्षवित कर्विछिल, २०३० कार्यसूचीब बहनक्षम उम्मीदवालय अंश छिचापे। बाट्टु संघब बहनक्षम उम्मीदवालय GOalsby र २०३०ब कार्यसूचीत भावतो स्थानीयकरणी। भावतब प्राय ६८% ग्राम अधिकारत बसवास कर्वे, बहनक्षम उम्मीदवालय लक्ष्य बाट्टीय पर्यायब प्राप्तिब बाबे पञ्चायति बाजु प्रतिष्ठान ज्ञावियते तुण्मुल पर्यायत कार्य कलापब प्रयोजन। सेयेहे पिआबआइ बिशेष कै प्राम पञ्चायति भूमिका एचदिजीब स्थानीयकरणब बाबे गुकृपूर्ण। एकेदबे पञ्चायति बाजु मन्त्रालये एचदिजीब दिशे विषयवस्तु भित्तिक पञ्चायति तुलि लैोहे, यात गोटेहे १७त एचदिजीक पुनर ९८ तो विषयवस्तु गोट खुण्डरा हैँ। एहे प्रतिटो विषयवस्तु एटोटोके आधिक इच्छिजी अन्तर्भुक्त हैँ आज्ञे, याब बाबे विभिन्न मन्त्रालये तेहेलोकब आ॑चनि आक कार्यसूचीब बाबे समृद्धिक कार्यब ओपरेत निर्भव कर्वे। धारावाहिक आक सम्बन्धित प्रदक्षिणे पैल थका हैँ आक पञ्चायति सम्हाहक समर्थन कर्विले नतुन प्रदक्षिणे पैलोवा हैँ आक सेहिबोवक सकलो सम्भाय सम्पदब स्थाब तुण्मुल पर्यायब एच दि जी ब प्राप्तिब बाबे सजिज्जित कर्वा हैँ। बाट्टीय मन्त्रालय सम्हाहब प्रचेत्तीब सम्भायत विषयवस्तु भित्तिक पञ्चायति ग्रहण कर्वि तुण्मुल भवत एचदिजी बास्तवैले बापान्त्रिवित कर्विले बिशेष गुकृपा प्रदान कर्वि पञ्चायति बाजु प्रतिष्ठान समृद्ध स्थानीय आ॑ज्ञ - शासनब जीरन्त केन्द्र छिचापे आको कर्मना कर्वाये हैँ पुनर्जीवित बाट्टीय ग्राम स्थानीय अभियानब बाजियक बेथा विभाग आक इ अन्य अंशीदाबब 'समय चरकाब' आक 'समय समाज' पञ्चायति। एचदिजीब स्थानीयकरण आगबाढाय निबैले हस्तक्षेपब शृंखला प्रत्तुत कर्वा हैँ यिये केन्द्रीय मन्त्रालयबोवेर एकेलगे काम कर्वा, इउ एन संस्था, शिक्षा प्रतिष्ठान, चिकित्सा आक अन्य तुण्मुल पर्यायत अंशीदाब सकलब दुष्टि आकर्षण आदि आवर्बि लय। प्रामोदय संकल्प एहे प्रकाशनत स्थानीयकरण बहनक्षम उम्मीदवालय लक्ष्य बाबे तथ्यसमृद्ध आक संक्षिप्त लेखा अन्तर्भुक्त कर्वा हैँ, ताब लगते एहाता पिआबये आयोजित कर्वा तथ्यब सैतेसकलो अंशीदाबक संबेदनशील कर्विब। मई आशा कर्विछौं एहे प्रकाशने पञ्चायति प्रतिनिधि, कार्यकर्त्तीसकल आक ग्राम गणक एलएचदिजीब विषये शिकिबैले आक ग्राम पर्यायत एलएचदिजीब लक्ष्य प्राप्तित सहज ह' ब।

(सुनील कुमार)



## ବହୁକ୍ରମ ଉନ୍ନয়ନର ଲକ୍ଷ୍ୟ: ବିଶ୍ୱବ୍ୟାପୀ ଚିନ୍ତା କରକ, ସ୍ଥାନୀୟଭାବେ କାମ କରକ

\* ଧାରଗା: ମିଠୀର ଏହି ଏମ ବିଜ୍ଞାନ ଆନନ୍ଦ ୧  
\* ବକ୍ତୃତା ଲେଖା: ଡା. ଆର. କେ. ବମେଶ ୨

ବହୁକ୍ରମ ଉନ୍ନୟନର ଲକ୍ଷ୍ୟ ବହୁତ ଉଚ୍ଚକାଙ୍କ୍ଷୀ ଉନ୍ନୟନର ଲକ୍ଷ୍ୟ, ଯିବୋର ମାନୁହେ ନିଜେଇ ନିଜୀର ବାବେ ନିର୍ଧାରଣ କରେ। ଇ ସମ୍ପର୍କ ମାନବତାକେ ସାମବି ଲୟ। ମୁଠ ୧୭ଟା ଲକ୍ଷ୍ୟ ଆଛେ। ଏହିବୋର ବିଭାଗିତା। ଇ ଅନ୍ତଃ ସଂଲଙ୍ଘ ଆକୁ ଇ 'ଗୋଲକିଯ ଭାବେ ଚିନ୍ତା କରକ ଆକୁ ସ୍ଥାନୀୟଭାବେ ଭାବେ କାମ କରକ' ଦର୍ଶନର ଆଦଶ ମାନି ଚଲେ। ସଦିଓ ଏହିଥିନି ଆନ୍ତଃବାଟ୍ରୀଯ ପର୍ଯ୍ୟାୟତ ସିଦ୍ଧାନ୍ତ ଲୋଗୋ ହେଛେ ଆକୁ ଆକୁ ଭାବତତ ବାବେ ଅନୁମୋଦିତ କରା ହେଛେ, ମୂଲତଃ ଏହି କାର୍ଯ୍ୟରେ ଗ୍ରାମ ପଞ୍ଚାୟତ ପର୍ଯ୍ୟାୟତ ଅତ୍ୟଧୁନିକ ଦିଶ ଆବଶ୍ୟକ କରିଛେ। ଯାବ ଫରସକାପେ ଏତିଯା ଆମାର ବାବେ 'ସ୍ପଷ୍ଟ ଲକ୍ଷ୍ୟ ଠିକ କରା ହେଛେ। ଲକ୍ଷ୍ୟ ସମ୍ମ ଧାର୍ଯ୍ୟ କରା ହୟ ମୂଲତଃ ବାଟ୍ରୀଯ ଲକ୍ଷ୍ୟ ଆଗବଢାବ ଆନା ହେ, ତାବ ପିଛତ ବାଜିକ ଆକୁ ତାବ ପିଛତ ସଂହତ ପରିବେଶନଓ ନିର୍ଧାରଣ କରା ହୟ। ଏହିଟୋ ସାଧାରଣତେ ଏଟା ପ୍ରକ୍ରିୟା, ସେଇବେ ସେଇଯା ଗ୍ରାମ ପଞ୍ଚାୟତର ଦେଖ- ବେଥତ ଥାକେ ଆମି ଆକୁ ଏହି ବିଷୟର ନାଭାବିଲେଣେ ହେ ଯାଏ । ଆମି ଆନନ୍ଦ ଲକ୍ଷ୍ୟସମହକ ଲୈ କି କରିବ ପାବୋ ସେଯା ଭାବାଟେ ଉଚିତି।

ବହୁକ୍ରମ ଉନ୍ନୟନର ଲକ୍ଷ୍ୟସମ୍ମହର ବହୁତୋ ବୈଶିଷ୍ଟ ଆଛେ ଆକୁ ଆମି ସେଇବେର ସମ୍ବେଦନ କରା ଉଚିତା । ୧. ସେଇବେର ସାରଜନୀନ । ସକୋଲୋକେ ସାମବି ଲୋଗୋ ହୟ। ଗତିକେ ଇ ଏଟା ଯିରେ ଆମାର ବାଟ୍ରୀଯ ଦାର୍ଶନି 'ଆନ୍ତଃଦୟା' ଲଗତ ଖାପ ଖୁବାଇଁ ପ୍ରତିଜ୍ଞାନ ବ୍ୟକ୍ତିକ ସାମବି ଲୟ, ଯିଟୋ ଏକ ଗାନ୍ଧୀଯାନ ପଞ୍ଚା ଯିଯାଏ ଦରିଦ୍ର ଆକୁ ସାମାଜିକ ଆକୋବାଲି ନଲୋଗୋ ବ୍ୟକ୍ତିକେ ସାମବି ଲୟ। ୨) ଇଯାତେ ବିଶେଷଭାବେ ମୂଳ୍ୟବୋଧର ଆନ୍ତର୍ଭୂକ୍ତିର ଓପରତ ଗୁରୁତ୍ୱ ଦିଯା ହୟ, ଏବେ ଶାନ୍ତିର ବିଷୟେ ଆଲୋଚନା କରା ହୟ, ଯିଟୋ ସାଧାରଣତେ ଉନ୍ନୟନର ବିଷୟେ ଆଲୋଚନା କରିଲେ କୋରା ନହୟ। ତାବୋପରି ଏଯାତେ ଗୁରୁତ୍ୱ ଦିଯା ହୟ ପ୍ରତିଷ୍ଠାନସମ୍ମହର ଓପରତ ଆକୁ ଗ୍ରାମ ପଞ୍ଚାୟତ ଏବେ ଏଟା ପ୍ରତିଷ୍ଠାନ ହିଚାପେଇ ଭାବତିଯ ପ୍ରସାଂଗତ ପରିଗମିତା। ୩) ଇଯାତେ ଶାସନର ଓପରତ ଗୁରୁତ୍ୱ ଦିଯା ହୟ। ଗାନ୍ଧୀଜୀଯେ ସୁଶାସନର ବିଷୟେ କୈଛିଲ, 'ମୋର ସମ୍ପନ୍ନର ହାବାଜେଇ ହେଛେ ଦୁର୍ଯ୍ୟା ମାନୁହର ହାବାଜ'। ତାକ ତେଣୁ କୈଛିଲ ପୂର୍ଣ୍ଣ ହାବାଜ। ଏତିଯା ଆମି ଆମାକ ଶାସନ କରିବିଲେ ଶିକିବ ଲାଗିବା। ତେଣୁ ଦୂରୀତି ମୁକ୍ତ ଶାସନର ବିଷୟେ କହ୍ୟ। ଗତିକେ, SDGବୋର ହେଛେ ଲକ୍ଷ୍ୟସମ୍ମହର ବିଭିନ୍ନ ପରିସର ।

ଏତିଯା ଆମି କାବ ପରା ଆବାନ୍ତଣି କରୋ? ଆମି ଆବାନ୍ତଣି କରୋ ଗ୍ରାମ ପଞ୍ଚାୟତ ଭବତ ପରା। ଆହକ କୋନୋ ଲିଖିତ ନିର୍ଦ୍ଦେଶନର ବାବେ ଅପେକ୍ଷା ନକରୋ। ଆମି ଆବଶ୍ୟକ କରିଛୋ। ଆବଶ୍ୟକ କରାତୋଯେ ଆତି ଗୁରୁତ୍ୱପୂର୍ଣ୍ଣ କାମ, କାବଣ ଲକ୍ଷ୍ୟତ ଉପନ୍ମିତ ହବିଲେ ଆମାର ଓଚବତ ଆନ ଆଠଟା ବଜର ଆଛେ। କିନ୍ତୁ ଗତି ଲାଭ କରାତ ଅଲପ ସମୟ ଲାଗିବା। ଆମି କେନେକେ ଆବଶ୍ୟକ କରିମ? ଆମାର ଓଚବତ ପଞ୍ଚାୟତସମ୍ମହର ସମ୍ଭାବ୍ୟ କାମ-କାଜର ବିଷୟେ ସବିଶେଷ ଉଲ୍ଲେଖ କରା ସଂବିଧାନର ସୂଚୀ ଆଛେ।

ବଲକ ପ୍ରଥମେ ଆମି ସକଳୋ SDG ବୋର ଖାପତ ବହାୟ ଲୋଗୋ ତେତିଯା ଆପୁନି ବହୁତୋ ସାଧାରଣ ଉପାଦାନ ଦେଖିବିଲେ ପାବେ ପରବର୍ତ୍ତୀ କଥାତୋଲେ ଚାଓକ। ପ୍ରତିଥିବ ବାଜୀର ଆଇନ ଆନୁଯାୟୀ ସେଇ ସାଧାରଣ ଉପାଦାନବୋର ପଞ୍ଚାୟତସମ୍ମହର କାର୍ଜିତ ଆନ୍ତର୍ଭୂକ୍ତ କରିବ ଲାଗିବା। ତେତିଯା ଇ ସକଳୋରେ ପରିଚିତ ଆକୁ ଗ୍ରହଣ ଯୋଗ୍ୟ ହେ ପରେ। ଏହି କାଇସମ୍ମହର ବେଛିଭାଗେଇ ଆଇନର ଅଧିନିତ, କିନ୍ତୁ କାର୍ଯ୍ୟକବୀ ନହରା ଆହକ ତେବେହଲେ ଜାନୋ ପଞ୍ଚାୟତର ଦରାଚଲତେ କାର୍ଜିସମ୍ମହ ନୋ କି କି? ଇ ଆଚଲତେ ପରିବେଶନ କି କରି ଆଛେ? ଆକୁ SDG ବୋର ତାତେ ଖାପ ଖୁବାୟ ଲମ୍ବା। ଯାତେ ଆପୁନି ସାଧାରଣତାର କ୍ଷେତ୍ରାବ୍ୟାୟିନି ବିଚାରି ଓଲିଯାବ ପାବେ। ଏହିଥିନିମେଇ କ୍ଷେତ୍ର, ଯାତ ଆମି ଆଧିକ ଗୁରୁତ୍ୱ ପ୍ରଦାନ କରିବ ଲାଗେ।

ଏତିଯା ଆମାର ଦେଶତ ବହୁତୋ ଆଧିକାବ ଜନିତ ଆଇନ ବହୁତୋ ଆଛେ। ଭାବତ ଆଧିକାବଭିତ୍ତିକ ଆଇନ ବିଷୟର ଆଗବଣ୍ଟା। ଆମାର ଆଛେ ତଥାର ଆଧିକାବ, କାମ କରାବ ଆଧିକାବ, ଶିକ୍ଷାବାଧିକାବ, ଖାଦ୍ୟବ ଆଧିକାବ ଆକୁ ଶେଷତିଆକେ ଆମି ଅନ୍ତର୍ଭୂକ୍ତିର ଆଧିକାବ ଆଦି ଯୋଗ କରିଛୋ। ଏହି ଆଧିକାବ ଜନିତ ଆଇନବୋର ଲଗତ SDG ଲଗ କରକ। ପଞ୍ଚାୟତବୋର କାର୍ଯ୍ୟକବୀକବଣତ ଉପ୍ରେଥ୍ୟୋଗ୍ୟ ଭୂମିକା ପାଲନ କରେ ଆକୁ ବିଶେଷତେ SDG ନିର୍ବିକଳଣ ସୁଚକସମ୍ମହତ ନଜର ବାଖେ। ତେବେ ମାପିଂ ବର ଜାଟିଲ।

ବିଭିନ୍ନ ଧରଣର ଆଁଚନି ପଞ୍ଚାୟତେ ବାଜୀ ବିଶେଷେ ଆଗବଢାଯ ଆଛେ। SDG ଲୋଗ ଖୁବାଇଁ ଏହି ଆଁଚନି ଆଗବଢାରୀ ହେଛେ। ଆକୋ ଆମି ୧୫ତମ ଅଥନେତିକ କମିଚନର ଅନୁଦାନ ବ୍ୟାବହାବ କରି ଆମି ଗ୍ରାମ ପଞ୍ଚାୟତ ଉନ୍ନୟନ ପରିକର୍ମନାର ଅଧିନିତ କାର୍ଯ୍ୟୁସ୍ତ୍ରୀ ଗ୍ରହଣ କରିଛୋ। ସେଇଥିନିତ SDG ବୋର ଆହିତ ଲୈ ଲୋଗକ। ଆପୁନି ଏହି କାମ କରାବ ପିଛତ 'ଚବକାବ' ବା 'ଇ- ଚବକାବ' ନାମର ଏଟା ସାଧାରଣ କଥା ଥାକେ। ଭାଲ ଚବକାବର କିଛିମାନ ଉପାଦାନ ଥାକେ ସେମେ ସାମାଜିକ ହିଚାପ ପରିଦର୍ଶନ, ଯବାଦେହିଆକ ବ୍ୟକ୍ତତା ଆଦି। ସେଇଥିନିତ SDG ବୋର ଆହିତ ଲୈ ଲୋଗକ। ଏତିଯା ଆପୁନି ସ୍ଵର୍ଗ ତ୍ରୈୟଭାବେ ଜାନିବ ପାରିବ ବାଜିକ ପଞ୍ଚାୟତବୋରେ SDG ବ ବାବେ କି କରିବ ପାବେ । ଆପୁନି କି କରିବ ପାବେ ସେଇଟୋ ନିର୍ଣ୍ଣୟ କରାବ କ୍ଷେତ୍ର ଏହିଟୋରେଇ ପ୍ରଥମ ପଦକ୍ଷେପ ।

ପଞ୍ଚାୟତବୋରେ ଆନ୍ତର୍ଭୂତି ଆକୁ ଡିଲା ପର୍ଯ୍ୟାୟତେ ଏବେ ମେପିଂ କରେ। କିନ୍ତୁ ମହି ପ୍ରଥମେ ଗ୍ରାମ ପଞ୍ଚାୟତ ଭବତ ଗୁରୁତ୍ୱ ଦିବିଲେ ଜୋବ ଦିମା। ଗ୍ରାମ ପଞ୍ଚାୟତର ସମର୍ଥବୋର ନୋ କି? ସକଳୋତକେ ଡାଙ୍କିର ସମର୍ଥ ହେଛେ ପ୍ରାମପଞ୍ଚାୟତ ମାନୁହର ସୈତେ ମୁଖ୍ୟମୁଖ୍ୟ ହୟ। ମାନୁହର ଆସୁବିଧାସମ୍ମହ ଜାନେ ।

\* ୧ ଭାବତ ଚବକାବର ପ୍ରାକ୍ତନ ସଚିବ

\* ୨ ସହ୍ୟୋଗୀ ଅଧ୍ୟାପକ, ଚି.ଆର. ମହି, ବାଟ୍ରୀଯ ଗ୍ରାମୋନ୍ନ ପ୍ରତିଷ୍ଠାନ ଆକୁ ପଞ୍ଚାୟତୀ ବାଜ, ହାଯଦରାବାଦ



আর্থ- সামাজিক আগ্রাধিকারের ভিত্তিত কোন শ্রেণীর ব্যক্তিক সমর্থন করিব লাগে গ্রাম পঞ্চায়তে জানে। সেয়েহে এই আমাক প্রকৃত লক্ষ্য প্রাপ্তিৰ বাবে সহায় করিব পাবে। আপোনাৰ আশ্শেৱণ আৰু সামুহিক স্থানীয় কাৰ্যৰ প্ৰয়োজন। এইখনি গ্রাম পঞ্চায়তৰ দ্বাৰা কৰিব পাৰি। কাৰণ অনাৰ্বৃতজনৰ ওচৰ কেৱল গ্রাম পঞ্চায়তৰ সহায়তহে চাপিব পাৰি।

লক্ষ্যবোৰ একেটা স্তৰৰ প্রাপ্তি নহয়। এইবোৰ দেশৰ বা বিশ্বৰ সকলো ঠাইত ই একে স্তৰত নাই। এখন জিলাৰ বৃহৎ তাৰতম্য মাজতে দেখিবলৈ পোৱা যায়। কেৱল গ্রাম পঞ্চায়তেহে সেই স্তৰৰ উন্নয়নত সহায় কৰিব পাৰিব। তাৰোপৰি কিছুমান বিশেষ কথা যেনে আনাময়, প্ৰাকৃতিক সম্পদ ব্যবস্থাপনা আদিৰ দ্বাৰা দুখীয়াৰ ওচৰলৈ গ্রামপঞ্চায়তে সহায়ৰ হাত আগবঢ়াই আছে। তাৰোপৰি গ্রামপঞ্চায়তৰ সদস্যৰ সংখ্যা হৈছে প্ৰায় ৩০ লাখ বা ৩ মিলিয়ন তাৰে ১৩ লাখৰ পৰা ১৪ লাখৰ ভিতৰত আছে মহিলা আৰু তেওঁলোক হৈছে SDGৰ বাবে সীমাবৰ্তীত বেচ্ছাসেৱক বা সিমাৰুভীত কাম কৰা বেচ্ছাসেৱক।

সাধাৰণতে SDGবোৰ সহজান্বৰ উন্নয়নৰ লক্ষ্যতকৈ ভিন্ন হয়। SDGবোৰ সামাজিক পুঁজি গথনৰ বাবে সকল সকল দিশবোৰ আগুবি লয় আৰু সেয়া গ্রামপঞ্চায়তৰ দ্বাৰা গ্রামপঞ্চায়তেহে গঢ়ি তুলিব পাৰি। এই লক্ষ্যবোৰ প্রাপ্ত কৰিবলৈ প্ৰসাৰৰ বহুত প্ৰয়োজন। গ্রামপঞ্চায়তবোৰ সুকিয়া সুবিধা আছে, বিশেষকৈ ঘত সামাজিক খণ্ডৰ কথা কোৱা হয়। ইয়াৰ দ্বাৰা উন্নানৰ ক্ষিয়াৰ ঘৰিয়তে চাহিদাৰ কাৰ্যকৰী কৰা প্ৰয়োজনীয়। গ্রামপঞ্চায়তৰ দ্বাৰা পুনৰ এই চাহিদাৰ সুস্টি কৰিব পাৰি।

ঐতিহাসিকভাৱে আৰু ব্যৱহাৰিকভাৱে গ্রামপঞ্চায়তেহে বিভাগীয় ভাগ বতৰাৰোৰ আভোৰোৱাত সহায় কৰিব পাৰিব। উচ্চ পৰ্যায়ত আমি বিভাগীয়তা উচ্চ আৰু আমি বিভাগীয়ভাৱে চিন্তা কৰো। গ্রামপঞ্চায়তে সকলো আসুবিধা প্ৰতিটো দিশৰ পৰা চালিজাৰি চায় আৰু তাৰ সমাধানো সকলো দিশৰ পৰা ভাৰি চায়। SDGবোৰ সাধাৰণ, ঘংত ই বিভিন্ন খণ্ডগত আৰু ইয়াতে বিভাগৰ বাহিৰৰ সামাধানৰ প্ৰয়োজন।

গ্রামপঞ্চায়তবোৰে বিভিন্ন খণ্ডগত সমস্যাৰ সমাধান বিচাৰি উলিওৱাত জটিল কপ ধাৰণ কৰে। ই বিশেষ ভূগোলৰ ক্ষেত্ৰত চিন্তা কৰে- যেনে আপুনি বিশেষ গোটি, বিশেষ ঠাই, বিশেষ ক্ষেত্ৰৰ ওপৰত ধ্যান কেন্দ্ৰিত কৰিব লাগে। গতিকে গ্ৰামপঞ্চায়ত বা বহুতো গ্ৰামপঞ্চায়তে মিলি সমাধানৰ বাবে আগবঢ়াটি আহিব লাগিব। গ্ৰামপঞ্চায়তৰ বাবে স্থানীয় প্ৰয়োজন আৰু স্থানীয় আগ্রাধিকাৰ বহুত গুৰুত্বপূৰ্ণ। গ্ৰামপঞ্চায়তবোৰে অসাধাৰণ প্ৰদৰ্শনকাৰীক চিনাঙ্গু আৰু সীকৃতি প্ৰদান কৰি লালন পালন কৰে আৰু অনুশীলনৰ দ্বাৰা প্ৰসাৰিত কৰে।

প্ৰয়োগ কৰাৰ আগতে, আমি কিছুমান জটিল উন্নয়নৰ বিষয়ে বুজি লোৱা উচিত যিবোৰৰ অত্যাৰশ্যকীয় বৈশিষ্ট্যসমূহ লক্ষ্যৰ লগত জড়িত। যদি আপুনি সেইবোৰ সঠিক দৃষ্টিকোণেৰে বুজি পায়, কাৰ্যকৰী কৰিবলৈ সহজ হৈ পৰে। উদাহৰণস্বৰূপে, স্থানীয় প্ৰসংগত দৰিদ্ৰতা কি? যিয়ে প্ৰতিজন ব্যক্তিক, প্ৰতিটো বয়সত প্ৰভাৱ পেলায়, প্ৰতিটো স্থানীয় ঠাইত আপুনি কিবা নহয় কিবা বিচাৰি উলিয়াৰ পাৰে। অপুষ্টিকৰ কি? পুষ্টিহীনতা কি? আৰু স্থানীয় প্ৰসংগত জলবায়ু পৰিবৰ্তন কি? লিংগৰ 'সমস্যা' কি? আৰু স্থানীয় প্ৰসংগত আনুবংশিক বৈচিত্ৰ বা প্ৰবপৰাৰ জ্ঞান কি? সমান মনোৰূপসম্প্ৰদাৰ শিক্ষা কি? SDG ত এই সকলোৰোৰ উল্লেখ কৰা হৈছে। প্ৰাকৃতিক সম্পদ ব্যৱস্থাপনা কি? অন্তৰ্ভুক্ত বৃক্ষি কি? গ্ৰাম পঞ্চায়তে এই সকলোৰোৰ বুজিবলৈ চেষ্টা কৰি আহিছে আৰু অন্য বিষয় যেনে মানা কৰ্ম আৰু শ্ৰমিকৰ আধিকাৰবোৰ কি? আৰ্থিক অন্তৰ্ভুক্তি মনে কি বুজা যায় আৰু শান্তি বা অহিংসাই স্থানীয় উন্নয়নত কেনেদবে প্ৰভাৱ পেলায়? এই বিষয়বোৰ আভ্যন্তৰীণ কৰি লোৱাৰ প্ৰয়োজন আৰু গ্ৰাম পঞ্চায়তসমূহত ইয়াক ভালদৰে আভ্যন্তৰীণ কৰিব পাৰি।

এতিয়া আহক আৰু কিছুমান লক্ষ্য লও আৰু দেখুৱাই দিও যে গ্ৰাম পঞ্চায়তে আৰু কি কৰিব পাৰে?

প্ৰথম লক্ষ্যটো হৈছে দৰিদ্ৰতাৰ বিষয়ে MGNREGS হৈছে গ্ৰাম পঞ্চায়তৰ বিষয় আৰু আমি ইয়াৰে উপৰত বহু কিবা কৰিব পাৰোঁ। লক্ষ্য ২- হৈছে ভোক বিষয়ে, যিটো কৃধা কৰাৰলৈ, খাদ্য সুৰক্ষাৰ পুষ্টি আৰু বহুক্ষম কৃতিৰ সৈতে জড়িত। এইক্ষেত্ৰটো MGNREGS সহজলভ্য। লক্ষ্য ৩- হৈছে বাস্ত্যকৰ জীৱনৰ বিষয়ে। ইটো চিকিৎসালয় গ্ৰাম পঞ্চায়তত নাথাকিব পাৰে কিন্তু গ্ৰাম পঞ্চায়তসমূহে চিকিৎসালয়সমূহ বা প্ৰাথমিক বাস্ত্য কেন্দ্ৰসমূহৰ সেৱা প্ৰদান আৰু জনসাধাৰণৰ মাজত শেষ তাৰ সংযোগ আনিব পাৰে। সেয়েহে এইক্ষেত্ৰটো গ্ৰাম পঞ্চায়তে অৱদান আগবঢ়াই আহিছে। এইখনি কথাই লক্ষ্য ৪ৰ লগতো সংগতি বাখে, যিটো হৈছে শিক্ষা, সমতা আৰু প্ৰৱেশ নিশ্চয়তা কৰা। গ্ৰাম পঞ্চায়ত সকলোৰ বাবে শিক্ষাৰ ব্যৱস্থা কৰিব পাৰে। লক্ষ্য-৫হৈছে লংগ সমতাৰ বিষয়ে। গ্ৰাম পঞ্চায়তসমূহে দুখীয়াৰ SHGৰ বাবে কাম কৰিব পাৰে। প্ৰায় ৪৫% গ্ৰাম পঞ্চায়তৰ সদস্যায়ে হৈছে মহিলা। তেওঁলোক আগ্ৰণী বেচ্ছাসেৰী হ'ব পাৰে।

লক্ষ্য-৬ হৈছে সম্পূৰ্ণকৈপে গ্ৰাম পঞ্চায়তৰ বিষয়ে কয় যেনে পানী আৰু সকলোৰ বাবে অনাময় ব্যৱস্থা। গ্ৰাম পঞ্চায়ত উন্নয়নৰ পৰিকল্পনা ব্যৱহাৰ, জল জীৱন মিছনৰ ব্যৱহাৰ আৰু ১৫তম বিস্তীয় কমিছনৰ আনন্দানৰ লগতে MGNREGS আনন্দানৰ জৰিয়তে গ্ৰাম পঞ্চায়তসমূহে সকলোৰ বাবে খোৱা পানী আৰু অনাময় ব্যৱস্থা কৰিব পাৰে আৰু খোৱা পানী আৰু অনাময় ব্যৱস্থাৰ অসুবিধাতো সকলো ভৰোলৈ লৈ যাব পাৰে। SDGৰ নীতি কোনো পিছ পৰিব নালাগে ইয়াতে ভালদৰে প্ৰয়োজন।

लक्ष्य-७ हैছे शक्ति विषयो। शक्ति ट्रिलाइट आक बद्धन गेहूँव वहु औपरता अत्याधिक डैरें-गेहूँव बारहाबर विषयो सहर आमि गुकड़ पूर्णभाबे भाबि चाब लागो। ऐटोव औपरत समर्थन जनाय चबकाबे बहुतो कार्या करि आहिछे। आगतानुगतिक शक्ति एने एटा विषय याक ग्राम पञ्चायते सहजते बारहाबर करिव पाबो। लक्ष्य-८ हैছे बुद्धि विषयो। ग्राम पञ्चायतसमूहे इयात ग्राम पञ्चायतसमूहे अलप अरदान आगवडाब पाबो, तथापि याना काम, कर्मसंस्थापन सृष्टि आक झुम उद्योगव प्रसाब आदि ग्राम पञ्चायत पर्यायत ग्रहण करिव पाबिहियाब वाबे आमि छानीय कार्याब जवियते MGNREGS आक NABARD, KVIC, SIDBI आदिव अन्यान्य कार्यसूची आनिव पाबो। MGNREGSव युवक-युवतीसकलक DDU-GKYव जवियते कोशल उम्मयनव दिशत आगुराह निव लागो। इयाब जवियते समाजव विभिन्न शेणीले बहुत काम सृष्टि करिव पाबि।

लक्ष्य-१० हैছे असमता छास करा। भाबतव दबे देशत असमता बहुत विपज्जनक एक अभिशक्ति दरिजतातकेयो। बैषम्य छास मेत्र' पलिचिव जवियते ह'व पाबे किञ्च तेत्तोक थिसकले असमता र सन्मुखीन हैছे, तेनेमानुहक इयाबे परा दुरत निवले, मूलस्त्रुतिले घूराह आनिवले, उम्मयन प्रतिस्थाले आनिवले, ग्राम पञ्चायतसमूहे सहजेइ काम करिव पाबो।

लक्ष्य-१२ ह'ल बहनकम बारहाब आक उৎपादनव विषयो। ऐटो हैছे आचरणव परिवर्तन आक एই ग्राम पञ्चायतसमूहे मानुहव सैते अविरतभाबे जड्डित है, आक तेत्तोकव सैते काम करि लाभ करिव पाबो। पञ्चायतसमूहे सेउज उम्मयन आन्दोलनव सहायत बहनकम उৎपादन पक्षतिव प्रसाब घटाब पाबो।

लक्ष्य-१६ हैছे शान्तिपूर्ण आक अनुरूप समाजव विषयो। शान्तिव आवस्तुपि हय ग्रामसभात, आपुनि यिदेरे सकलोके अनुरूप करे - दुर्योग पुकव / महिलाब भितवत आटाइतके दुर्योग यानुहको अनुरूप करि। गांधीजीये अनाहाबे यका आक परिव्रमी लाख लाख लोकव विषये कय- तेत्तोक सकलोके ग्रामसभाले अनाब प्रयोजन यिटो हैছे शान्ति आक अनुरूप। शेषव लक्ष्य हैছे लक्ष्य-१७ यिटो हैछे कार्यकर्तीकरण शक्तिशाली करवा। SDGs कपायण वाक्तव्यायित करवाब वाबे ग्राम पञ्चायतसमूहक क्षमता आक शक्तिशाली करवाब प्रयोजन। आमि ग्राम पञ्चायत पर्यायत गतिशीलता गटि तुलिव लागिव। युव पेहादावीसकले सम्प्रदायसमूहव सैते घनिष्ठभाबे काम करिव लागिव, आक पञ्चायतसमूहक पर प्रदर्शन करिव लागिव। ऐटो अति अंशग्रहणमूलक ह'व लागिव। आहक आमि पञ्चायती बाज प्रतिष्ठानिक गांधीनिव औपरत उत्ति याँति। SDGव वाबे एटा सुकृत्या परिकर्तना ब्याबहा सृष्टि नकरो आहका। पञ्चायतसमूह विश्वापी प्रभावव वाबे छानीयभाबे काम करवाब वाबे सकलोतके सठिक ह'व पाबो।

भाबत चबकाबे वर्तमान दविस्रतामुक्त पञ्चायतव परिकर्तना हातत लैছे। सेयेहे सकलोरे एकेलग है काम-काज करो आहक। ग्राम पञ्चायत उम्मयन परिकर्तना (GPDP)व वाबे पिपलच प्लेन केम्पेन्सिनव जवियते सृष्टि होरा गतिवेग ब्याबहाब करि श्रम वाजेटव परिकर्तना, SDGव परिकर्तना आक दविस्रतामुक्त पञ्चायतव परिकर्तना। आगवाटि याँति आहकाअग्राधिकाब ह'व लागे धावगावोव बुजि पोराब औपरत। SDGव पक्षतिगत मेपिंग करि सेइवोव केनेकै कार्यकर्ती करिव पाबि सेइटोरेइ आमि एই लेखात उल्लेख करिछो। समस्याटो बुजिले आपुनि सेइवोव भालदबे समाधान करिव पाबिव, आक कथावोव व्यांकियभाबे उपयुक्त ह'व। इयाब वाबे आमि NIRD & PR, SIRD & PRs, बाज चबकाब, जिला प्रशासन, आक पञ्चायत पर्यायव किछुमान झुल आव प्रेकटिच आक विकन लिडाब आदि प्रशिक्षण प्रतिष्ठानव सम्पूर्ण ब्याबहाब करिव लागिव। छानीय कार्याब वाबे परिवेश अनुकूल। यानुहव परिकर्तना अभियानव जवियते आवस्तु करो आहक, आक आवस्तु होराब लगे लगे तीत्रतव करि तोलोी।

\*\*\*\*\*

# ভাৰত আৰু ইয়াৰ গাঁওসমূহৰ বাবে: স্থানীয় চৰকাৰৰ দ্বাৰা বহনক্ষম উন্নয়নৰ লক্ষ্যৰ স্থানীয়কৰণ

\*জয়শ্রী বংশুবৰ্ধন

“আমি জনগোষ্ঠীৰ” বাট্টসংঘৰ বাজআজ্ঞা উৎঘাপিত আৰম্ভণিৰ শব্দ। আজি ২০৩০ চনৰ পঢ়ত নামিজো “আমি জনগোষ্ঠীৰ”। আমাৰ বিশ্বক কপালৰিত কৰা; বহনক্ষম উন্নয়নৰ বাবে ২০৩০ চনৰ কাৰ্যসূচী - বাট্টসংঘৰ সাধাৰণ পৰিহৰণত ২০১৫ চনৰ ছেপ্টেছৰ মাহত গ্ৰহণ কৰা, A/RES/70/1 “আমি ভাৰতৰ জনসাধাৰণে নিজকে দিঁও”, ভাৰতৰ সংবিধানৰ প্ৰস্তাৱনাত লিখিত শব্দ।

বহনক্ষম উন্নয়নৰ লক্ষ্য (SDGs), হৈছে সাৰ্বজনীন লক্ষ্য আৰু কাৰ্য্য। ইইত সংহত আৰু অবিভাজ্য আৰু বহনক্ষম উন্নয়নৰ ত্ৰিমাত্ৰিক- অধীনেতৰিক, সামাজিক আৰু পৰিৱেশগত ভাৰসাম্য বক্ষা কৰো। ১৬টো বিশ্বব্যাপী লক্ষ্যৰে ১৭টা SDG, ২০১৫ চনৰ ছেপ্টেছৰ মাহত ১৯৩খন দেশে প্ৰতিশ্ৰুতিবদ্ধ হৈছিল, আৰু ই ২০১৬ চনৰ ১ জানুৱাৰীৰ পৰা কাৰ্য্যকৰী হৈতিল।

২০১৫-২০১৬ বৰ্ষত ভাৰতৰ গাঁও পঞ্চায়তসমূহত গ্ৰাম পঞ্চায়ত উন্নয়ন পৰিকল্পনাৰ জৰিয়তে উন্নয়নৰ পৰিকল্পনা প্ৰক্ৰিয়া প্ৰস্তুত কৰা হৈতিল। চতুৰ্দশ বিশ্ব আয়োগৰ অধীনত (২০১৫-২০২০) গ্ৰাম স্থানীয় সংস্থাসমূহলৈ ২০০,২৯২.২০ কোটি টকা ধন হস্তান্তৰ কৰাৰ ক্ষেত্ৰতো এটা মনত বাধিবলগীয়া বছৰ আছিল।

## এছডিজি ইণ্ডিয়া সূচকাংক

নিতি আয়োগে ২০১৮ চনত প্ৰথম SDG ভাৰত সূচকাংক (SDGII) ভিত্তি বেখা আগবঢ়াইছিল। ইয়াত বাট্টীয় সূচক কপৰেথা (NIF)ৰ ৩০৬টা সূচকৰ ভিতৰত ৬২টা সূচক অগ্ৰাধিকাৰৰ সূচকৰ এটা গোটা আছিল, যিটোত ১৩টা লক্ষ্য সামৰি লোৱা হৈছিল আৰু ই ৩৯টা সাৰ্বজনীন লক্ষ্যৰ পৰা প্ৰবাহিত হৈছিল, বাট্টীয় অগ্ৰাধিকাৰৰ ওপৰত ভিত্তি কৰি। ভাৰতৰ বাবে সংমিশ্ৰিত মানাংক আছিল ৫৭। বাজাসমূহৰ (কেন্দ্ৰীয় শাসিত অঞ্চলকে ধৰি) মানাংকৰ পৰিসৰ আছিল ৪২ৰ পৰা ৬৯। কেৰেলা আৰু হিমাচল প্ৰদেশৰ মানাংক আছিল ৬৮, উত্তৰপ্ৰদেশ (৪২), বিহাৰ (৪৮) & অসম (৪৯)।

২০১৯ চনত SDGII 2.০ৰ ১৬টা লক্ষ্য, ৫৪টা বাট্টীয় লক্ষ্য আছিল আৰু NIF ৰ ১০০টা সূচক আছিল। বাজাসমূহৰ হান আৰু মানাংক আৰু SDG-ভিত্তিক, লক্ষ্য আৰু সূচক-ভিত্তিক অৱস্থাসমূহ উলিয়াই অনা হৈছিল। ২০২১ চনৰ মাৰ্চ মাহৰ শেষৰেটো SDGII ৩.০ত, ১৬টা লক্ষ্য, ৭০টা টাগেটি আৰু ১১৫টা বাট্টীয় সূচক সামৰি লোৱা হৈছে যাৰ দ্বাৰা ভাৰতৰ বাবে সমগ্ৰ মানাংক ৬৬লৈ গতি কৰিছে, মানাংক পৰিসৰ ৫২ৰ পৰা ৭৫লৈ, কেৰেলা ৭৫, তামিলনাড়ু আৰু হিমাচল প্ৰদেশ ৭৪ত শীৰ্ষ হানত অব্যাহত আছে, ২০১৮ চনৰ পৰা ৬৪ বছৰত উপনীত হোৱা মিজোবাম আৰু উন্নৰাখণ ৭২(দুয়োটা +12), উৰিষ্যা (+10) ৬।

\* তামিলনাড়ুৰ প্ৰাক্তন অতিৰিক্ত মুখ্য সচিব

বছৰত লক্ষ্য সংযোজন আৰু সূচকসমূহৰ পৰিৱৰ্তনে ইয়াক কমলাৰ সৈতে আপেলৰ তুলনা কৰি তোলে বুলি কোৱা যুক্তিটো এই প্ৰসংগত চাৰ লাগে ষে সকলো বাজাই আপেল আৰু কমলাৰ একেটা সূচকৰ পৰাই কাম কৰি আছে আৰু ই হৈছে তীৰ অৱস্থানশীলতা যিয়ে উল্লেখযোগ্য প্ৰাসংগ আৰু বাজাসমূহৰ লক্ষ্য আৰু সূচকৰ বিপৰীতে অগ্ৰগতি যাবলৈ আছান জনায়। আনহাতে, অধিক তাৎপৰ্যপূৰ্ণ আৰু কাৰ্য্যৰ মনোযোগৰ বাবে SDGসমূহৰ প্ৰকৃত পৰিসংখ্যা, তাত থকা লক্ষ্য আৰু সূচকসমূহৰ দৰকাৰ। এই পৰিসংখ্যাসমূহে SDG ৭ (সুলভ আৰু পৰিকল্পনাৰ শক্তি) (+২২), SDG ১১ (বহনক্ষম চহৰ আৰু সম্প্ৰদায়) (+২৬), SDG ১২ (দায়িত্বশীল ব্যৱহাৰ আৰু উৎপাদন) (+১৯) আদিৰ বৃহৎ উল্লান দেখুৱাইছে, আনহাতে নিষ্পামী হৈছে SDG ৬ (জল আৰু অনাময় (-৫), SDG ১৩ (জলবায়ু কাৰ্য্য) (-৬), SDG ৯ (উদ্যোগ, উন্নৰাখণ আৰু আন্তঃগাঁথনি) (-১০))। বাজাভিত্তিক আৰু সূচকভিত্তিক বিৱৰণ উপলক্ষ যিয়ে স্পষ্টভাৱে দেখুৱাৰ যে লক্ষ্য আছে আৰু সেইবোৰত মনোযোগৰ প্ৰয়োজনীয়তা আছে, সূচকসমূহ আৰু বাজাসমূহে সেইবোৰ কত আৰু কিয় আছে সেয়া চাৰ লাগিব।

## বাজ্য আৰু জিলা

NIFৰ পৰা বাজ্য সূচক কপৰেথা চোৱাৰ প্ৰয়োজন আছে, যিটো কেৰেল NIF ৰ পৰাই নহয়, প্ৰতোক বাজ্যৰ বাবে প্ৰাসংগিক হয়। সূচক নিৰ্বাচন আৰু ইয়াৰ ওজনসমূহে বার্ষিক অগ্ৰগতি নিৰীক্ষক হিচাপে কাম কৰে।

ইয়াতকৈও গুৰুত্বপূৰ্ণ কথাটো হ'ল উপ-বাজ্যৰ পৰ্যায়লৈ যোৱা। নিৰ্দিষ্টকৈ জ্ঞানৰ পৰা সূচকসমূহৰ ওপৰত আন্তঃজিলা বৈষম্যাই বিভিন্ন কেন্দ্ৰীয় পৃষ্ঠপোষকতা আঁচনি আৰু বাজ্যৰ পৃষ্ঠপোষকতা আঁচনিৰ অধীনত বাজ্যাখনক কেন্দ্ৰীভূত বিনিয়োগ সক্ষম কৰে। বহু বাজ্যৰ নিজৰ জিলা সূচক কপৰেথা (DIF) প্ৰস্তুত কৰিছে। চিনাঙ্গুলুত ১১৩খন পিছপৰা জিলাৰ ওপৰত গুৰুত্ব আৰোপ কৰি নিতি আয়োগৰ আকাঙ্ক্ষিত জিলা কাৰ্যসূচী (ADP)ৰ দ্বাৰা DIFক কিমান ফলপ্ৰসূভাৱে ব্যৱহাৰ কৰিব পাৰি তাৰ জোখা হ'ব পাৰে। ৪৯টা সূচকৰ উন্নতিৰ পৰিসৰ ২ বছৰত ৫০% পৰ্যন্ত হৈছে। দুৰ্গম আৰু কঠিন জিলা যেনে উৰিষ্যাৰ বায়াগাড়া জিলাৰ ২০১৮ চনৰ ছেপ্টেছৰ মাহত ১১২ লক্ষৰ হানত আছিল আৰু ২০২০ চনৰ অক্টোবৰৰ মাহত ৫ লক্ষৰ হানলৈ হানান্তৰিত হৈছিল; ২০১৮ চনৰ নৱেন্দ্ৰ মাহত ১০৫ লক্ষৰত থকা UP ৰ ফাতেহপুৰ ২০১৯ চনৰ মে' মাহত ২ লৈ আগবঢ়াতিল (ডেল্টা শ্ৰেণী)।

নিঃসন্দেহে ইমান গতিবে ই আৰু অন্যানা জিলাসমূহত হোৱা উদ্ভিদৰ কাৰণ হ'ব পাৰে কাৰ্যসূচীৰ আৰিৰ দৰ্শনৰ প্ৰভাৱ, জুখিৰ পৰা সূচক, তুলনা আৰু কেন্দ্ৰীভূত কাৰ্যাৰ সৈতে জৰিয়ত APDCয়ে স্থায়, পৃষ্ঠি, শিক্ষা, কৃষি, জলসম্পদ, আৰ্থিক অস্তৰভূজি, দক্ষতা বিকাশ আৰু মৌলিক আৰ্থ:গৰ্থনিৰ ওপৰত চকু বাছে। চিনাঙ্গ কৰা এই যশস্মুহ বহনক্ষম উন্নয়ন লক্ষ্যৰ ক্ষেত্ৰখনত পৰে।

## উপ - ৰাজ্যিক

এছডিজিআইআইয়ে যি কৰিব পাৰে সেয়া হ'ল বাজাসমূহক এছডিজিসমূহৰ ওপৰত তেওঁলোকৰ প্ৰদৰ্শনৰ দাপোন দেখুওৱা। তি আই এফে যি কৰিব পাৰে সেয়া হ'ল বাজা চৰকাৰে চাৰ আৰু কাৰ্যকৰী কৰিব পৰাকৈ আন্তঃজিলা বৈষম্যৰ সবিশেষৰ প্ৰয়াণ দিয়া। বাস্তীয়ৰ পৰা বাজালৈকে এছডিজি লাভৰ প্ৰক্ৰিয়াত চৰকাৰৰ ২টা ত্ৰি সামৰি লোৱা হয়। কাৰ্যসূচীসমূহৰ পৰিকল্পনা, কৰ্পোৱণ আৰু নিৰীক্ষণৰ ক্ষেত্ৰত ভাৰত চৰকাৰ আৰু বাজা চৰকাৰ প্ৰত্যক্ষভাৱে জড়িত। কেন্দ্ৰীয় পৃষ্ঠপোষকতা কৰা আঁচনি কাৰ্যসূচীসমূহ আমা অঞ্চলত কৰ্পোৱণ কৰা হয়, চৰকাৰী বিষয়াৰ জৰিয়তে আৰু জিলাসমূহেই প্ৰদানৰ দায়িত্বৰ বাবে জটিল ত্ৰি তথাপিৎ মহকুমা পৰ্যায়লৈ আধিক ঘোৱাটো প্ৰয়োজনীয়, বুক আৰু গাঁও পঞ্চায়তলৈ যিবোৱে নিঃসন্দেহে বিভিন্ন ত্ৰি উন্নয়ন আৰু বিভিন্ন স্থানত মনোযোগৰ আহ্বান জনোৱা বিভিন্ন বিষয়ৰ আৰু বিকেন্দ্ৰীকৃত আৰু লঞ্চাভিত্তিক পদ্ধাৰ প্ৰয়োজনীয়তা দেখুৱাইছে। শব্দটোও নতুন নহয়, দৰ্শনটোও নতুন নহয়।

ইয়াৰ বাবে ৰাজ্যিক সমৰ্থনৰ এটা ডাঙুৰ উদাহৰণ হ'ল যে বিড়ুবনাৰ কথাটো হ'ল, জেজেএমৰ অধীনত ৫৫ এলপিচিডি প্ৰদানৰ ক্ষেত্ৰত শীৰ্ষ পদবী লাভৰ দোৰে বাজা চৰকাৰসমূহে (আৰু জিলা প্ৰশাসনৰ) আধিক মনোযোগ পোৱা যেন লাগে, গাঁও আৰু গাঁওসমূহৰ পানী, মানসম্পদ ঘোৱাপানীৰ প্ৰয়োজনীয়তা প্ৰণ কৰাতকৈ আৰু পানীৰ উৎস, যদিও এই অতি জটিল অভিযানৰ অধীনত ধন একেবাবেই কোনো বিষয় নহয়।

আৰু আগবঢ়ি গৈ ঘোৱাপানী আৰু ঘৰুৱা প্ৰয়োজনীয়তাৰ বাহিৰেও এখন গীৰৰ পানীৰ প্ৰয়োজনীয়তাৰ সামগ্ৰিক দৃষ্টিভঙ্গী, কৃথিৰ প্ৰয়োজনীয়তা, ভগৱত্ত পানীৰ ত্ৰি, পানী সংগ্ৰহ আদিৰ মূল্যায়ন আৰু বিভিন্ন বিভাগৰ পৰা উপলক্ষ একাধিক আঁচনিৰ বাৰহাৰ কি কি তাৰ লক্ষ্যৰ আশে-পাশে পৰিকল্পনা কৰা হোৱা নাই গাঁও পঞ্চায়তে বিষয়সকলে কৰ্পোৱণ কৰা বিভিন্ন আঁচনিৰ অধীনত কৃতিত্ব হিচাপে পৃথক শাৰীৰিক লক্ষ্যত উপনীত হৰলৈ আৰু অগ্রাধিকাৰ দিব বিচাৰে।

## স্থানীয় স্বশাসনৰ সৈতে এছডিজিৰ স্থানীয়কৰণ।

প্ৰতিবন পঞ্চায়ত, আৰু তাত থকা লোকসকলৰ বাবে প্ৰাসংগিক এই বিশ্বব্যাপী লক্ষ্যসমূহৰ স্থানীয়কৰণ আবিহনে সকলোৰে বাবে বিশ্বব্যাপী লক্ষ্যসমূহৰ প্ৰাণ্বিৰ কৱনা কৰাটো অসমৰা বিষয়সকলে দীৰ্ঘদিন ধৰি সিদ্ধান্ত লৈ আহিছে যে ক'ত কি দিব লাগে আৰু আমি সকলো খণ্ডৰ ভিতৰতে বৈষম্য দেখিবলৈ পাইছো। স্থানীয় সূচক কৰপৰেয়া, স্থানীয়ভাৱে প্ৰাসংগিক লক্ষ্যসমূহ লাভ কৰিবলৈ গ্ৰাম পঞ্চায়ত পৰ্যায়ত, যিয়ে বুক, জিলা, ৰাজ্যিক আৰু বাস্তীয় পৰ্যায়ত লক্ষ্য আৰু সূচকসমূহত প্ৰতিফলিত হোৱা কৰ্মক্ষমতাৰ সৈতেও সংযোগ আৰু একত্ৰিত কৰে, পৰবৰ্তী অপৰিহাৰ্য লক্ষ্যে হ'ব। ইয়াৰ দ্বাৰা এছডিজিৰ সমগ্ৰ বৰ্ণালীত বিভিন্ন পঞ্চায়ত ক'ত আছে তাৰ ছবিখন পোৱা যাব আৰু পৰিকল্পনা আৰু হস্তক্ষেপৰ বাবে মুকলি প্ৰয়াণ পোৱা যাব।

ভাৰত চৰকাৰৰ বছু ফ্ৰেগশৰ্প আঁচনি যেনে বাস্তীয় স্থানীয় অভিযান (এন এইচ এম), জল জীৱন মিছন (জে জে এম), বচত ভাৰত অভিযান (এছ বি এম), পোৱণ অভিযান আদিত বিশেষভাৱে গাইডলাইনত উল্লেখ কৰা হৈছে যে গাঁও পৰ্যায়ৰ পৰিকল্পনা ধাকিৰ লাগিব, গ্ৰামসভাৰ জড়িততা, তথ্যৰ ভাগ-ভতৰা, পঞ্চায়ত বাজ প্ৰতিষ্ঠান (পি আৰ আই)ৰ নিৰ্বাচিত প্ৰতিনিধিসকলৰ বাবে প্ৰশিক্ষণ, অন্যান্যৰ লগতে, যিয়ে এই প্ৰক্ৰিয়াত স্থানীয় আভ্যন্তৰীণ জড়িত কৰিব বিচাৰে, হ'ল বাস্তৰতা একেবাবে বেলেগ। বিভাজন, আৰু পঞ্চায়তসমূহ কিমানবিনি জড়িত হৈ আছে সেয়া বাজা চৰকাৰসমূহৰ ওপৰত এৰি দিয়া হৈছে, আৰু বাজা চৰকাৰসমূহে অনুসৰণ কৰা প্ৰক্ৰিয়া। বাজাসমূহে গ্ৰাম অঞ্চলত কৰ্পোৱণ কৰা বিভিন্ন মন্ত্ৰালয়ৰ একাধিক আঁচনিৰ বাবেই এছডিজিৰ অপুগতি ঘটিছে, লগতে বাজা নিৰ্দিষ্ট আঁচনিৰ বাবেও।

আঁচনিৰ পৰিৱেশনৰ তথ্য, শাৰীৰিক আৰু আৰ্থিকনিৰীক্ষণ কৰা হয়। ইয়াৰ যুক্তিসংগত সংখ্যক এন আই একত থকা সূচকসমূহৰ সৈতে মিল থাএ, যেনে পানী, পৃষ্ঠি, স্থানীয় শিক্ষা আদিৰ সৈতে জড়িতাক্ষণ্ণ ভগৱত্ত পানীৰ উপলক্ষতা, পৃষ্ঠিৰ অৱস্থা উম্ভত কৰা, মহিলা আৰু শিশুৰ বিকল্পে অপৰাধ প্ৰতিৰোধ, আৰু সহায়ক সেৱাৰ দৰে বিষয়সমূহৰ সমাধান কৰা দুৰ্বলসকলৰ বাবে, কাকে পিছুবাই ঘোৱা (এলএনআবি) আৰু কোনো গাঁও এৰি ঘোৱাৰ ফলাফল লাভ কৰিবলৈ লক্ষ্য নিৰ্ধাৰণ কৰা পদ্ধতি আৰু অনুসৰণ নিশ্চিত কৰা, গাঁও (হামলেট) পৰ্যায়লৈকে এছডিজিৰ স্থানীয়কৰণৰ প্ৰয়োজন।

“স্থানীয়কৰণ দুয়োটাৰে সৈতে জড়িত যে স্থানীয় আৰু উপ-বাস্তীয় চৰকাৰে কেনেকৈ তলৰ পৰা ওপৰলৈ কাৰ্য্যৰ জৰিয়তে এছডিজিসমূহৰ কৃতিত্বক সমৰ্থন কৰিব পাৰে...ইয়াৰ উপবিও, এছডিজিসমূহ স্থানীয়কৰণৰ দায়িত্ব চৰকাৰৰ কাৰ্য্যবাহী শাৰীত সীমাবদ্ধ নহয় বৰঞ্চ নিৰ্বাচিত প্ৰতিনিধিসকলেও নেতৃত্ব দিয়ে সকলো ত্ৰবতো।”

- এছডিজিসমূহ স্থানীয়কৰণ - ভাৰতৰ পৰা প্ৰাৰ্থিক শিক্ষা ২০১৯,

নিতি আয়োগ চৰকাৰৰ ততীয় ত্ৰি, স্থানীয় আভ্যন্তৰীণ এছডিজিৰ স্থানীয়কৰণৰ বাবে আটাইতকৈ গুক্তপূৰ্ণ। তেওঁলোকক বাজা আৰু কেন্দ্ৰীয় চৰকাৰ উভয়ৰে সমান অংশীদাৰ হিচাপে সীকৃতি দিয়াৰ প্ৰয়োজন। বহনক্ষম উন্নয়নৰ লক্ষ্য - মানুহ, অংশীদাৰত্ব, সমৃদ্ধি, এহ আৰু শান্তি লাভৰ বাবে ৫পিসমূহ যহুকুমা পৰ্যায়লৈ, বুকলৈ, প্ৰতিষ্ঠন গাঁও পঞ্চায়তলৈ লৈ ঘোৱাটো স্থানীয় আভ্যন্তৰীণ প্ৰশাসনৰ ৩ টা ত্ৰি ত্ৰবতোৰেই উন্নম।

৭৩ সংখ্যক সাংবিধানিক সংশোধনীৰ জৰিয়তে সংবিধানত নৱম খণ্ড প্ৰৱৰ্তন কৰা হয়; সংবিধানৰ ২৪৩জি অনুচ্ছেদ অনুসৰি তিনিওটা ত্ৰি পঞ্চায়তীবাজ প্ৰতিষ্ঠানসমূহে যাতে স্থানীয় স্বশাসনৰ প্ৰতিষ্ঠান হিচাপে কাম কৰিব পাৰোপি আৰ আইৰ দায়িত্ব হিচাপে ভালিকাভূজ (বদলি) ২৯টা বিষয়, ঘোৱাপানীৰ দৰে এছডিজিৰ সৈতে প্ৰতাক্ষভাৱে জড়িত, স্থানীয় আৰু অনাময় বাৰহা, পানী আৰু জলভাগ বাৰহাপনা, সৰিসৰতা সুৰীকৰণ, মহিলা আৰু শিশু কল্যাণ, সামাজিক আৰু কৃষি বনানীকৰণ ইত্যাদি।



বহনক্ষম উন্নয়নের লক্ষ্য - মানুহ, অংশীদারিত্ব, সমৃদ্ধি, প্রহ আৰু শান্তি লাভৰ বাবে ৫ পিসমূহ মহকুমা পৰ্যায়লৈ, ব্ৰকলৈ, প্ৰতিথন গাঁও পঞ্চায়তলৈ লৈ ঘোৱাটো স্থানীয় আঞ্চলিক সন্মুহৰ তৰুৰ সৈতে কৰাটোৱেই উত্তম।

৭৩ সংখ্যাক সাংবিধানিক সংশোধনীৰ জৰিয়তে সংবিধানত নৱম খণ্ড প্ৰতৰ্থন কৰা হয়; সংবিধানৰ ২৪৩তি অনুচ্ছেদ অনুসৰি তিনিওটা তৰুৰ পঞ্চায়তীৰাজ প্ৰতিষ্ঠানসমূহে যাতে স্থানীয় স্বশাসনৰ প্ৰতিষ্ঠান হিচাপে কাম কৰিব পাৰোপি আৰু আইই দায়িত্ব হিচাপে তালিকাভূজ (বসলি) ২৯টা বিষয়, খোৱাপানীৰ দৰে এছডিজিৰ সৈতে প্ৰত্যক্ষভাৱে জড়িত, সাহ্য আৰু অনাময় ব্যৱস্থা, পানী আৰু অলভাগ ব্যৱস্থাপনা, দৰিদ্ৰতা দূৰীকৰণ, মহিলা আৰু শিশু কল্যাণ, সামাজিক আৰু কৃষি বনানীকৰণ ইত্যাদি।

ভাৰতৰ বাবে এছডিজিসমূহ লাভ কৰাৰ, কাকো এবি নাথায়, কোনো গাঁও এবি নাথায়, সেয়া হল গাঁও পঞ্চায়তলৈ নামি, তেওঁলোকক সম্পূৰ্ণকৈপে জড়িত কৰা, ইয়াক এক সজীৱ মিছন হিচাপে গঢ়ি তোলা, ভাৰত চৰকাৰ আৰু বাজ্য চৰকাৰ উভয়ৰো ই তেওঁলোকৰ জীৱন, আৰু তেওঁলোক সক্ৰিয় অংশগ্ৰহণকাৰী আৰু সিদ্ধান্ত গ্ৰহণকাৰী হ'ব লাগিব।

সমগ্ৰ বিশ্বতে এছডিজিৰ ক্ষেত্ৰত কভিডে পিছুৱাই গৈছে আৰু জীৱনৰ সকলো তৰু আৰু অগ্ৰগতিৰ প্ৰভাৱ পেলাইছে। ভালকৈ গঢ়ি তোলাৰ প্ৰক্ৰিয়াত আমি গ্ৰাম্য অঞ্চলত এছডিজিসমূহক সচেতনভাৱে, পদ্ধতিগতভাৱে আৰু ব্যৱস্থাগতভাৱে স্থানীয়কৰণ কৰিব লাগিব, পিআৰআইসমূহৰ জড়িততাৰে, কেন্দ্ৰ আৰু বাজ্য চৰকাৰৰ তৰুৰ পৰা স্থানীয় স্বশাসনলৈ গতি কৰি; ২.৫৬ লাখ গাঁও পঞ্চায়ত, ৬.৬২৬ থন ব্ৰক পঞ্চায়ত, ৬২১ থন জিলা পঞ্চায়তত তুলনাত্মক পৰা এক বৃহৎ শক্তি। ভাৰতৰ বাবে এছডিজি লাভ কৰিবলৈ ভাৰতৰ পৰা তেওঁৰ গাঁওলৈ স্থানান্তৰিত হোৱালৈকে গ্ৰাম্য অঞ্চলত এছডিজিৰ স্থানীয়কৰণৰ প্ৰয়োজন পঞ্চায়ত বাজ প্ৰতিষ্ঠান, স্থানীয় স্বশাসনৰ বাবে সমান অংশীদারিত্বৰে।

"আমি বহনক্ষম উন্নয়নক প্ৰসাৰিত কৰাৰ ক্ষেত্ৰত চৰকাৰ আৰু বিধানসভাৰ সকলো তৰুৰ মূল ভূমিকাক পুনৰ সৃষ্টি কৰিবো" - ৰাষ্ট্ৰসংঘৰ জুলাই ২০১২ চনৰ প্ৰতাৰ 'আমি বিচৰা ভৱিষ্যত'ৰ উদ্ধৃতি, যিটো ৰাষ্ট্ৰসংঘৰ সাধাৰণ পৰিষদ ২০১৫ চনৰ ছেপ্টেম্বৰ মাহত সমৰ্পিত

(তথ্যৰ উৎস: এছডিজিআইআই বিপটছ, নিতি আয়োগ)

\*\*\*\*



# ହାନୀୟ ଉନ୍ନয়ନକ ପୁନର୍ଜୀବିତ କବିବଲୈ ବହନକ୍ଷମ ଉନ୍ନୟନର ଲକ୍ଷ୍ୟସମୂହର ହାନୀୟକବଣ: ପଞ୍ଚାୟତର ବାବେ ହାନୀୟ ସୂଚକ କାଠାମୋ (LIF) ଆରୁ ଇଯାବ ଡେଚବ'ର୍ଡ

\* ସୁରକ୍ଷା କୁ

ଉନ୍ନୟନକ ହାନୀୟକବଣ ଅର୍ଥ ହଲ ୨୦୩୦ ଚନର କାର୍ଯ୍ୟସୂଚୀ ଲାଭର ଫେର୍ତ୍ତ ଆଙ୍ଗଳିକ/ହାନୀୟ ପ୍ରସଂଗସମୂହର ପ୍ରତି ଲକ୍ଷ୍ୟ ବ୍ୟା, ଲକ୍ଷ୍ୟ ଆରୁ ଲକ୍ଷ୍ୟ ନିର୍ଧାରଣର ପରା ଆବଶ୍ୟକ କବି କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମିକବଣର ଉପାୟ ନିର୍ଧାରଣ କବା ଆରୁ ଅଗ୍ରଗତି ଜ୍ୟୋତିର୍ବଳେ ଆରୁ ନିର୍ବିକ୍ରମ କବିବଲୈ ସୂଚକସମୂହ ବ୍ୟାବହାର କବା।

ଉଦ୍ଦେଶ୍ୟ ହେବେ ଏହାଡିଜି ଲାଭର ପ୍ରତ୍ୟାଙ୍କାନସମୂହ ମୋକାବିଲା କବା ଆରୁ ଏହାଡିଜି, ବାଜାର ନୀତି, ବାଜିକ ଉନ୍ନୟନ ପରିକର୍ମନା ଆରୁ ହାନୀୟ ଚବକାରର ଉନ୍ନୟନ ପରିକର୍ମନାର ମାଜ୍ଞତ ଅଧିକ ସଂହିତ ଆରୁ ଅଭିସରଣ ନିଶ୍ଚିତ କବା (ଭାବତତ କେବଳା ବାଜାର ବାର୍ଷିକ ବା ପାଇଁ ବହୁବୀଯା ଉନ୍ନୟନ ପରିକର୍ମନା ଆରୁ ବାଜେଟ ଆଛେ)। ଇ ହାନୀୟ ଆରୁ ଉପ-ବାନ୍ଦୀଯ ଚବକାର, ବାନ୍ଦୀଯ ଚବକାର, ବାରସାୟ, ସମ୍ପ୍ରଦାୟଭିତ୍ତିକ ସଂଗଠନ ଆରୁ ଅନ୍ୟାନ୍ୟ ହାନୀୟ ଅଭିନେତାସକଳର ଏକ ଅଭିସରଣ ବିନ୍ଦୁ।

ଏହାଡିଜିସମୂହ ହାନୀୟକବଣେ ହାନୀୟ ନେତା ଆରୁ ସମ୍ପ୍ରଦାୟସମୂହକ ସହୃଦୟଗିତାମୂଳକଭାବେ ସମାଧାନସମୂହ ଇନକିଉଟେଟ ଆରୁ ଭାଗ-ବତରା କବାତ ସହାୟ କରେ, ବଟଲାନେକସମୂହ ମୁକଳି କରେ ଆରୁ ହାନୀୟ ପର୍ଯ୍ୟାୟତ ଏହାଡିଜିସମୂହ ଆଗ୍ରହୀଇ ନିଯାତ ସହାୟକ ହବ ପରା କୌଶଳସମୂହ କପାରଣ କରେ। ଏଇ ପଟ୍ଟଭୂମିତ ହାନୀୟ ଉନ୍ନୟନକ ପୁନର୍ଜୀବିତ କବିବଲୈ ଏକ ବ୍ୟାପକ ପଞ୍ଚାୟତ/କୌଶଳ ଗଢି ତୋଳାର ପ୍ରୟୋଜନ ଯିବେ ଏହାଡିଜିସମୂହକ ପଞ୍ଚାୟତ ପର୍ଯ୍ୟାୟତ ଉନ୍ନୟନ ପ୍ରକ୍ରିୟାକ କପାନ୍ତ୍ରବିତ କବାର ଆବଶ୍ୟକିତ ହିଚାପେ କରନା କବିବା ଇଯାକ ନିମ୍ନଲିଖିତ ଧରଣେ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମି କବିବ ପାବି:

**୧. ହାନୀୟ ସୂଚକ କପବେଥା (LIF)**  
ସୂଚକ କପବେଥାର ପରିଚୟ :

ହାନୀୟ, ବାନ୍ଦୀୟ, ଆଙ୍ଗଳିକ, ଆରୁ ବିଶ୍ୱ ପର୍ଯ୍ୟାୟତ ଏହାଡିଜିର ଦିଶତ ଅଗ୍ରଗତି ନିର୍ବିକ୍ରମ ମେକଦଣ୍ଡ ହବ ସୂଚକ। ଏଟା ସୁହୃଦୀ କାଠାମୋରେ ଏହାଡିଜି ଆରୁ ଇଯାବ ଲକ୍ଷ୍ୟସମୂହକ ପରିଚାଳନାର ଆହିଲାଲୈ କପାନ୍ତ୍ରବିତ କବିବ ଯାତେ କେବଳ ଦେଶ ଆରୁ ବିଶ୍ୱ ସମ୍ପ୍ରଦାୟକ ନହଯେ, ଉପ-ବାନ୍ଦୀୟ ଆରୁ ହାନୀୟ ପର୍ଯ୍ୟାୟତୋ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମିକବଣ କୌଶଳ ପ୍ରକ୍ରିୟାକାରୀ କବାତ ସହାୟ କବିବ ଆରୁ ସେଇ ଅନୁସରି ସମ୍ପଦ ଆବନ୍ତିନ କବିବା ଇଯାବ ଉପରିଓ ବହନକ୍ଷମ ଉନ୍ନୟନର ଦିଶତ ତେଣୁଲୋକର ଅଗ୍ରଗତି ଜ୍ୟୋତିର୍ବଳେ ଆରୁ ଏହାଡିଜିସମୂହ ଲାଭର ବାବେ ସକଳୋ ଅଂଶୀଦାରର ଜୀବାବଦିହିତା ନିଶ୍ଚିତ କବାତ ସହାୟ କବିବଲୈ ବିପଟ୍ କାର୍ଡ ହିଚାପେଣ କାମ କବିବା।

ଆମି ଏଇଟୋଣ ଆଙ୍ଗୁଲିଯାଇ ଦିଁଠ ଯେ ବହନକ୍ଷମ ଉନ୍ନୟନର ଲକ୍ଷ୍ୟସମୂହ କାର୍ଯ୍ୟମୂର୍ତ୍ତି, ସଂକଳନ ଆରୁ ଯୋଗାଯୋଗ କବାତ ସହଜ, ଆକାଂକ୍ଷିତ, ବିଶ୍ୱବ୍ୟାପୀ ପ୍ରକ୍ରିୟା ଆରୁ ସକଳୋ ଦେଶର ବାବେ ସାର୍ବଜନୀନଭାବେ ପ୍ରୟୋଜ୍ୟ ହବ ଲାଗେ, ଏକେ ସମୟତେ ବିଭିନ୍ନ ବାନ୍ଦୀୟ ବାନ୍ଦୀୟ ଆରୁ ହାନୀୟ ନୀତି ଆରୁ ଅଗ୍ରାଧିକାରକ ସମ୍ବାନ୍ଧ କବିବ ଲାଗେ ।

\* କେବେଳା ଇନଟିଟିଉଟ ଆରୁ ହାନୀୟ ପ୍ରଶାସନ (କିଲା)ର ଗରେଷଣ ସହୃଦୟ



ଆମି ଏହିଟୋଣ ସୀକାବ କରୁଁ ସେ ଲକ୍ଷାସମ୍ମହେ ବନ୍ଦନଶ୍ରମ ଉପଗ୍ରହନ ସାଧନର ବାବେ ଅଜ୍ଞାନିକାବ କ୍ଷେତ୍ରାସମୃଦ୍ଧକ ସଂଧେୟନ ଆବଶ୍ୟକ କେଣ୍ଟିଭ୍ରତ କରୁ ଉଚିତ।

ଲକ୍ଷ୍ମୀ ନିର୍ଧାରଣ, ନିର୍ବୀକ୍ଷଣ ଆକୁ କୃପାସ୍ତବ ବର୍ତ୍ତମାନର ଅଭିଭାବକ ଭିତ୍ତିତ ଏହାଦିଇର ଲକ୍ଷ୍ୟତ ଉପରୀତ ହୋଇବାଟେ ଗାଢ଼ ତୁଳିବ ପାରି ଆକୁ କବିବ ଲାଗେ । ଯିମ, ଲକ୍ଷ୍ୟ ଆକୁ ସୁଚକର ଜୀବିତରେ ଲୋକା ଏହା ଏହାଜି ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ଲକ୍ଷ୍ୟାସମ୍ମହ ଆକାଂକ୍ଷିତ ପ୍ରକୃତିର, ପ୍ରାସଂଗିକ ଆକୁ ସାର୍ବଜନୀୟଭାବେ ପ୍ରୟୋଜ୍ୟ ବିଶ୍ୱବାପୀ ଲକ୍ଷ୍ୟାସମ୍ମହକ ବାନ୍ଧୁମୁଖ ନୀତି ଆକୁ ଅପ୍ରାଧିକାରର ସୈତେ ମିଳ ବଥାବ ଲଗତେ ହୃଦୀୟ ବାନ୍ଧବଭାକୁ ସଂକଳନ ଆକୁ ସହଜେ ଯୋଗାଯୋଗ କବିବ ପରାକେ ଲକ୍ଷ୍ମ କବି ବଥା ଆଚରଣ ।

এছডিজির ছানীয়করণত এল এছ ডি নিশ্চিত নোহোরালেকে তপমূল পর্যায়লেকে বিশ্ববাদী সচক আৰু বাস্তীৰ সচকসমূহক সংঘোগ কৰা পুনৰাবৃত্তি মূলক প্ৰক্ৰিয়া। এছডিজিৰ বেছিভাগ লক্ষ্য আৰু সচক ছানীয় পর্যায়ত লাভ কৰিব লাগে। বেছিভাগ এছডিজিয়েই এল এছ ডিসমূহৰ ওপৰত অপৰ্ণ কৰা বিশ্বসমূহৰ সৈতে জড়িত।

বিকশিত হানীয় সূচক ক্ষেত্রে সকলো এছডিজির কথা বিবেচনা করা হয়। অবশ্যে ইসেই এছডিজিসমূহৰ ওপৰত গুরুত্ব আবোধ কৰে যিবোৰৰ হানীয় পঞ্চায়ত কাৰ্য্যৰ বাবে প্ৰত্যক্ষ প্ৰাসংগিকতা আছে। এইদৰে পদক্ষেপৰ মূল লক্ষ্য হৈছে এছডিজি ১, ২, ৩, ৪, ৫, ৬, ৭, ৮, ৯, ১০, ১২, ১৩, ১৪, ১৫, ১৬ আৰু ১৭। বিকশিত সঁজুলিসমূহে হানীয় অভিযোগনৰ বাবে হান প্ৰদান কৰে এই লক্ষ্যসমূহ লাভ কৰিবলৈ সূচক আৰু লক্ষ্যসমূহৰ সংখ্যা। ইয়াৰ ভিত্তি হ'ল দেশখনে হানীয় চৰকাৰৰ ব্যৱস্থা খোদিত কৰি কেৰালা বাজাই কাৰ্য্য, কাৰ্য্যকৰী আৰু পুজিৰ বিভাজনেৰে তেওঁলোকক ক্ষমতা প্ৰদান কৰিছে। বাজারখনে অংশগ্ৰহণমূলক হানীয় পৰিকল্পনা আৰু বাজেটৰ কাম আগবঢ়াই নিলে যিয়ে ওপৰত উল্লেখ কৰা এছডিজিসমূহৰ ক্ষেত্ৰত প্ৰযোজ্য বিভিন্ন বিষয়ভিত্তিক কেত্ৰসমূহ স্পৰ্শ কৰে। পদক্ষেপৰ অংশ হিচাপে বিকশিত কৰা হানীয় সূচক কাঠামোৰে হানীয় চৰকাৰসমূহক লক্ষ্য, সূচক আৰু লক্ষ্য নিৰ্ধাৰণ কৰাৰ পৰিসৰ প্ৰদান কৰে, হানীয় উন্নয়নৰ বাস্তৱতাৰ লগত থাপ খুৱাই বিশ্ব আৰু বাস্তীয় সূচকসমূহক প্ৰসংগতিৰে। এইদৰে পাৰিকল্পনা আৰু বাজেট এছডিজিৰ সৈতে সংগতি বাধি ফলাফলমূল্যী হৈ পৰে। ৱেব-পটেল ভিত্তিক ডেচৰ্চ হৈছে এটা ইন্টাৰেক্টিভ সঁজুলি যিয়ে পৰিকল্পনা আৰু নিৰীক্ষণত সহায় কৰে। ইয়াৰ উপৰিও ই সম্প্ৰদায়সমূহক হানীয় এছডিজিৰ অৱস্থাৰ বিষয়ে সচেতন হোৱাত সহায় কৰে যিয়ে উন্নয়ন পত্ৰিকাৰ কৰাৰ আৰু মুৰৰমিহি কৰি দোলা।

লাইন বিভাগৰ বিষয়া, হানীয় চৰকাৰৰ নিৰ্বাচিত কৰ্মকৰ্তা আৰু  
নাগৰিকসকল প্ৰধান অংশীদাৰ। এই পদক্ষেপে পৰিকল্পনা আৰু  
নিৰীক্ষণৰ কপৰেখা প্ৰদান কৰে, য'ত অংশগ্ৰহণকাৰীসকলে  
ৰাজ্যিক পৰ্যায়ৰ তথ্যৰ মাজেৰে যাব লাগিব, জিলা পৰ্যায়ৰ তথ্যৰ  
সৈতে তুলনা কৰিব লাগিব, আৰু যদি আছে তেন্তে উন্নয়নৰ  
ব্যৱধান চিনাঙ্গ কৰিব লাগিব। চিনাঙ্গ কৰা উন্নয়নৰ ব্যৱধানৰ  
ভিত্তি হানীয় পৰ্যায়ত কৌশল প্ৰয়ন কৰিব পাৰি। ই  
অংশগ্ৰহণকাৰীসকলক বিভিন্ন আঢ়নিৰ মেপ কৰিবলৈ আৰু  
অভিসৰণৰ সম্ভাৱনাসমূহ অনুৰোধ কৰিবলৈ সক্ষম কৰো। বেৰ  
ভিত্তিক ডেচৰ'ডেত প্ৰৱৰ্তিত নিৰীক্ষণ কপৰেখাৰে  
অংশগ্ৰহণকাৰীসকলক বিভিন্ন কোণৰ পৰা এছডিজি লাভৰ  
অনুগতিৰ পৰিকল্পনা আৰু নিৰীক্ষণ কৰাত সহায় কৰো।

କେବେଳା ହାନୀଯ ପ୍ରଶାସନ ପ୍ରତିଷ୍ଠାନେ (KILA) ଏହି ଅଂଶୀଦାରସକଳକ ଏହୁଡ଼ିଜିର ପରିକର୍ମନା, ହାନୀଯକରଣ ଆକ ବିକଶିତ ସୈଜୁଲିସମୂହ ବ୍ୟାବହାର କରାର ପ୍ରଶିକ୍ଷଣ ପ୍ରଦାନ କରେ। ଏହି ପ୍ରଶିକ୍ଷଣମୂହ ବେଚତ, ପ୍ରତିଟୋ ଅଂଶୀଦାର ଗୋଟିର ବାବେ ଆକ କେହୁକେଡ଼ି ପଞ୍ଚତିବେ କରା ହୁଯା। ଇଯାର ଉପରିଓ ହାନୀଯ ଅଂଶପ୍ରହଗମଳକ ଉନ୍ନୟନ ପରିକର୍ମନାର ବାବେ ହାନୀଯ ଚରକାରର କର୍ମୀସକଳକ ପ୍ରଶିକ୍ଷଣ ଦିଆଯାଇ ଏହି ବିଷୟଟୋ ଅନ୍ତର୍ଭୁକ୍ତ କରା ହେବେ। ଏହି ବହୁବର ପରା କେବେଲା ଚରକାରେ ଜୀବି କରା ହାନୀଯ ଚରକାରର ହାବା ହାନୀଯ ପରିକର୍ମନାର ବାବେ ଗାଇଡଲାଇନ୍ଟ ଏହୁଡ଼ିଜି ଭିତ୍ତିକ ପରିକର୍ମନା ଅନ୍ତର୍ଭୁକ୍ତ କରା ହେବେ।

এছডিজিসমূহ স্থানীয়করণত, সুচক আৰু লক্ষ্যসমূহ  
এলআইএফে প্ৰদান কৰা স্থানীয় পৰ্যায়ৰ সৈতে ধাপ খুৱাৰ লাগিব  
। লক্ষ্য নিৰ্ধাৰণ, কাৰ্য্য পৰিকল্পনা আৰু নিৰীক্ষণ কৰিবলৈ সিদ্ধান্ত  
প্ৰহণকাৰীসকলক তথ্য আৰু তথ্যৰ প্ৰয়োজন। সঠিক তথ্য আৰু  
সম্পদৰ প্ৰৱেশে, পৰিকল্পনা আৰু সম্পদৰ আবণ্টন উন্নত কৰাত  
সহায় কৰব। এই কাৰ্য্যসমূহ ফলাফলমূল্যী হ'ব লাগিব আৰু এল  
আই এফে এই সুযোগ প্ৰদান কৰবে। ডাটা ডেচৰ্টে পৰিকল্পনা,  
নিৰীক্ষণ, জোখ, বিশ্লেষণ, আৰু বিভিন্ন ডাটাছেটৰ পৰা  
প্ৰাসংগিক অন্তৰ্দৃষ্টি উলিওৱাৰ পাৰম্পৰিক উপায় প্ৰদান কৰবে।  
অনলাইন তথ্য দৃশ্যায়ন ঐতিহাসিক আৰ্হি, সম্পর্ক, আৰু  
ধাৰাসমূহৰ বাবে উপযোগী যিয়ে এটা অনলাইন পৰিৱেশত  
কাৰ্য্যকৰী অন্তৰ্দৃষ্টি সৃষ্টি কৰাত সহায় কৰবে।

ପକ୍ଷାୟତର ବାବେ ଏଥିନ ଡେଚବର୍ଜ

“ডেচবর্ডসমূহ চৰকাৰ আৰু অন্যান্য অংশীদাৰসকলৰ বাবে  
বহুনক্ষম উন্নয়ন লক্ষ্য (এছডিজি)ৰ ওপৰত অগ্ৰগতি জৰিবলৈ,  
আৰু কাৰ্যকৰীকৰণ আৰু তথ্য দুয়োটাতে বাৰধান উজ্জ্বল  
কৰিবলৈ এক আহিলা হিচাপে উন্মেশ্য কৰা হৈছে। ইন্টাৰেক্টিভ  
ডেচবর্ডসমূহে কাৰ্যাৰ বাবে অগ্রাধিকাৰ চিনাঞ্জি কৰিবলৈ  
এছডিজিসমূহৰ ঘাৰা দেশসমূহৰ কৰ্মক্ষমতাৰ দৃশ্যামান  
উপস্থাপন প্ৰদান কৰে।”

পক্ষায়ত পর্যায়ত তথ্য বিপ্লবে সম্প্রদায়ক তেঙ্গুলোকৰ প্রসংগৰ বাবে বিশেষভাৱে যুক্তিযুক্ত লক্ষ্য আৰু সূচক চিনাক্ত আৰু ডিজাইন কৰিবলৈ সম্ভব কৰে। ই সম্প্রদায়টোৱে তেঙ্গুলোকৰ লক্ষ্যত উপনীতি হোৱাৰ ক্ষেত্ৰত যি অগ্ৰগতি লাভ কৰে তাক অনুসৰণ কৰিবলৈ এক মঞ্চ প্ৰদান কৰে। আটাইভক ডাঙুৰ কথাটো হল, ই নিশ্চিত কৰে যে উন্নয়নৰ বিষয়ত সকলোৱে যাতে কঠোৰ লাভ কৰে। সকলোৱে পক্ষায়তৰ তথ্য পৰীক্ষা কৰাৰ লগতে নাগৰিকৰ তথ্য সৃষ্টি কৰাৰ ক্ষমতা আছে যাৰ সহায়ত তেঙ্গুলোকৰ বাস্তৱতাৰ ওপৰত ভিত্তি কৰি তেঙ্গুলোকৰ বিষয়সমূহৰ পোষকতা উন্নত কৰিব পাৰি। স্থানীয় ৰ-চৰকাৰ (এল এছ ডি)ৰ বাবে এছ ডি ডিব বাবে কিলাই প্ৰশিক্ষণ সংজুলি প্ৰস্তুত কৰিছে। প্ৰশিক্ষণ সংজুলিকিট হৈছে স্থানীয় পৰ্যায়ৰ পৰা বাজ্যিক পৰ্যায়লৈকে সন্ধানযোগ্য তথ্যকোষ; ই তথ্যৰ গুণগত মান, নিৰ্ভৰযোগ্যতা, উপলক্ষ্য আৰু তুলনামূলকতা উন্নত কৰাৰ প্ৰচেষ্টাক সমৰ্থন কৰে, যিয়ে সকলো অংশীদাৰক নিজ নিজ ক্ষেত্ৰত নিজৰ তথ্য সৃষ্টি কৰাত সহায় কৰে। ইয়াৰ দ্বাৰা শেষত স্থানীয় আৰু চৰকাৰসমূহে প্ৰতিটো সূচকৰ প্ৰতি সঞ্চান জনাই নিজৰ অৱস্থা পৰ্যালোচনা, বিশ্লেষণ আৰু পৰিৱৰ্তন কৰাত সহায় কৰে আৰু প্ৰতিটো যণুৰ ব্যৱধান চিনাক্ত কৰাত সহায় কৰে আৰু সেই অনুসৰি এছডিডি লাভৰ প্ৰযোজনসমূহ মোকাবিলা কৰিবলৈ আৰু নিশ্চিত কৰিবলৈ সমাজৰ উন্নতি আৰু ক'পান্তৰৰ বাবে পৰিকল্পনা কৰে এছডিডি, বাজ্যিক নীতি, বাজ্যিক পঞ্চবার্ষিক পৰিকল্পনা আৰু স্থানীয় বিশাসন উন্নয়ন পৰিকল্পনাৰ মাজুত অধিক সুসংহত আৰু অভিসৰণ।

## এছডিজিসমূহৰ বাবে তথ্য বিপ্লবৰ দিশত: সূচকৰ ভূমিকা

সূচকসমূহ হ'ব স্থানীয়, বাস্তুীয়, আকলিক, আৰু বিশ্ব পৰ্যায়ত এছডিজিৰ দিশত অগ্ৰগতি নিৰীক্ষণৰ মেৰুদণ্ড। এটা সুস্থ সূচক কাঠামোৱে এছডিজি আৰু ইয়াৰ লক্ষ্যসমূহক পৰিচালনাৰ আহিলালে কপালভিত কৰিব যাবে দেশসমূহ আৰু বিশ্ব সম্পদায়ক কপালযণ কৌশল প্রস্তুত কৰাত সহায় কৰিব আৰু সেই অনুসৰি সম্পদ আৰণ্টন কৰিব। ইয়াৰ উপৰিও বহনক্ষম উন্নয়নৰ দিশত অগ্ৰগতি ভূঢ়িবলৈ আৰু এছডিজি লাভৰ বাবে সকলো অংশীদাৰৰ জৰাবদিহিতা নিৰ্শিত কৰাত সহায় কৰিবলৈ বিপৰ্য় কাৰ্ড হিচাপেও কাম কৰিব। ইয়াক এছডিজিসমূহৰ বাবে নিৰীক্ষণ সূচক কাঠামোৰ বাবে এটা এলএছজি ভৱৰ ডেচবোর্ড বিকশিত কৰাৰ সেতে কাৰ্য্যকৰী হ'ব পাৰে।

## পৰ্যায়তৰ বাবে ডেচবোর্ড

এছডিজিসমূহ স্থানীয়কৰণৰ বাবে নিৰীক্ষণ ব্যৱস্থা হিচাপে সিদ্ধান্ত গ্ৰহণকাৰী, নীতি নিৰ্ধাৰক আৰু সেৱা প্ৰদানকাৰীসকলক তেওঁলোকৰ সেৱাৰ মান উন্নত কৰিবলৈ সঠিক আৰু সময়েৰ পৰ্যায়ী তথ্য আৰু তথ্যৰ প্ৰয়োজন। সময়মতে আৰু সঠিক তথ্য আৰু সম্পদৰ প্ৰৱেশে, পৰিকল্পনা আৰু সম্পদৰ আৰণ্টনকে ধৰি বৰ্তমানৰ বিষয়সমূহৰ প্ৰতি উপযুক্ত প্ৰতিক্ৰিয়া প্ৰকাশ কৰাত সহায় কৰে আৰু ভৱিষ্যতে প্ৰতিৰোধমূলক ব্যৱস্থাৰ পৰিকল্পনা কৰিবলৈও সক্ষম কৰে। এই ডেচবোর্ডৰ ভাৰিয়তে বাজা, জিলা আৰু স্থানীয় কাৰ্য্যালয়সকলে লক্ষ্য প্রস্তুত কৰিব পাৰে, এছডিজি লাভৰ অগ্ৰগতি অনুসৰণ আৰু নিৰীক্ষণ কৰিব পাৰোআনকি জনসাধাৰণেও ভৱিষ্যতে এই মুক্ত প্ৰৱেশ কৰিব পাৰে আৰু আগ্রহ-মূল্যায়নৰ বাবে নিৰ্দেশনা প্ৰদান কৰিব পাৰে আৰু:

- স্থানীয় পৰ্যায়ৰ পৰা বাজিৰ পৰ্যায়লৈকে তথ্য সংগ্ৰহ, বিশ্লেষণ আৰু ভাগ-বতৰা কৰা।
- পৰিবেশ, স্বাস্থ্য, শিক্ষা, কৃষি, নিয়োগ, উদোগ আৰু শক্তি আদি বিভিন্ন বিষয়ৰ ওপৰত স্থানীয় পৰ্যায়ত তথ্যৰ উত্তোলনী উৎস চিনান্ত কৰাত সহায় কৰে।
- স্থানীয় আৰু বাজিৰ পৰ্যায়ত এছডিজিৰ দিশত অগ্ৰগতি নিৰীক্ষণ কৰা।

• অনলাইন ডাটা ভিজুেলেইজেচন হৈছে ডাটাছেটসমূহ নিষ্কাশন কৰাৰ প্ৰক্ৰিয়া আৰু ইয়াক দৃশ্যমান, চিৰাক্ৰিতভাৱে উপস্থাপন কৰাৰ লগতে ঐতিহাসিক আৰ্হ সম্পত্তি, আৰু ধাৰাসমূহ উন্মোচন কৰাৰ বাবে এটা শব্দ যিয়ে ব্যৱহাৰকাৰীসকলক অনলাইন পৰিবেশত কাৰ্য্যকৰী অন্তৰ্দৃষ্টি সৃষ্টি কৰাত সহায় কৰে।



## ডেচবোর্ড- ফ্ৰন্ট এণ্ড

এইটো ডেচবোর্ডৰ সন্মুখৰ অংশ। ইয়াত তলত দিয়া কথাবোৰ গঠিত-

- লক্ষ্য অনুসৰি বিভিন্ন এছডিজি সূচকৰ বাবে দ্রুত অনুসন্ধান।
- ক্লাউড-ভিত্তিক মুক্ত-উৎস SDG প্ৰতিবেদন আৰু নিৰীক্ষণ সমাধান।
- লক্ষ্য
- সূচকসমূহ
- লক্ষ্যভিত্তিক কৰ্মক্ষমতা বিশ্লেষণ।
- SDG সূচকৰ পৰিবেশন বিষয়ভিত্তিকভাৱে চাওকা।
- LSGs আৰু ইয়াৰ পৰিবেশন স্থাৱা তথ্য চাৰলৈ লক্ষ্য, লক্ষ্য আৰু সূচকসমূহ প্ৰসাৰিত আৰু সংকুচিত কৰক।
- লক্ষ্য আৰু সূচকৰ সৈতে প্ৰতিটো লক্ষ্যৰ চিৰাক্ৰিত উপস্থাপন
- বিভিন্ন চার্টত সময়ৰ সময় অনুসৰি নিৰ্বাচিত সূচক আৰু ইয়াৰ ভৱৰ চাৰলৈ ইন্ভিৰ্বাচিত চার্টসমূহ।
- এটা এনিমেটেড চার্টত এটা সময়ৰ ভিতৰত বহু-মাত্ৰিক তথ্য কাষ্টমাইজ কৰক আৰু চাওকা।
- সূচক অনুসৰি এল এছ জিসমূহৰ বেংকিং/অৱস্থা কাষ্টমাইজ কৰক আৰু চাওকা।
- LSG সমূহৰ বাবে SDG নিৰীক্ষণ প্ৰতিবেদন সৃষ্টি কৰক।
- চার্টসমূহ ডাউনলোড কৰি ছাটিয়েল মিডিয়াত শ্ৰেণীৰ কৰক।
- পঞ্জীয়ন কৰক আৰু ডেচবোর্ডত আপোনাৰ তথ্য চাওকা।
- যোগাযোগ কৰক



- এটা ডাটা ডেচবোর্ড হৈছে এটা সৰ্জলি যিয়ে এটা পৰাপৰবিক, ব্যৱহাৰত, আৰু দৃশ্যমান পদ্ধতিবে তথ্য প্ৰদৰ্শন কৰাৰ সময়ত মূল অঞ্চলসমূহত বিভিন্ন ডাটাছেটোৰ পৰা প্ৰাসংগিক অন্তৰ্দৃষ্টিসমূহ নিৰীক্ষণ, জোৰ, বিশ্লেষণ আৰু উলিওৱাৰ এটা কেন্দ্ৰীভূত, পৰাপৰবিক উপায় প্ৰদান কৰে।

- এছডিজি ইন্টারেক্টিভ ডাটা ডেচবার্ড আঞ্চলিক, বাস্তীয়, উপ-বাস্তীয় আৰু পঞ্চায়ত পৰ্যায়ত বা আনকি এটা নির্দিষ্ট বহনকৰ্ম উন্নয়ন লক্ষ্যৰ বাবেও কাম্পাইজ কৰিব পাৰিব।



পৰিকল্পনা আৰু নিৰীক্ষণ এছডিজিসমূহৰ ওপৰত ডেচবার্ড-সম্প্ৰসাৰিত দৰ্শনি

এছডিজি আৰু পঞ্চায়ত উন্নয়ন পৰিকল্পনা, আৰু এনে অন্যান্য ফলাফলৰ কাঠামোৰ ওপৰত অনুসৰণ, নিৰীক্ষণ আৰু প্ৰতিবেদন কৰাত সহায় কৰিবলৈ এম এণ্ড ই প্ৰেটফৰ্ম বিকশিত কৰা হৈছে। ই বাৰহাৰকাৰী-বন্ধুত্বপূৰ্ণ আৰু বেৰ-ভিত্তিক ডিজিটেল প্ৰেটফৰ্ম, যিয়ে যোগাযোগ আৰু সমন্বয়ৰ ব্যৱধান উন্নত কৰিব। অতাৰুনিক যোগাযোগ পদ্ধতি ব্যৱহাৰ কৰি ই এছডিজি আৰু বাস্তীয় ফলাফলৰ যোগাযোগকে ধৰি পঞ্চায়ত উন্নয়ন পৰিকল্পনা বোল আউট আৰু কপায়ণৰ কাৰ্যকৰ্মতা আৰু ফলপ্ৰস্তাৱ উন্নত কৰিব। আৰু উন্নত যোগাযোগ মাধ্যম হাপন আৰু বৰ্ধিত হচ্ছতা আৰু মুকলিতাৰ জৰিয়তে নিৰীক্ষণ আৰু মূল্যায়ন পৰ্যায়ত যথেষ্ট প্ৰভাৱ পেলাব কপায়ণ পৰ্যাপ্তি। এই প্ৰেটফৰ্ম সকলোকে এক টপ শপ হিচাপে নিয়োজিত কৰি বাখে থ'ত মানুহে শেহতীয়া তথ্য আৰু বিষয়বস্তু বিচাৰি পাৰ পাৰে।

বিস্তাৰিত দৃষ্টিভঙ্গীত ই বাস্তীয় আৰু বাজ্যিক মূলাৰ সৈতে বছৰৰ সৈতে লক্ষণভৰ্তি বিশ্লেষণ দেখুৱাইছে। আৰু লগতে আমি প্ৰতিটো জিপি, বিপি, ডিপি জৰুৰ সন্দৰ্ভত বহুৰ ভিত্তিক অৱস্থা চাৰ পাৰে।

## বাস্তীয় সূচকৰ সৈতে লক্ষ্য

এই পৃষ্ঠাত আমি বাস্তীয় আৰু বাজ্যিক পৰ্যায়ৰ মূলাৰ সৈতে প্ৰতিটো লক্ষ্যৰ কৰ্মক্ষমতাৰ স্বৰ চাৰ পাৰে।



## মুখ্য সুবিধা

- লক্ষ্য, লক্ষ্য আৰু সূচকৰ দ্বাৰা আপোনাৰ বাস্তীয় এছডিজিৰ প্ৰদৰ্শন চাওক।
- তথ্যৰ ব্যৱধান চিনাঙ্ক কৰা, এল এছ জিৰ বাবে প্ৰাসংগিক এছ ডি জি সূচকসমূহ তুলনা আৰু বিশ্লেষণ কৰা।
- এছডিজি তথ্যৰ উপলক্ষ্তা আৰু ব্যৱধানৰ মূল্যায়নত সহায় কৰা, আঞ্চলিক, বাস্তীয়, উপ-বাস্তীয় আৰু পঞ্চায়ত এছডিজি তথ্য নিৰীক্ষণ ডেচবার্ড আৰু প্ৰতিবেদন ডিজাইন আৰু বিকশিত কৰা।
- বাস্তীয় আৰু বাজ্যিক গড়ৰ বিপৰীতে জিপি যত থিয়ে দিছে।
- জিপিডিপিৰ জৰিয়তে কাৰ্য্যৰ পৰিকল্পনা কৰক।
- প্ৰতিটো এল এছ জিৰ বাবে নিজেই প্ৰয়োজন হ'লে নতুন সূচক যোগ কৰক।
- প্ৰত্যেকৰে বাবে স্থানীয় লক্ষ্য নিজে নিৰ্ধাৰণ কৰক।
- বাৰ্ষিক আপডেটে নিৰীক্ষণত সহায় কৰিব।
- এই সকলোবোৰ পঞ্চায়ত পৰ্যায়ত নিজে কৰিব পৰা গ'লা।
- গ্ৰামসভাত প্ৰক্ষেপ কৰিব পাৰিব।
- পৰিকল্পনা আৰু নিৰীক্ষণ এছডিজিৰ ওপৰত ডেচবার্ড

\*\*\*\*



# বহুক্ষম উন্নয়নৰ স্থানীয়কৰণঃ শৈক্ষিক লক্ষ্য

\* জে. পি পাণ্ডে, আই.আর.পি.এছ.

মানবতাৰ প্ৰগতিৰ ক্ষেত্ৰত শিক্ষাই অতি গুৰুত্বপূৰ্ণ ভূমিকা পালন  
কৰে। জীৱনৰ উন্নতিৰ বাবেও ই এক গুৰুত্বপূৰ্ণ কাৰক।  
এছডিজিট-এ সৰ্বাংগীন আৰু সমতাপূৰ্ণ গুণগত শিক্ষাৰ নিশ্চিত  
কৰা আৰু সকলোৰে বাবে আজীৱন শিক্ষণৰ সুযোগ প্ৰসাৰিত  
কৰাৰ পৰিকল্পনা কৰিছো। এছডিজিট ১০টা লক্ষ্যৰে গঠিত। লিংগ  
বৈষম্য, সমতা, শাস্তি আৰু অধিংসাৰ সংকুলিৰ প্ৰসাৰ, বিশ্ব  
নাগৰিকত আৰু সাংস্কৃতিক বৈচিত্ৰ্য আৰু সংকুলিৰ অৱদানৰ  
প্ৰশংসা দূৰ কৰা, সকলো মহিলা আৰু পুৰুষৰ বাবে সুলভ আৰু  
মানসম্মত কাৰ্যকৰী, বৃত্তিমূলক, ততীয় পৰ্যায়ৰ শিক্ষা আৰু  
দক্ষতাৰ সমান সুবিধা নিশ্চিত কৰা বহুক্ষম উন্নয়নৰ বাবে  
যোগ্য শিক্ষকৰ যোগান যথেষ্ট বৃক্ষি কৰাটো মূল শৈক্ষিক লক্ষ্য।



## এছডিজিৰ প্ৰতি ভাৰতৰ দায়বদ্ধতা ৪

বিশ্বব্যাপী এছডিজি প্ৰতিক্রিয়াৰ অন্তৰ্ভুক্ত মূল অংশীদাৰ ভাৰত।  
প্ৰায় ২৬ কোটি ছাত্ৰ-ছাত্ৰীৰ বাসস্থান ভাৰতে এছডিজি লাভৰ  
দিশত নিজৰ সকলো নীতি, কাৰ্যসূচী আৰু আঁচনি একত্ৰিত  
কৰিছো। এছডিজিটৰ প্ৰতি ভাৰতৰ দৃঢ় প্ৰতিক্ৰিয়া ইয়াৰ বাস্তুৰ  
শিক্ষা নীতি ২০২০ত প্ৰতিধ্বনিত হৈছো। আমাৰ দেশৰ ক্ৰমবৰ্ধমান  
উন্নয়নমূলক আৱশ্যকতাসমূহৰ সৈতে মোকাবিলা কৰাৰ লক্ষ্যৰে  
এছডিজি ঘোষণাৰ পিছত এইটোৱেই প্ৰথম শিক্ষা নীতি। এন ই  
পিয়ে ভাৰতৰ পৰম্পৰা আৰু মূল্যবোধৰ ব্যৱহাৰ ওপৰত নিৰ্মাণ  
কৰি এছডিজি ৪কে থৰি একবিংশ শতিব্বাৰ আকংক্ষিত লক্ষ্যৰ  
সৈতে মিলাই শিক্ষা গাঁথনিব সকলো দিশৰ সংশোধন আৰু  
সংকলনৰ প্ৰসাৰ আগবঢ়াইছো।

ছৱৰ পৰা ১৪ বছৰ বয়সৰ ভিতৰৰ শিশুসকলক বিনামূলীয়া আৰু  
বাধ্যতামূলক প্ৰাথমিক শিক্ষা প্ৰদানৰ বাবে শিক্ষাৰ আধিকাৰ  
আইন কাৰ্যকৰী কৰাটো ভাৰতৰ সকলোৰে বাবে শিক্ষাৰ  
বাধ্যতামূলক কৰাৰ দৃষ্টিভঙ্গীৰ সাঙ্গত্য। ইয়াৰ ফলত প্ৰাথমিক  
শিক্ষাত নিকা নামভৰিৰ হৰ উন্নত হৈছে।  
বিদ্যালয়ৰ শিক্ষা বিভাগ, শিক্ষা মন্ত্ৰালয়ে ২৯৪২৮৩.০৪ কোটি  
টকাৰ আনুমানিক ব্যয়ৰে ১ এপ্ৰিল ২০২১ৰ পৰা ৩১ মাৰ্চ,  
২০২৬লৈ কাৰ্যকৰী হ'বলগীয়া এন ই পি ২০২০ৰ লক্ষ্য আৰু  
উদ্দেশ্য অনুসৰি নিজৰ ফ্ৰেগশৰ্প সমজা শিক্ষা আঁচনিসমূহ  
নতুন কপ দিছো। সমগ্ৰ শিক্ষা হৈছে প্ৰাক-প্ৰাথমিকৰ পৰা দ্বাদশ  
শ্ৰেণীলৈকে সামৰি লোৱা বিদ্যালয় শিক্ষণৰ এক সংহত আঁচনি  
যিয়ে এছডিজিটৰ সৈতে সংগতি বাখিছে যাতে সকলো শিশুৰে  
সমতাপূৰ্ণ আৰু সৰ্বাংগীন শ্ৰেণীকোঠাৰ পৰিবেশৰ সৈতে গুণগত  
শিক্ষাৰ সুবিধা লাভ কৰে।

বিভাগে ২০২১-২২ চনৰ পৰা ২০২৫-২৬ চনলৈকে পাঁচ বছৰীয়া  
সময়ছোৱাৰ বাবে প্ৰধানমন্ত্ৰী পোৰণ শক্তি নিৰ্মাণ (PM  
POSHAN) ৫০ লাখ টকাৰ আৰ্থিক ব্যয়ৰে আৰম্ভ কৰিছো।  
৫৪০৬১.৭৩ কোটি টকা। ইয়াত বালভাটিকাৰ সংযোজনৰ সৈতে  
মিড-ডে মিলৰ সকলো উপাদান অন্তৰ্ভুক্ত কৰা হৈছে। এই  
আঁচনিথন এছডিজি ২ আৰু ৪ৰ লগতে বিদ্যালয় শিক্ষাত  
অন্তৰ্ভুক্তিৰ বাবেও প্ৰসংগিক। পি এম প'শ্চানৰ লক্ষ্য হৈছে  
প্ৰথমৰ পৰা অষ্টম শ্ৰেণীলৈ অধ্যয়ন কৰা শিশুসকলৰ পৃষ্ঠিৰ  
অৱস্থা উন্নত কৰা, দৰিদ্ৰ শিশুসকলক অধিক নিয়মীয়াকৈ  
বিদ্যালয়ত উপস্থিত থাকিবলৈ উৎসাহিত কৰা আৰু শ্ৰেণীকোঠাৰ  
কাম-কাজত মনোনিৰেশ কৰাত সহায় কৰা।

## এছডিজি ৪ৰ স্থানীয়কৰণ

স্থানীয়কৰণে বিশেষকৈ তণ্মূল পৰ্যায়ৰ পৰা এছডিজি লাভৰ বাবে  
সকলো ভৱৰ দৃঢ়তা আৰু প্ৰতিক্রিয়া নিশ্চিত কৰিব পাৰে।  
যেতিয়ালৈকে ই প্ৰশাসন আৰু কাৰ্যকৰীকৰণৰ সকলো ভৱত  
উপনীত নহয়, তেতিয়ালৈকে ইয়াৰ প্ৰকৃত মনোভাৱেৰে ইয়াক  
লাভ কৰাটো অসম্ভৱ হ'ব। সকলোৰোৰ এছডিজিৰ লক্ষ্য স্থানীয়  
আৰু আঞ্চলিক চৰকাৰৰ দায়িত্বৰ সৈতে প্ৰত্যক্ষভাৱে জড়িত।  
লক্ষ্য নিৰ্ধাৰণৰ পৰা আৰম্ভ কৰি কাৰ্যকৰীকৰণৰ ধৰণ নিৰ্ধাৰণ  
কৰা আৰু বাস্তু, বাজ্যক/কেন্দ্ৰীয় শাসিত অঞ্চল, জিলা, ব্লক  
আৰু গাঁও পৰ্যায়ত অগ্ৰগতি জুড়ি আৰু নিৰীক্ষণ কৰিবলৈ সুচক  
ব্যৱহাৰ কৰাটো সৰ্বোচ্চ গুৰুত্বপূৰ্ণ। জনসাধাৰণৰ মাজত  
সজ্ঞাগতা বৃক্ষি কৰাটো গুৰুত্বপূৰ্ণ কাৰণ জন আন্দোলন আৰু  
সম্প্ৰদায়, বেচৰকাৰী সংস্থা, নাগৰিক সমাজ সংস্থাৰ অংশপ্ৰহণ  
আৰু সহযোগিতাই গুৰুত্বপূৰ্ণ ভূমিকা পালন কৰিব পাৰে। SDG 4  
ৰ কৃতিত্ব নিৰ্ভৰ কৰিব আমাৰ গাঁও আৰু বিদ্যালয়ত সেইবোৱক  
বাস্তুত পৰিগত কৰাৰ ক্ষমতাৰ ওপৰত।

\* ভাৰত চৰকাৰৰ শিক্ষা মন্ত্ৰালয়ৰ বিদ্যালয় শিক্ষা বিভাগৰ সঞ্চালক



বিদ্যালয়ৰ পৰিৱেশ তত্ত্বত ১৫ লাখতকৈ অধিক বিদ্যালয়, ২৬ কেটোৰো অধিক ছাত্ৰ-ছাত্ৰী আৰু প্ৰাক-প্ৰাথমিক পৰ্যায়ৰ পৰা জ্যোষ্ঠ মাধ্যমিক পৰ্যায়লৈকে ৯৬ লাখ শিক্ষক অন্তৰ্ভুক্ত কৰা হৈছে। ইয়াৰ উপৰিও সকলো অংশীদাৰৰ অৰ্থাৎ, শিক্ষক, শিক্ষক শিক্ষাবিদ, ছাত্ৰ, অভিভাৱক, সম্প্ৰদায়, বিদ্যালয় পৰিচালনা সমিতি, SCERT, DIET, BITE, ব্ৰহ্মপুত্ৰ বাণ্ডি, কুণ্ডাৰ সম্পদ বাণ্ডি, গুণগত, অন্তৰ্ভুক্ত আৰু সমতাপূৰ্ণ শিক্ষণ প্ৰদানৰ বাবে স্বেচ্ছাসেৱকক ডিটিভ কৰাটোও অন্তৰ্ভুক্ত কৰা হৈছে। স্থানীয়কৰণৰ গুৰুত্বক হীকাৰ কৰি আমাৰ সংবিধানে শিক্ষাক সমান্তৰাল তালিকাত অন্তৰ্ভুক্ত কৰো।

এছাড়িজিভৰ স্থানীয়কৰণৰ প্ৰক্ৰিয়াটো বিভিন্ন পদক্ষেপ আৰু ভৱত চাৰ পাৰি।

#### কেন্দ্ৰ পৰ্যায়ত

সমগ্ৰ শিক্ষা আঁচনিকে সকলো ভৱতে পৰিকল্পনা, কপায়ণ বাৰষ্ঠা আৰু লেনদেনৰ খৰচত সহায় কৰো। কেন্দ্ৰই আন্তঃগৰ্ধনি শক্তিশালী কৰাৰ বাবে সহায় আগবঢ়ান্ত হোৱালী আৰু বিশেষ প্ৰয়োজনীয়তা থকা শিক্ষাৰ অন্তৰ্ভুক্ত শিক্ষণৰ বাবে প্ৰয়োজনীয় আন্তঃগৰ্ধনি (চি. ডি. ডি.উ. এছ. এন), গুণগত মান আৰু উন্নৰণ উপাদান আৰু চি. ই. কুল অনুদান, প্ৰাথমিক শিক্ষাৰ যত্ন আৰু শিক্ষণ আৰু মৌলিক সাক্ষৰতা আৰু সংখ্যা, ইকুইটি আৰু অন্তৰ্ভুক্তি, শিক্ষণ সামগ্ৰী শিকোৱা, বিদ্যালয়ৰ নেতৃত্বসকলৰ প্ৰশিক্ষণ আৰু এছেমচি/শিক্ষক, আইচিটি, আর্ট শ্ৰেণীকোষ্ঠোৱা সামৰ্থ্য বিকাশ, ডিজিটেল, বৃক্ষমূলক হস্তক্ষেপ আদি ব্যৱহাৰৰ বাবে, আঁচনিখনে কাৰ্যকৰীকৰণৰ বাবে জিলা আৰু মহকুমা পৰ্যায়ৰ ব্যৱস্থা আৰু সম্পদ ব্যৱহাৰ কৰো।

বিদ্যালয় শিক্ষণ বিভাগে NEP 2020 কপায়ণৰ বাবে এক বিস্তৃত পৰিকল্পনা "SARTHAQ" প্ৰস্তুত কৰিছোৱাস্টোৱ পাঠ্যক্ৰমৰ কাঠামো, নিপুন ভাৰত, নিষ্ঠা শিক্ষক প্ৰশিক্ষণ, শিক্ষণ বৃক্ষী কাৰ্যসূচী আৰু প্ৰতিকাৰমূলক পাঠদানৰ পৰা বিভিন্ন লক্ষণ, কেন্দ্ৰিয় আৰু পৰিমাপ নিৰ্ধাৰণ, কৌশল আৰু নিৰ্দেশনা প্ৰয়োজন গুণগত শিক্ষা নিশ্চিত কৰিবলৈ মূল্যায়ন সংকাৰ অতি গুৰুত্বপূৰ্ণ।

MoE এ 12 নৱেম্বৰ 2021 তাৰিখে সমগ্ৰ দেশতে National Achievement Survey (NAS) অনুষ্ঠিত কৰি তৃতীয়, ৫, ৮ & 10 শ্ৰেণীৰ প্ৰায় 34 লাখ শিক্ষণ ফলাফলৰ মূল্যায়ন কৰিছো। NAS 2021ৰ পৰা পোৱা ভৰ্ত্যা বাস্তুয়, বাজ্যাক বাপত প্ৰকাশ কৰা হৈ আৰু জিলা প্ৰতিবেদন, যিয়ে সমগ্ৰ বৰ্ণনাত কৰ্মক্ষমতা তুলনা কৰাত সহায় কৰিব আৰু বিভিন্ন পৰ্যায়ত পুনৰ মধ্যস্থতাৰ বাবে প্ৰয়োজনীয় পদক্ষেপ গ্ৰহণ কৰিব।

পাৰফৰমেন্স গ্ৰেডিং ইনডেক্স (পিডিআই)ৰ ধাৰণাটোৱে কুলীয়া শিক্ষাৰ ক্ষেত্ৰত পৰিৱৰ্তনশীল পৰিৱৰ্তনক পূৰণ কৰে, যত এতিয়া শিক্ষাৰ মানদণ্ডৰ প্ৰতি গুৰুত্ব দিয়া হৈছে। ৭০টা সূচকক সামৰি লোৱা সূচকাংকই বাজ্যা আৰু কেন্দ্ৰীয় শাসিত অঞ্চলসমূহক বহুমুখী হস্তক্ষেপ গ্ৰহণৰ দিশত আগুৱাই লৈ যায়। এতিয়া জিলাভিতৰিক পিডিআই হৈছে জিলাসমূহক উৎসাহিত আৰু সংবেদনশীল কৰিবলৈ এই সূচকাংক স্থানীয়কৰণৰ আন এক পদক্ষেপ।

#### বাজ্যা/কেন্দ্ৰীয়শাসিত পৰ্যায়ত

সকলো বাজ্যা/কেন্দ্ৰীয় শাসিত অঞ্চলৰ সমাজ কপায়ণ কৰি তলৰ আৰু কেন্দ্ৰলৈ জিলাসমূহৰ সৈতে সমধৰ্য সাধন কৰি আঁচনিখনৰ পৰিকল্পনা আৰু কাৰ্যকৰী কৰো। ভাৰত এখন বৈচিত্ৰ্য আৰ্তা স্থানীয় প্ৰয়োজন অনুসৰি আঁচনিখন উপাদানসমূহৰ প্ৰসংগতিৰে বৈচিত্ৰ্য গোটসমূহক সঙ্গেধন কৰিবলৈ গুৰুত্বপূৰ্ণ বাজ্যাক বৰ্ড আৰু বাজ্যাকপাঠ্যক্ৰমৰ ধাৰণাটোৱে শিক্ষণৰ স্থানীয়কৰণৰ সাৰম্মত

বহু পৰিমাণে বৃজায়। SCERT আৰু বাজ্যা/কেন্দ্ৰীয় শাসিত অঞ্চলৰ বিভিন্ন প্ৰতিষ্ঠানে শিক্ষামূলক আঁচনিক কপায়ণত সহায় কৰো। শৈক্ষিক কাৰ্যকৰণৰ গুণগত মান আৰু প্ৰৱেশৰ উন্নতিৰ বাবে উন্নৰণনীয়মূলক বাজ্যা নিৰ্দিষ্ট প্ৰক্ৰিয়াৰ পৰিকল্পনা কৰা হৈছে।

#### জিলা পৰ্যায়ত

মৌলিক কপায়ণ একক হোৱাৰ বাবে জিলা পৰ্যায়ত সমগ্ৰ শিক্ষণৰ সংহত আঁচনিখনৰ পৰিকল্পনা আৰু নিৰীক্ষণ আৰু কপায়ণৰ স্থানীয়কৰণ এক চিহ্ন হৈ আহিছে। জিলা শিক্ষক শিক্ষা প্ৰতিষ্ঠানসমূহে (DIET) শিক্ষকৰ নিবন্ধৰ পেছাদাৰী বিকাশ, বিদ্যালয়ৰ সহায় আৰু উন্নতিৰ বাবে আৰু জিলা পৰ্যায়ত উন্নৰণক প্ৰসাৰিত কৰাৰ বাবে সহায় আগবঢ়ায়।



#### ত্ৰিক/কুণ্ডাৰ ভৱত-

ত্ৰিক সম্পদ কেন্দ্ৰ আৰু ত্ৰিক আৰু কুণ্ডাৰ পৰ্যায়ত কুণ্ডাৰ সম্পদ কেন্দ্ৰ হৈছে বিদ্যালয় পৰ্যায়ত শিক্ষণৰ মান নিশ্চিত আৰু মূল্যায়নৰ বাবে আচাৰিতকৈ জটিল একক আৰু সময়মতে প্ৰতিকাৰমূলক হস্তক্ষেপ প্ৰদান কৰা। বি আৰ চি আৰ চি আৰ চি সমূহে শৈক্ষিক সম্পদৰ ভৰ্বাল হিচাপে কাম কৰে, সেৱাত শিক্ষক প্ৰশিক্ষণ, নিয়মীয়া বিদ্যালয় প্ৰমণ আৰু শিক্ষক আৰু বিদ্যালয়সমূহক শৈক্ষিক সহায় প্ৰদান কৰাৰ লগতে সম্প্ৰদায় সংগঠন কাৰ্যকৰণ, অন্যান্য বাজ্যা/জিলা পৰ্যায়ৰ কাঠামোৰ সৈতে সংযোগত সহায় কৰো। ত্ৰিক ইনষ্টিউট অৱ টিচাৰ এডুকেচন (বিআইটিই) সমূহেও স্থানীয় পৰ্যায়ত প্ৰশিক্ষণৰ সহায় আগবঢ়োৱাৰ পৰিকল্পনা কৰা হৈছে।

#### কুল পৰ্যায়ত

প্ৰাথমিক একক হিচাপে বিদ্যালয়ক এছাড়িজি ৪ অনুসৰি প্ৰাক-বিদ্যালয়ৰ পৰা জ্যোষ্ঠ মাধ্যমিক পৰ্যায়লৈকে অন্তৰ্ভুক্ত আৰু সমতাপূৰ্ণ মানসম্পদ শিক্ষা নিশ্চিত কৰিবলৈ কৰন্তা কৰা হৈছে। সকলো ছাত্ৰ-ছাত্ৰীৰ বাবে শৈক্ষিক প্ৰদৰ্শন আৰু শিক্ষণৰ উন্নতি আৰু বিদ্যালয় পৰ্যায়ত ডিজাইন আৰু উন্নৰণৰ সংস্কৃতিক প্ৰসাৰ, লালন-পালন আৰু আগুৱাই নিয়াৰ বাবে সাধন কৰিব লাগিব। এন ই পিয়ে শিক্ষকসকলক শ্ৰেণীকোষ্ঠোৱ লেনদেনত উন্নৰণ আৰু উন্নৰণনীয়মূলক শিক্ষাবিজ্ঞান প্ৰয়োগ কৰিবলৈ উৎসাহিত কৰিছিল। 'গোটেই বিদ্যালয়' ভিত্তিক পৰিকল্পনা আৰু কপায়ণ হৈছে দৃষ্টিভঙ্গীৰ এক প্ৰেৰণাইম শৰ্ষে।

छात्र-छात्री विकाश वाबे विद्यालयसमूहक एक्टिविटी चेप्टोबलै कपान्तवित करिब लागो। वितर्क, संगीत, कला, त्रिभुज, पता, युवत-युवती, विज्ञान वा इक त्राव आदि विभिन्न त्राव छात्र-छात्री वाजत जीवन दश्वता, चथ, आन्त्रसन्धान गढ़ तोला, आन्त्रविश्वास आक छितिथापकता गढ़ तोलाव वाबे सहायक। विद्यालयक शिक्षणव आनन्दमय स्थान हिचापे गढ़ तोलाव लक्ष्यावे विद्यालयसमूहे छात्र-छात्री आक शिक्षक उभयरे वाबे कार्यसूची वाबे आयोजन करो। ग्रहन करा किछुमान काम-काज हल- कला उद्सर, भूमिका नाटक प्रतियोगिता, बेण प्रतियोगिता, संगीत शिक्षक प्रतियोगिता आक लोक-नृता प्रतियोगिता। एन इ पियरे विद्यालयसमूहक "समाजिक चेतना केन्द्र" हिचापे व्यवहार कराव कल्पना करिछिल। इ सम्पदसमूहव कपायण आक कार्यक्रम व्यवहारव फैट्रत अनुकूल सहयोगिताइ एक्टिविटी 8 लाभव पथ प्रशंक करिब।



#### व्यक्तिगत, बेचबकावी संखा, नागरिक समाज संखा-

एक्टिविटी छानीयकरण केरल नियमतम प्रशासनिक एककत सीमावन्ध नाथाकिव लागे वरक्ष सामान्त्रिकतावे सकलो अंशीदावर याजत सीमावन्ध हव लागो। सार्वजनीन मानस्पत्र शिक्षा तेतियाहे लाभ करिब परा याव येतिया सकलो अंशीदावे एकेलगे सहयोगिता आगवडाव। विद्यालय उपर्युक्त प्रविकरुना प्रगत्यनव वाबे सम्प्रदायव सदसा आक घानीय कर्तुपक्षव सैतेव विद्यालय प्रविचालना समिति गठन करा हय। व्यक्तिगत आक दानशील युवव भूमिकाइ प्रविवेश तस्त्रव एटा मूल भूमिका पालन करोतेहलोके विशेषज्ञताव लगते उन्नारनीमूलक पक्षतिओ आनो। सामर्थ्य विकाश, आन्तःगाधनि आक पाठ्यान-शिक्षण प्रक्रियाक सहाय कराव वाबे एन जि अ/ठ एक्ट/कपर्वेटव सैतेव सहयोगिताइ शैक्षिक कारणत योग दियो। होम-मेन्टरव हिचापे अभिभावकसकलेओ शिक्षण फलाफल बुद्धिव दिशत गुकड़ पूर्ण भूमिका पालन करो। माइव विद्यालयी पदक्षेपे आन्तःगाधनि विकाश आक शिक्षण फलाफल बुद्धिव वाबे सकलोवे समर्थनक उद्साहित करो। शिक्षाव सार्वजनीन सुविधा सुनिश्चित करिबलै ड्रप-आउट आक आउट अव फुल शिक्षव समस्यासमूह मानुहव सहजेइ समाधान करिब पाबि।

सकलो मस्तालय आक विभागव सैतेव अभिसवण एक्टिविटी लाभ करिबलै सकलो मस्तालय/विभागव सैतेव अभिसवण गुकड़ पूर्ण, कियनो सकलो लक्ष्य आन्तःसम्पर्कीय आक आन्तःनिर्भरशील। विद्यालय आक गाँও पर्यायव मौलिक एककत एक्टिविटीव घानीयकरणे सकलो अंचनिव अभिसवणे अधिक प्रभाव पेलावलै आहान जनाय। इयाव उपरिओ इ प्रचेष्टा, सम्पद आक शक्तिव भुप्रिकेचन एवाइ चलिछे आक सहयोगितावे काम कराव सुयोग प्रदान करो। इच्छिइ संयोगव वाबे डिल्लिटिडि मस्तालय, विश्व खोरापानी आक अनामयव वाबे खोरापानी आक अनामय मस्तालय, श्रम आक नियोग मस्तालयव सैतेव शिशु श्रमव परा अतिव अहा सकलो शिक्षव नियमिया चुबुवीव विद्यालयत सफल मलसंतिलै अनाव वाबे प्रचेष्टा चलोरा हेछे, अंचनि एइडल/संजुलि त्रुय/फिटिंगव वाबे अक्षम व्यक्तिसकलक सहाय आगवडोरा। विद्यालयत खेलपथाव, सीमा देवाल, बेस्प, शौचागाव आदि व्यवस्था आक खोरापानी योगान, आवर्जना पुनःवारहाव, विद्यालयव बक्षणावेक्षणव वाबे SHG, MoPR व जवियाते विद्यालयव इटिनिफर्मव व्यवस्था कराव वाबे घास्य आक प्रवियाल कलाप मस्तालय, MoRD व घासा विद्यालय घास्य कार्यसूची चोहद, शौचागाव आक पाकघरके धरि। विद्यालयलै भाबत नेट सेवा सम्प्रसारणव वाबे DoT, दश्वता पदक्षेपव वाबे MSDE, खेलो इन्डियात अधिक अंशग्रहणव वाबे त्रिभुज आक युव प्रविक्रमा विभाग आक युव वेचासेरकक विद्यालयव सैतेव संयोग कराव वाबो। ग्राम पक्षायत उन्नयनव प्रविकरुना (जिपिडिपि)व जवियाते सम्प्र शिक्षा आक पिएम पोहानव विभिन्न हस्तक्षेप प्रविकरुना करि विद्यालय पर्यायत कपायण करि एक्टिविटी 8 लाभ करिब पाबि।



## COVID-19ମହାମାରୀ ଆକ୍ରମଣକରଣର ପ୍ରୋଜେକ୍ଟିକାରୀତି

କାନ୍ତିଜୀ-୧୯ର ଫଳତ ଶିକ୍ଷାତ ଭୟାବହ ପ୍ରଭାବ ପରିଛେ। ବିଦ୍ୟାଲୟ ବନ୍ଦ ହୋଇବାର ପରିଣାମି ଶିକ୍ଷଣ ଆକ୍ରମଣ ଓ ପରିବତ ପରେ ମହାମାରୀରେ ଦେଖୁରାଇଛେ ସେ ଏନେ ଦୂରୋଗର ମୋକାବିଲା କବିବିଲେ ହାନୀଯ ପର୍ଯ୍ୟାପ୍ତ ବ୍ୟବସ୍ଥାପନା ଗୁରୁତ୍ବପୂର୍ଣ୍ଣ ଆକ୍ରମଣ କରିପାରିବା ହାତେ-ହାତୀର ଶିକ୍ଷଣ ଅବ୍ୟାହତ ବାଧିବିଲେ ବିଦ୍ୟାଲୟ ଆକ୍ରମଣ ପର୍ଯ୍ୟାପ୍ତ ଅସଂଖ୍ୟା ପ୍ରଚେତ୍ତା ଆମି ଦେଖିବିଲେ ପାଇଛୋ। ସେତିଯା ବିଦ୍ୟାଲୟ ବନ୍ଦ କବିବିଲେ ବ୍ୟାଧି ହୈଛି ଆକ୍ରମଣ ବାହିବର ପରା କୋନୋ ସାହାଯ୍ୟ ସମ୍ଭବ ନହିଁ, ତେତିଯା ହାନୀଯ ପର୍ଯ୍ୟାପ୍ତ ବିଭିନ୍ନ ପଦକ୍ଷେପ ଅର୍ଥାତ୍ - ମହାରା ପାଠଶାଳା, ଘରର ବେବତ ବଂ କବି ଛାତ୍ର-ଛାତ୍ରୀଙ୍କ ପଢ଼ୋରା ଆଦିଯେ ଶିକ୍ଷଣ ଅବ୍ୟାହତ ବ୍ୟାଧି ଆକ୍ରମଣ କରିବାର ଦିଶାତ ଆକ୍ରମଣ କରିବାର ଦିଶାତ ଉପରେ ଯେଉଁଥେବେଳେ ଭୟକାନ୍ତିକ ପାଲନ କରିଛିଲ ପେପ. ଆଚଳତେ, ହାନୀଯକରଣେ ସକଳୋ ପରିଚିତିତ ଇଯାବ ଲକ୍ଷାତ ଉପନୀତ ହବିଲେ ବ୍ୟବସ୍ଥାଟୋକ୍ ଅଧିକ ହିତିହାପକ କବି ତୋଳାତ ସହାୟ କରେ।

### ଉପସଂହାର

ଶିକ୍ଷଣ ହୈଛେ ବହନକ୍ଷମ ଉପରୁନ, ଜାତି ଗଠନ ଆକ୍ରମଣ ଶାନ୍ତିର ବାବେ ଶକ୍ତି। ଏହାଡିଜିସମୃଦ୍ଧକ ହାନୀଯକରଣେ ହାନୀଯ ଉପରୁନ ନୀତିର ବାବେ ଏକ କାଠାମୋ ପ୍ରଦାନ କବିବ ପାବେ ଆକ୍ରମଣ ଶାନ୍ତିର ବୈଚିକ୍ରାନ୍ତ ପ୍ରୋଜେକ୍ଟିକାରୀତା ପ୍ରବଳ କବିବ ପାବେ। ସାର୍ବଜନୀନ ମାନସମ୍ପଦ ଶିକ୍ଷଣର ଲକ୍ଷ୍ୟତ ଉପନୀତ ହବିଲେ “ଏକ ଆକାବ, ସକଳୋରେ ବାବେ ଉପ୍ୟୁକ୍ତ” ପଦ୍ଧତି ଧାରିବ ନୋରାବେ। ଏହାଡିଜି ଇଣ୍ଡିଆ ସୂଚକାଂକତ ବିଭିନ୍ନ ଏହାଡିଜିର ଓପରତ ବାଜାସମୃଦ୍ଧ ପ୍ରଦର୍ଶନର କୁଳନା କବା ହୈଛେ। ଜିଲ୍ଲା ଆକ୍ରମଣ ଶାନ୍ତିର ପର୍ଯ୍ୟାପ୍ତ ଏହାଡିଜି ସୂଚକାଂକକ ହାନୀଯକରଣର ଅଧିକ ପ୍ରୋଜେକ୍ଟାନ୍ତି ଆକ୍ରମଣ କବିବ। ହାନୀଯକରଣେ ଗନ୍ଧ ପର୍ଯ୍ୟାପ୍ତ ଆମାର ସାମର୍ଥ୍ୟ ବୃଦ୍ଧି କବିବ। ଶିକ୍ଷଣର ବାବେ ଏହାଡିଜି ଲାଭ କବିବିଲେ କର୍ମକଳାତା ଜ୍ୟୋତିଷବିଲେ ପ୍ରବୋଚିତ ଆକ୍ରମଣ କବିବ। ହାନୀଯକରଣେ ଗନ୍ଧ ପର୍ଯ୍ୟାପ୍ତ ଆମାର ସାମର୍ଥ୍ୟ ବୃଦ୍ଧି କବିବ। ଶିକ୍ଷଣର ବାବେ ଏହାଡିଜି ଲାଭ କବିଲେ ୨୦୩୦ ଚନ୍ଦର ଭିତରତ ଆନ ସକଳୋ ଲକ୍ଷ୍ୟତ ହୋଇବାକୁ ସହାୟକ ହ'ବ, ସେତିଯା ପୃଥିବୀଖଣ୍ଡ ବାସ କବିବିଲେ ଏକ ଉନ୍ନତ ଠାଇ ହ'ବ।

\*\*\*\*



# संशोधित बाणीय पक्षायत वैटा

\* डॉ विजय कुमार वेहेबा - आई.इ.एच.

(ix) महिलाव वावे अनुकूल गाँও।

## २. यूक्तियुक्तता:

पक्षायत पर्यायत SDG लाभव दिशत पक्षायतिगत परिकल्पना, कपायण, निरीक्षण आक जवाबदिहिताव वावे आक अर्थनीतिक उप्रयन आक सामाजिक न्याय निश्चित कवाव वावे संविधानव नवम अगुत तालिकाभूत २९टा विषयव विभिन्न परिवेश-सामाजिक उपर्यन कार्यसूचित अंशग्रहणव वावे PRI समूहक ठेलि दिया, बाणीय पक्षायत वैटा समूहक ब्रुक, जिला, बाजा/केन्द्रीय शासित अक्षल आक बाणीय पर्यायत वैटा प्रतियोगिताव बहुत्वाय प्रिवामिडिकेल गाँवनि छापन कविवलै संस्कार कवाहैचे घाव लक्ष्य हैचे;

- i. ९टा चिनाक्तुकृत विषयवक्तुव जवियते SDG लाभ कवात PRI व कर्मक्रमताव मूल्यायन कवा।
- ii. PRI व माजूत प्रतियोगितामूलक मनोभावक प्रसारित कवा।
- iii. 'PRI व घावा SDG व छानीयकरण' आक २०३० चनव भितवत LSDG लाभ कवाव तां पर्यायव विषयव PRI समूहक प्रक्रियाटोव विषयव अवगत कवा।

## ३. प्रक्रिया/गाँवनि/निर्वाचन:

४.१ नवीकरण कवा बाणीय पक्षायत वैटा व जवियते सकलो पक्षायतके ९टा वैटाव विषयवक्तुव अंशग्रहणव वावे एक घण्ट प्रदान कविव। प्रतिटो विषयवक्तुव अधीनत सकलो पक्षायतव प्रदर्शनव ओपरेत भित्ति कवि वर्ग निर्धारण हवा ब्रुक पर्यायव विषयविभिन्नक समितिव घावा तेंत्तेलोकव कर्मक्रमताव मूल्यायन कवा हव आक जिला पर्यायव प्रतियोगिताव वावे ३ जन शीर्ष वर्गव GPक परामर्श दिया हवा। अधिक जिला आक बाजा/केन्द्रीय शासित अक्षलोव बाणीय पर्यायव प्रतियोगिताव वावे प्रतिटो विषयवक्तुव अधीनत ३ जन शीर्ष वर्गव JPक मूल्यायन आक परामर्श दिय। विभिन्न पर्यायव वाचनि समितिसमूहे जिपिसकलव कर्मक्रमताव मूल्यायनव वावे नाडेल विभाग/मन्त्रालयक नियोजित कविव।

४.२ निज निज पर्यायत प्रतिटो विषयवक्तुव वावे विषयविभिन्नक वाचनि समितिसमूहे वैटाप्रापक पक्षायतसमूह निर्वाचन कविव। बाजा/केन्द्रीय शासित अक्षलसमूहे ब्रुक, जिला आक बाजा/केन्द्रीय शासित अक्षल पर्यायव वैटाप्रापकसकलक पक्षायतसमूहक प्रेवणा प्रदान कवाव वावे नगद धन वा प्रकावे संस्थना आक वैटा प्रदान कविव पावे।

## ५. प्रश्नावलीव संहारि

समग्र देशव सकलो प्राय पक्षायतव मूल्यायन आक वर्गव वावे मन्त्रालय/विभाग आक बाजा/केन्द्रीय शासित अक्षलव लगत आलोचना कवि प्रतिटो विषयव वावे प्रश्नावली प्रकृत कविवे मन्त्रालये।

## १. पृष्ठभूमि

१.१ पक्षायतवोवे प्रमुख अीचनिवोवे कपायण कवि SDG प्राण कवात मुख्य भूमिका पालन कवे। पक्षायतसमूहक उदगनि घोगोरा आक तेंत्तेलोकक वैटा प्रदान कवाटो उपर्यनमूलक परिकल्पनाव सामाजिक कपायणत एक सुख आक प्रतियोगितामूलक परिवेशव सृष्टि कविव। इ.एक अविजेद्य अशे। सेयेहे पक्षायतीबाज मन्त्रालयव घावा बाणीय पक्षायत वैटा।

१.२ मन्त्रालये विशेषज्ञ समितिव घावा प्रकृत कवा पक्षायतीबाज प्रतिष्ठानव जवियते बहुवर्षम उपर्यनव लक्ष्य (LSDG)व छानीयकरणव प्रतिवेदन प्रकाश कवे। कमिटीये इयाव प्रतिवेदनत २०३० चनव भितवत SDG लाभव वावे आगवाचि घोगोरा पर्य हिचापे छानीय (ग्राम पक्षायत) पर्यायत कार्यव वावे १७टा SDG एकत्रित कवि ९टा विषयवक्तुव चिनाक्त कविवे। एই ९टा विषयवक्तुव हल

- (i) द्विवदतामूहे आक वर्धित जीविका गाँও,
- (ii) सुख गाँও,
- (iii) शिशु अनुकूल गाँও,
- (iv) पानी पर्याण गाँও,
- (v) परिष्कार आक सेउजीया गाँও,
- (vi) गरिव घावलवी आन्तःगाँधनि,
- (vii) सामाजिकभावे सुवर्कित गाँও,
- (viii) सुशासन घका गाँও आक

\* पक्षायतीबाज मन्त्रालयव अर्थनीतिक उपदेष्टा



## ६. PRI वोरब द्वारा अंशग्रहण:

पुनर्जीवित बाबत्तार अधीनत सकलो (प्रायः २,५६ लाख) GP आक एके तरब प्रवागत द्वानीय संस्थाइ ९८ विषयाभित्तिक बीटार अधीनत अंशग्रहण करिब लागिब।

## ७. बीटार भागबोर:

७.१ बाट्टीय पर्यायत ग्राम, त्रुक आक जिला प्रशासनक दुटा शाखार अधीनत बीटा प्रदान करा ह'ब थार नाम हल:

i. दीन दयाल उपाध्याय पक्षायत सतत विकाश पुराकर (व्याप्तिगत विषयवस्तुभित्तिक परिवेशनब बाबे)

नानाजी देशमुख सर्वत्तम पक्षायत सतत विकाश पुराकर (सकलो विषयवस्तुर अधीनत सर्वमृष्ट प्रदर्शनब बाबे)

७.२ इयार उपरिं तलत उल्लेख करा विशेष शितानसमूहब बीटासमूह हल:

i. शक्तिव नवीकरणयोग्य उंस प्रहग आक बाबत्तार बाबे ग्राम उर्जा वराज विशेष पक्षायत पुराकर।

ii. कार्बन निरपेक्ष विशेष पक्षायत पुराकरक नेट-जिर' कार्बन निर्गमन लाल्लव दिशत दृष्टान्तमूलक कामब बाबे धन्यवाद जानाइछो।

iii. GP ब बाबे नानाजी देशमुख सर्वत्तम पक्षायत सतत विकाश पुराकरब बाबे यिये घोगाता अर्जन करे तेण परवती बहुबाबतो बाट्टीय पक्षायत बीटार बाबे घोगाता पाया।

iv. पक्षायत अमाता निर्माण सर्वोत्तम प्रतिष्ठान पुराकर यिसकल प्रतिष्ठाने GP सकलक LSDG लाल्ल करात प्रतिष्ठानिक सहय आगवडाइछो। श्रेष्ठ अंशग्रहणकारी बाजा/केन्द्रीय शासित अक्षल/जिला/त्रुक पक्षायत।

## ८. बीटार बाबे यानक परिचालना पक्षति :

८.१ मस्तालयब द्वारा तलत दिया नाथब लगते बाजा आक केन्द्रीय शासित प्रदेशब नाम प्रस्तुत आक वितरण करा हैছे।

- प्रमाणिक सञ्चालन प्रक्रिया (SOP) बाजा/केन्द्रीय शासित अक्षल, जिला आक त्रुक पर्यायब विषयासकलब अवियोगेटनब केछकेड़ि मोडब बाबे समयसीमाब सैते संकाब करा बीटा आक प्राम पक्षायत द्वारा अनलाइन प्रश्नाबली पूरण प्रक्रियाब निरीक्षण।

- प्रबलेत बाबिकरी दिशसमूहब लगत संगति बाबि आवेदन/ तथा प्रवेश ब SOP

## ८.२ विभागीय भाबे बाजा

केन्द्रीय शासित प्रदेशत बाट्टीय पक्षायत आवेदन पुनर्जीवित बाबे अभिविन्यास प्रदान, थार द्वारा पिछले केछकेड़ि मोडबे पक्षायत बाजा प्रतिष्ठानसमूहले पठियाइ दिव, २०२२ चनब १६-१८ आगष्टब भितवत नतून दिल्लीत संकाबित बाट्टीय पक्षायत बीटार बाबे बोड मेपब प्रस्तुतिव ओपरेट बाईट-शप आयोजन करा हैछिल। ऐ अनुस्तानब समयत बाजा/केन्द्रीय शासित अक्षलसमूहे निजब पर्यायत एकेविनि प्रगयन करिबले सक्षम करिबले बृहद परिसवब अंशग्रहणब बाबे समग्र बीटा बाबत्ताटोब जनप्रियता आक प्रचाबव ओपरेट बाट्टीय संबाद माध्यमब कोशलउ उपस्थापन करा हया।

## ९. बीटा पटेल:

बाट्टीय पक्षायत बीटा पटेल ([www.panchayataward.gov.in](http://www.panchayataward.gov.in)) मक्ष्यन प्रदान करा ह'ब।

- पक्षायतसमूहब द्वारा बीटार बाबे आवेदन
- विभिन्न भवत (बाट्टीय, बाजा/केन्द्रीय शासित अक्षल, जिला आक त्रुक) अभिमुखीता आक प्रश्नाबली पूरणब ओपरेट नजरब बथा।

\*\*\*\*



## পঞ্চায়তসমূহত বহনক্ষম উন্নয়নৰ লক্ষ্যসমূহ স্থানীয়কৰণৰ দিশত যাত্রা

### \*চি বি বিভাগ, পঞ্চায়তিবজ মন্ত্রালয়

১. ভাৰত ২০৩০ চনৰ বহনক্ষম উন্নয়নৰ কাৰ্যসূচীত হাজৰকাৰী, আৰু তেওঁলোকৰ প্ৰাণিৰ প্ৰতি দায়বদ্ধ। নিতি আয়োগ হৈছে বহনক্ষম উন্নয়নৰ লক্ষ্য (SDG) কপায়ণৰ বাবে ন'ডেল প্ৰতিষ্ঠান। বাস্তীয় সূচক কপৰেয়াৰ তথ্য ব্যৱহাৰ কৰি নিতি আয়োগে SDG ইন্ডিয়া সূচকাৰ সৃষ্টি কৰো। বিভিন্ন মন্ত্রালয় আৰু তেওঁলোকৰ আঁচনিসমূহ SDG আৰু লক্ষ্যৰ সৈতে যোগ কৰা হয়।

২. ভাৰতৰ প্ৰায় ৭০% লোক গ্ৰামৰকলত বাস কৰা বুলি ধৰি ল'লে বাস্তীয় পৰ্যায়ত বহনক্ষম উন্নয়নৰ লক্ষ্যত উপন্মাত হ'বলৈ পঞ্চায়তীবজ প্ৰতিষ্ঠানৰ জৰিয়তে তণ্মূল পৰ্যায়ত কাৰ্যাৰ প্ৰয়োজন হ'ব। সেয়েহে SDG সমূহ হানীয়কৰণৰ বাবে পঞ্চায়তী বজ প্ৰতিষ্ঠান বিশেষকৈ গ্ৰাম পঞ্চায়তৰ ভূমিকা অতি গুৰুত্বপূৰ্ণ।

৩. পঞ্চায়তীবজ মন্ত্রালয়ে SDGৰ প্ৰতি বিষয়ভিত্তিক সৃষ্টিভঙ্গী গঢ়ি তুলিছে যাৰ বাবে ৯টা বিষয়বস্তু বিকশিত হৈছে। এই প্ৰতিটো বিষয়বস্তুৰে কেইবাটোও SDG সামৰি লৈছে।

Name	Selected SDGs	Name	Selected SDGs
1. Poverty Alleviation and Inclusive Development	SDG 1: No Poverty SDG 2: Zero Hunger SDG 3: Good Health and Well-being SDG 4: Quality Education SDG 5: Gender Equality SDG 6: Clean Water and Sanitation SDG 7: Affordable and Clean Energy SDG 8: Decent Work and Economic Growth SDG 9: Industry, Innovation and Infrastructure SDG 10: Reduced Inequalities SDG 11: Sustainable Cities and Communities SDG 12: Responsible Consumption and Production	1. Clean and Inclusive Village	SDG 1: Clean Water and Sanitation SDG 3: Affordable and Clean Energy SDG 5: Gender Equality and Empowerment SDG 6: Clean Water and Sanitation SDG 10: Reduced Inequalities SDG 11: Sustainable Cities and Communities SDG 12: Responsible Consumption and Production
2. Healthy Village	SDG 1: No Poverty SDG 3: Good Health and Well-being SDG 4: Quality Education SDG 5: Gender Equality SDG 6: Clean Water and Sanitation SDG 10: Responsible Consumption and Production	2. Self-Sufficient Infrastructure-Poorish	SDG 1: No Poverty SDG 2: Zero Hunger SDG 3: Good Health and Well-being SDG 4: Quality Education SDG 5: Gender Equality SDG 6: Clean Water and Sanitation SDG 10: Reduced Inequalities SDG 11: Sustainable Cities and Communities SDG 12: Responsible Consumption and Production
3. Clean-Hygiene Village	SDG 1: No Poverty SDG 2: Zero Hunger SDG 3: Good Health and Well-being SDG 4: Quality Education SDG 5: Gender Equality	3. Socially-Included Village	SDG 1: No Poverty SDG 2: Zero Hunger SDG 3: Good Health and Well-being SDG 4: Quality Education SDG 5: Gender Equality SDG 6: Clean Water and Sanitation SDG 10: Reduced Inequalities SDG 11: Sustainable Cities and Communities SDG 12: Responsible Consumption and Production
4. Man-Participative Village	SDG 1: No Poverty SDG 2: Zero Hunger SDG 3: Good Health and Well-being SDG 4: Quality Education SDG 5: Gender Equality SDG 6: Clean Water and Sanitation SDG 7: Affordable, Innovative and Sustainable Infrastructure SDG 8: Decent Work and Economic Growth SDG 9: Industry, Innovation and Infrastructure SDG 10: Reduced Inequalities SDG 11: Sustainable Cities and Communities SDG 12: Responsible Consumption and Production SDG 13: Climate Action SDG 14: Life Below Water SDG 15: Life on Land	4. Local Commerce	SDG 1: No Poverty, Justice and Strong Institutions SDG 2: Zero Hunger SDG 3: Good Health and Well-being SDG 4: Quality Education SDG 5: Gender Equality SDG 6: Clean Water and Sanitation SDG 10: Reduced Inequalities SDG 11: Sustainable Cities and Communities SDG 12: Responsible Consumption and Production
		5. Business-Friendly Village	

৪. বিষয়ভিত্তিক পদ্ধতি গ্ৰহণ কৰিবলৈ সহজে বুজিৰ পৰা যাব; সম্প্ৰদায়ৰ জড়িত থকা পঞ্চায়তসমূহৰ গ্ৰহণ আৰু কাৰ্যকৰীকৰণ

৫. এই প্ৰতিটো বিষয়বস্তুৰে কেইবাটোও এছডিজি সামৰি লয়, ধৰিবোৰক পাছলৈ বিভিন্ন মন্ত্রালয় আৰু আঁচনিলৈ যোগ কৰা হয়, বিষয়ভিত্তিক পদ্ধতি গ্ৰহণ কৰি। গতিকে ইয়াৰ ফলত সম্পদৰ অভিসৰণ ঘটিব আৰু পঞ্চায়ত পৰ্যায়ত ইয়াৰ উপলক্ষতা বৃদ্ধি পাৰ।

৬. তলত উল্লেখ কৰা ধৰণে এছডিজিৰ স্থানীয়কৰণ প্ৰক্ৰিয়াক আওতাৰাই নিৰ্বলৈ ধাৰাৰাহিক হস্তক্ষেপ কৰা হৈছে যিয়ে কেন্দ্ৰীয় মন্ত্রালয়, বাজ্যা চৰকাৰ, বাস্তুসংঘৰ সংস্থা, শিক্ষানুষ্ঠান, চি-এছড়া আৰু অন্যান্যৰ সৈতে একেলগে কাম কৰি তণ্মূল পৰ্যায়ৰ কামৰ প্ৰতি দৃষ্টি আকৰ্ষণ কৰাটো সামৰি লয়।

৭. ২০১৮-১৯ চনৰ পৰা ২০২-২১ চনলৈ কপায়ণ হোৱা আৰু তি এছ এৰ আঁচনিখন ০১.০৪.২০২২ৰ পৰা ০১.০৩.২০২৬লৈ কপায়ণৰ বাবে ১৩.০৪.২০২২ তাৰিখে চৰকাৰে অনুমোদন জনাইছে। তণ্মূল পৰ্যায়ত বহনক্ষম উন্নয়নৰ লক্ষ্য (এছডিজি)ৰ স্থানীয়কৰণৰ ওপৰত বিশেষ গুৰুত্ব দি পঞ্চায়তীবজ প্ৰতিষ্ঠানসমূহক স্থানীয় আঞ্চলিক আৰু অধিনৈতিক বিকাশৰ সজীৰ কেন্দ্ৰ হিচাপে পুনৰ কৰনা কৰাটোৱেই হৈছে বিভাস্পত আঁচনিৰ কেন্দ্ৰবিশ্ব।

৮. আন্তঃমন্ত্রালয়ৰ সভা (মন্ত্রালয়/ খোৱাপানী আৰু অনাময়, গ্ৰাম উন্নয়ন, মহিলা আৰু শিশু উন্নয়ন, শিক্ষা, বাস্তু আৰু পৰিয়াল কল্যাণ, সামাজিক ন্যায় আৰু সুবোৰীকৰণ, পণ্ডিতালয়, দুৰ্ঘ, মীন, নতুন আৰু নবীকৰণযোগ্য শক্তি আৰু ভূমি সম্পদ বিভাগ)ৰ সৈতে সংশ্লিষ্ট কেন্দ্ৰীয় মন্ত্রালয়সমূহে এল এছ তি জি লাভৰ বাবে একত্ৰিত প্ৰচেষ্টাৰ বাবে সংগঠিত হৈছিল।

৯. এল এছ তি জিসমূহ আগবঢ়াই নিয়াৰ বাবে সংশ্লিষ্ট কেন্দ্ৰীয় মন্ত্রালয়/বিভাগসমূহৰ সৈতে সংশ্লিষ্ট কেন্দ্ৰীয় মন্ত্রালয়/বিভাগসমূহৰ সৈতে এম আ পি এৰে বাজ্যাসমূহক বিষয়বস্তু হিচাপে যুক্তীয়া পৰামৰ্শ জাৰি কৰিছে।

১০. ভাৰতৰ গ্ৰাম অঞ্চলৰ এল এছ তি জিৰ বাবে একেলগে কাম কৰিবলৈ ২১টা মন্ত্রালয়ৰ ২৬টা বিভাগেও যৌথ পঞ্চায়ত স্থানীয় কৰিবলৈ যিয়ে সৰাকৈয়ে সমগ্ৰ চৰকাৰী দৃষ্টিভঙ্গীক মূৰ্তি কৰি তুলিছে।

১১. বাজ্যা/কেন্দ্ৰীয় শাসিত অঞ্চলসমূহৰ প্ৰস্তুতিৰ ভৰ আৰু এছডিজিৰ স্থানীয়কৰণৰ ওপৰত সময়সীমাবদ্ধ হস্তক্ষেপৰ বাবে কাৰ্যা পৰিকল্পনা বুজি পোৱাৰ লক্ষ্যৰে চাৰিখন আঞ্চলিক কৰ্মশালা হাইক্রিড মোডত আয়োজন কৰা হৈছিল।

১২. এল এছ তি জিত নিজ নিজ ডমেইনত সহায়ৰ বাবে বাস্তুসংঘৰ সংস্থা (ইউনিচেক, ইউ এন ডি পি, ইউ এন এক এক আৰু ডিৱিউ এইচ আ')ৰ সৈতে বৈঠকৰ আয়োজন কৰা হৈছে। তদুপৰি, তণ্মূল পৰ্যায়ত এল এছ তি জিসমূহত সহযোগিতামূলক কামৰ বাবে একে এ এমৰ সময়ত এই সংস্থাসমূহৰ সৈতে বুজাবুজিৰ বিৰুতি( SOU ) স্থানীয় কৰা হৈছিল।

১৩. প্ৰশিক্ষণ সামগ্ৰী প্ৰস্তুত কৰাৰ বাবে এম আ পি আৰু দ্বাৰা ৮ থন বিষয়ভিত্তিক সমিতি গঠন কৰা হৈছে।

- শক্তিশালী তথ্য বিনিয়য় ব্যৱস্থা বিকশিত কৰা।
- জিপিডিপিৰ নিৰ্দেশনা আৰু ফৰ্মেট পুনৰীকৰণ কৰি ইয়াক এল-এছডিজি-মূল্যী কৰি তোলা।
- পঞ্চায়ত উন্নয়ন সূচকাংক (PDI) প্ৰস্তুত কৰা।
- ২০১৪ চনত প্ৰস্তুত কৰা বাস্তীয় সামৰ্থ্য বিকাশৰ কাঠামোক এল এছ তি অভিমুখী কৰিবলৈ পুনৰ বিবেচনা কৰা।
- বিষয়ভিত্তিক কেন্দ্ৰসমূহৰ ওপৰত প্ৰশিক্ষণ মডিউল এল এছ তি জি।
- পঞ্চায়তৰ জৰিয়তে এল এছ তি জি মূলসূতিৱৈ অনাৰ মূল সমিতি





14. आजादी का अमृत महोसूल अधीनत ११-१७ एप्रिल, २०२२ तारिखे मन्त्रालये एक्सट्रिकल इन्डियन एक्सप्रेस और गुरुत्व आबोप करि आइकनिक सप्ताह उदयापन करवा। इयात समग्र देशव लाइन मस्ती, बाजियक पश्चायतीवाज बिभाग आक एच आइ आब डि, पि आब आइ आक परम्परागत इनीय संस्था (TLB) व मनोनीत निर्वाचित प्रतिनिधि (ERS), बाट्टसंघव संस्था, शेक्किक प्रतिष्ठान, उमेहन विशेषज्ञ आक अनाना अंशीदावसकलव अंशप्राहण डाढ़ित आहिल, यिझे चैचाकेवे समग्रताक मृत करि तुलित्तिल चरकाव आक समग्र समाजव दृष्टिभंगी।

15. मन्त्रालये बाजा/केन्द्रीय शासित अंकलसमृहक बाट्टीय पश्चायती बाज दित्तस उपलक्षे २४ एप्रिल, २०२२ तारिखे एथन विशेष ग्रामसभा आयोजन करिवले अनुबोध ज्ञानाय षत् १व परा ३टा विषयवस्तुव परिपूर्णताव वावे संकल्प लोरा हवा।

16. एन आइ आब डि एण्ड पि आबत ३०-३१ मे, २०२२त एच डि जिव क्षेत्रत ११थन बाजाव सैते एल एच डि जिव प्रति बोडमेप आक कार्या परिकल्पना प्रस्तुत करवाव औपरत धावगासमृहव त्राह-शेयावित्तव औपरत एथन कर्मशालाव आयोजन करवा हैहिल।

17. तदनीया बाट्टीय बाईट - चपर आयोजन करवा हैहेप पक्षायतव ज्ञायिते LSDGs व ओपरत State Plan of Action आक Roadmap प्रस्तुत करि 4th-6th July, 2022 तारिखे सकलो बाज्य /केन्द्रीय शासित अंकलव सैते।

18. २ दिनीया LSDG व ओपरत बाट्टीय कर्मशालाव कार्यसूची, कार्यसूची ६: व्वारलस्ती आन्तःगाँधनिव सैते गाँও, पश्चावर चत्तीगढुत धिम ४६५ : पश्चावर गुनेत पानी पर्याणु आक परिकल्पना गाँও आक धिम १: सर्वितामृत आक वर्धित ऊदिकाव औपरत आयोजन करवा हैहेप केरेलाव एन्नलुमामत गाँवर आयोजन करवा हैहेप।

19. SIRDs/ETCs/PRTCs/SPRCs/DPRCs/BPRCs इत्यादित प्रतोकजन अध्यापक सदस्यक ५जनकै जिपि नियुक्ति दियाव वावेव बाजासमृहक परामर्श दिहेहे पक्षायतसमृहक डिपिडिपि ज्ञायिते संकल्प हिचापे लोरा धिमसमृह लाभव वावे पक्षायतसमृहक यात धविव पवा/मेंटरिं सहाय आगवडाव लागे।

20. परिकल्पना प्रक्रियाव विषयभित्तिक पद्धतिव संहतिव चशमाव ज्ञायिते जिपिडिपि गाइडलाइन संशोधन करवा हैहेप।

21. एल एच डि जिव विषयवस्तुव सैते संगति वाखि कार्याकलापसमृहक उज्ज्वल करि तुलिवले एग्रामसावाज पटेलव बैशिष्ट्यसमृह संशोधन करवा हैहेप।

22. जिपिडिपि प्रस्तुतिव क्षेत्रत विषयवस्तुव संहतिव औपरत गुरुत्व आबोप करि जन परिकल्पना अभियान आबन्त करवा हय।

आगवाचिव परा वास्ता:-

1. देशव विभिन्न प्रान्तत विषयभित्तिक पद्धतिव ज्ञायिते एल एच डि जिव ओपरत बाट्टीय कर्मशालाव आयोजन करवा हव।
2. बाट्टीय कर्मशालाव एल एच डि जिव ओपरत बाजियक कार्या परिकल्पना आक बोडमेप प्रस्तुत करि मुकलि करवा हव।

\*\*\*\*



# પઞ્ચાયતત બિષયભિત્તિક દૃષ્ટિભંગીએ જીવિયતે એલ એછ ડિ જિબ ઓપરટ બાણીય કર્મશાળા

## બિષયવસ્તુ ૬:- સ્વારલંઘી આન્તઃગાંથનિ થકા ગાંઓ ૨૨ આંક ૨૩ આગષ્ટ, ૨૦૨૨, ચણીગડ્ડ, પણાર

આભાસ:-



Village with Self-Sufficient Infrastructure

પઞ્ચાયતીવાજ મસ્સાલયે ગ્રામ અંધકાર પઞ્ચાયત આંક અનાના પ્રાસંગિક અંશીદારસકળક સરળીકરણ જીવિયતે તૃપ્તમાન પર્યાપ્ત બહનક્ષમ



ઉપરાંત લક્ષ્ય (એલ એછ ડિ જિ)ની સ્વારલંઘી બહનક્ષમ ઉપરાંત લક્ષ્યની સ્વારલંઘી બિષયવસ્તુ તૈયાર કરવાની હતી.

- બિષયવસ્તુ ૧- દવિદ્રતા મુજૂ આંક ગાંઠિ જીવિકા વિનિયોગ
  - બિષયવસ્તુ ૨- સાંસ્કૃતિક ગાંઠિ
  - બિષયવસ્તુ ૩- શિક્ષણ વાંચાની અનુકૂલ ગાંઠિ
  - બિષયવસ્તુ ૪- પર્યાપ્ત પાની થકા ગાંઠિ
  - બિષયવસ્તુ ૫- ચાફા આંક સેન્ટેજીયા ગાંઠિ
  - બિષયવસ્તુ ૬- આયુનિર્ભરશીલ આન્તઃગાંથનિ ગાંઠિ
  - બિષયવસ્તુ ૭- સામાજિકભાવે સુવાચિત આંક સામાજિકભાવે નાયાસંગત ગાંઠિ
  - બિષયવસ્તુ ૮- સુશાસ્ત્ર ગાંઠિ
  - બિષયવસ્તુ ૯- માહિલા અનુકૂલ ગાંઠિ
- પઞ્ચાયતીવાજ મસ્સાલયે ચિબિ વિભાગબ પરામર્શદાતા

\* પિયાલિ બય ચૌધુરી

એછડિજિબ સૈંતે મિલ થકા દવિદ્રતા, જનરાય્ય, પૃષ્ઠિ, શિક્ષણ, લિંગ, અનામરા, ખોરાપાની, જીવિકા ઉંપાદન આંક વિભિન્ન ઉપરાંત પ્રત્યાહ્યાનત પઞ્ચાયત ગુરુકૃત્પૂર્ણ ભરમિકા પાલન કરવો સેયેહે પઞ્ચાયતસમૂહક સુશાસનબ વાંચે ૯૮ વિષયભિત્તિક પદ્ધતિ ગ્રહણ કરવી એછડિજિસમૂહની સ્વારલંઘી બિષયભિત્તિક મૂલ ખેલૂએ હિચાપે ચિનાન્ત કરવા હયા.

એસ્ટ આંકનિયિતે પણાર વાંચે ૨૨ આંક ૨૩ આગષ્ટ, ૨૦૨૨બ પરા પણાર વિષયભિત્તિક દૃષ્ટિભંગીએ જીવિયતે પઞ્ચાયતસમૂહત બહનક્ષમ ઉપરાંત લક્ષ્ય (એલ એછ ડિ જિ) સ્વારલંઘી બિષયભિત્તિક ઓપરટ કરવી હૈને / કેન્દ્રીય શાસ્ત્ર અંધકારસમૂહે બાણીય કર્મશાળાત અંશપ્રાર્થ કરવિન્દું। દેશભરી ૧૩૦૦ જન પઞ્ચાયતસમૂહની નિર્વાચિત પ્રતિનિધિયે પદ, ખોરાપાની, અનામરા, સ્ટ્રીટલાઇટ, વિદ્યાલય, સાંસ્કૃતિક કેન્દ્ર, સાધારણ સેરા કેન્દ્ર, સ્વારલંઘી બજાર, અંગનવાડી કેન્દ્ર, પણાર સાહાય્ય કેન્દ્ર આંક સામૃદ્ધિક કેન્દ્રાની હૈને।



કર્મશાળાબ ઉદ્દેશ્ય:-

બાજા / કેન્દ્રીય શાસ્ત્ર અંધકારસમૂહે સામર્થ્ય વિકાશ આંક પ્રશિક્ષણની પ્રસંગત આદર્શ કોશલ, પદ્ધતિ, અભિસરણશીલ કાર્ય આંક ઉત્ત્સારનીમૂલક આંક પ્રદર્શન કરવિન્દું, ઉત્તમ પદ્ધતિ, ગ્રામ પઞ્ચાયત ઉપરાંત પરિકળના (જિપિડિપિ)ત એછડિજિબ વિષયવસ્તુસમૂહની નિરીક્ષણ કાઠામો, પ્રારોચના આંક પ્રતિફળના।

### कर्मशालार फलाफल:-

तुम्हारा पर्यायात् लेल विषयाभिन्निक पद्धतिर जबियते एल एच डि डि ब्रिं प्रक्रियाटोक प्रतिष्ठानिकरण करिवले विभिन्न आईत प्रधायत्समूहर समन्वया शिक्षणर बाबे कर्मशालायने एक मध्य प्रदान करा हलहेतेना तदूपवि इ आन्तःवास्त्रीय संगठन आक छानीय शासनत विनिमयर कार्यसूचीर जबियते तथा/मतर आदान-प्रदानर सुयोग प्रदान करिव

प्रधायत्तीवाजर याननीय बाजिक मस्ती श्रीयुत कपिल मरेश्वर पाटिल डाउवीया, पश्चाव बाजार ग्राम्यान आक प्रधायत्त आक केविनेट मस्ती श्रीयुत कुलदीप सिं धलिराल डाउवीया, मन्त्रालयर सम्पादक, खोरा पानी आक अनामय विभागर सम्पादक, पश्चाव युवा सचिव, विभाय आमुक्त, युटीया सचिव, एम आ दि आव आक अनाना डोष विषयासकले विभिन्न प्रयुक्ति आक डेलिभारीर बाबे उत्कारनीमूलक आई ग्रहण करि विषयाभिन्निक पद्धतिक प्रतिष्ठानिकरणर जबियते प्रधायत्समूहत वहनकालम उपरानर लग्नसमूहर छानीयकरणर प्रक्रियाटोक प्रेबणा दियाव ओप्रत उत्तेयोग्य मतामतेबे कार्यसूचीटोक शोभा बढाय गाओवासीले मोलिक सेवा।



कर्मशालात पश्चाव बाजाई एल एच डि डि ब्रिं क्षेत्रत ग्रहण करा केहटामान पदक्षेप गण्याना बांकिसकले आवस्त करिहें याते प्रक्रियाटोक गति बजाई बायिव परा याय येने एच डि डि एस्ट्रेम; बाजिक ग्राम्य जीविका अभियानर बेबजाईट; प्राइम मोबाइल एप; एच डि डि ब्राचार आक ग्राम सभा पुस्तिका।

पश्चावर विभिन्न ग्राम्य प्रधायत्ते ग्रहण करा कोशल आक पद्धतिर क्षेत्रत तेष्ठलोकर उत्तम पद्धतिसमूह भाग-वत्तवा करिहें विभिन्न अंशीदावर सामर्थ्य विकाश; प्रयुक्ति आक आई ग्रहण आक पुर्ज/आचनिर सेतेआ अभियानर मोपिं।



आक छान्त्यर खलसमूहत सेवाव मानसम्पद प्रदान निश्चित करिवले बाबलधी आन्तःगाँथनि गढ़ि तोलात मानव सम्पद; खोरा पानी; शिक्षा; साधारण सेवा केन्द्र; बास्त-घाट; संयोग; छानीय बजार, बिनोदन केन्द्र; जीरन-यापनर सहजतार बाबे ट्रॉट लाइट आक अनामय बाबहा। बाबलधी आन्तःगाँथनि विभिन्न दिशर ओप्रत भाल पद्धतिसमूह सामवि लोरा चूटि छबिसमूह ग्राम प्रधायत्तर निर्वाचित प्रतिनिधिसकले शेयरव करेव। सप्रद्ध / ग्राम प्रधायत्तर सभापतिये गाँत पर्यायत अभियान आईर प्रतिलिपि कराव उद्देश्याबे आन प्रधायत्त प्रतिनिधिर सेतेभा भाल गोचबर आदान-प्रदानर सुयोग पाले।



ग्राम प्रधायत्तर नाम देखुओरा उत्तम पद्धतिसमूह तलत उत्तेयोग्य करा हैहे---

वर्णन	ग्राम प्रधायत्त
प्रिक्षा	संयोग
छान्त्या	कर्ता कलन, जलस्त्र
खोरा पानी आक	संगठन
अनामय	
ICDS / AWC	एह वि एह नगर

विभिन्न हस्तशिल्पर ओप्रत प्रदशनीर टॉल; कुटिर उद्योग आक ग्राम्य उद्योगसमूह पश्चावर एह आव एल एम छेवक हेव गुरापे (एह एइच डि) छापन करिहिला छानीय उद्योगीकरण दक्षतार प्रसावर बाबे एह एइच डि ब्रिं सदस्यासकले विभिन्न पाम आक अकृषिजात सामग्री प्रदर्शन करेव।

বিভিন্ন রাজ্যের গ্রাম পঞ্চায়তের প্রতিনিধিয়ে উন্নাবনীমূলক আর্থিক আৰ্হি আৰু কৌশল আৰু শীৱলবী আন্তঃগাঁথনিৰ সৈতে সুশাসন শক্তিশালী কৰাৰ বাবে আধুনিক প্ৰযুক্তিৰ প্ৰয়োগৰ ওপৰত গুৰুত্ব আৰোপ কৰি তেওঁলোকৰ কেছ টোড়ি শ্ৰেণীৰ কৰে। জিপিৰ সৰপঞ্চে গ্রাম্য অঞ্চলত গ্ৰাহণভিসমূহ হানীয়কৰণৰ বাবস্থাসমূহৰ ওপৰত আলোকপাত কৰি চুটি ছবি/চিনেয়া প্ৰদৰ্শন কৰিছিল।



পঞ্চায়ত চহকী সংস্কৃতি, পৰম্পৰাগত লোকসকলক চিৰিত কৰিবলৈ সাংস্কৃতিক নিশাৰ আয়োজন কৰা হৈছিল। অনুষ্ঠানটোৱে গীতৰ জৰিয়তে বিভিন্ন ঐতিহ্য আৰু সাংস্কৃতিক সমৃদ্ধিৰ ওপৰত পোহৰ পেলাইছে; নৃত্য আৰু বলিশান।

**আগবঢ়াই লৈ ঘোৱা: -**

- গ্রাম্য অঞ্চলত এল এছ ডি জিৰ প্রতিষ্ঠানিকৰণৰ ক্ষেত্ৰত গ্রাম পঞ্চায়তে গ্ৰহণ কৰা উন্ম পঞ্চাতিসমূহ বিষয়ভিত্তিক দৃষ্টিভঙ্গীৰ জৰিয়তে বিনিয়ন্ত্ৰণ কৰা।
- গ্রাম পঞ্চায়তৰ আগ্রাবিশ্বাস বিকাশৰ জৰিয়তে দৰ্শনতা আৰু জ্ঞানৰ পৰিৱৰ্তন।
- উন্ম পঞ্চাতিসমূহৰ উৰাল / আৰ্কাইভ।
- এল এছ ডি জিৰ চশমাবে গ্রাম পঞ্চায়তৰ সামৰ্থ্য বিকাশ।
- এটা মঞ্চত নিৰ্বাচিত প্রতিনিধিৰ মেলা বা সংগম।

\*\*\*\*



## বহনক্ষম উন্নয়নৰ বাবে বাস্তুসংঘৰ এজেণ্টো ২০৩০ বাস্তৱায়িত কৰা দৰিদ্ৰতামুক্ত গ্ৰাম পঞ্চায়তৰ ওপৰত বাস্তীয় কৰ্মশালা

দৰিদ্ৰতামুক্ত গ্ৰাম পঞ্চায়তৰ ওপৰত বাস্তীয় কৰ্মশালা: অংশীদাৰসকলৰ বাবে এটা ক্ৰষি-লানিং মঞ্চ

\* শুদ্ধসত্ত্ব বাৰীক আৰু প্ৰিয়ংকা দণ্ড



সহায় পৰ্যায়ত সতৰু নিকাম

ছানীয় শাসন বিভাগ (এল.এছ.জি.ডি), আৰু কেৰেলা ছানীয় শাসন প্ৰতিষ্ঠান (কিলা), কেৰেলা চৰকাৰৰ সহযোগত এম আ পি আৰু উদোগত ১৪ তাৰিখৰ ভিতৰত অনুষ্ঠিত ধৰ্ম - ১: দৰিদ্ৰতামুক্ত আৰু বৃক্ষ জীৱিকা গ্ৰাম পঞ্চায়তৰ ওপৰত এখন বাস্তীয় কৰ্মশালা - ১৬ নৱেম্বৰ ২০২২

তাৰিখে কেৰেলাৰ কোচিৰ চিআই.এ.এল-কনভেনচন চেণ্টাৰতা উদ্দেশ্যসমূহে বেছিভাগেই গুৰুত্ব দিছিল:



\* বিষয়বস্তু ১: দৰিদ্ৰতামুক্ত আৰু অংশীদাৰসকলৰ মাজত বৰ্ধিত জীৱিকা গ্ৰাম পঞ্চায়তৰ প্ৰচাৰ আৰু পোষকতা কৰা।

\* তণ্মূল পৰ্যায়ত লেখ বিষয়ভিত্তিক পদ্ধতিৰ জৰিয়তে এল.এছ.জি.ডি.ৰ প্ৰক্ৰিয়াটোক প্ৰতিষ্ঠানিকৰণ কৰিবলৈ বিভিন্ন মডেলত পি আৰ আই সদস্যসকলৰ সমনীয়া শিক্ষণৰ বাবে এক মধ্য প্ৰদান কৰা।

\* ছানীয় শাসন ব্যৱস্থা শক্তিশালী কৰাৰ বাবে বিভিন্ন অংশীদাৰক তথা, ধাৰণা, আৰু কাৰ্য্যৰ আদান-প্ৰদানৰ বাবে উৎসাহিত কৰা।

\* সামৰ্থ্য গঠন প্ৰশিক্ষণৰ প্ৰসংগত গুৰুত্বপূৰ্ণ আৰু আদৰ্শ কৌশল, পদ্ধতি, অভিসৰণশীল কাৰ্য্যসমূহৰ সমৰ্থন, আৰু উভাৰনীমূলক আই প্ৰদৰ্শন কৰা;

- \* ১ জন জ্যোষ্ঠ প্ৰাৰ্থনাদাতা (এল.এছ.জি.ডি.) চি.বি. সংমণ্ডল, পঞ্চায়তী বাজ মন্ত্রালয়
- \* ২ জন প্ৰাৰ্থনাদাতা (এল.এছ.জি.ডি.) চি.বি. সংমণ্ডল, পঞ্চায়তী বাজ মন্ত্রালয়

বিষয়বস্তু-নিৰ্দিষ্ট বিষয় আৰু উদ্বেগসমূহৰ ওপৰত উত্তম পদ্ধতি; জিপিডিপিত এছডিজিৰ বিষয়বস্তুৰ নিৰীক্ষণৰ কপৰেথা, প্ৰৱেচনা আৰু প্ৰতিফলন।

৩ দিনীয়া অনুষ্ঠানটোৰ ভিতৰত প্ৰথম সুন্দৰত পেনেল আলোচনাৰ অধিবেশন থাকে। উদ্বোধনী অধিবেশনকে ধৰি মুঠ সাতটা অধিবেশনৰ ডিজাইন গ্ৰাম্য অঞ্চলৰ দৰিদ্ৰতা নিৰাময়ৰ প্ৰধান দিশসমূহৰ ওপৰত আলোচনা কৰা হৈছিল। প্ৰতিটো পেনেলত সংঘৰ্ষ মন্ত্রালয় আৰু বিভাগৰ নিজ নিজ সচিবৰ অধ্যক্ষতাত পেনেলিষ্ট হিচাপে শ্ৰেষ্ঠ প্ৰদৰ্শনকাৰী জিপি, কাৰ্য্যালয়ৰ আৰু আৰু সহায়ক গোট (এছ. এইচ.জি.)ৰ সদস্য, চৰকাৰী বিষয়া, ডমেইন বিশেষজ্ঞ, এন.জি.আ. বাস্তুসংঘৰ সংস্থা, শৈক্ষিক প্ৰতিষ্ঠান আৰু বাস্তীয় প্ৰতিষ্ঠানৰ ই আৰ আৰ ডিগ্ৰি অনুৰূপ কৰা হয়।



অধিবেশনৰ বিৱৰণসমূহ হ'ল:

- \* উদ্বোধনী অধিবেশন
- \* প্ৰান্তীয়কৰণ - অনুৰূপ আৰু বহুমাত্ৰিক দৰিদ্ৰতাক সমৰ্থন কৰা।
- \* আয় বৃক্ষ আৰু সম্প্ৰদাৱ উন্নয়নৰ বাবে এছ. এইচ.জি.ৰ সম্ভাৱনা উপলক্ষ্য কৰা।
- \* জীৱিকা - আয়ৰ দৰিদ্ৰতা দৰ কৰাত পঞ্চায়তৰ ভূমিকা।
- \* পঞ্চায়তৰ জৰিয়তে সামাজিক, অধনৈতিক আৰু পৰিৱেশ সুৰক্ষাৰ বাবে সুৰক্ষা জাল।
- \* কেৰেলা বাজ্যৰ পৰা দৰিদ্ৰতামুক্ত আৰু বৰ্ধিত জীৱিকাৰ জিপিসকলৰ ওপৰত উত্তম পদ্ধতি।
- \* আগবঢ়াৰ পথ





प्रबन्ध अभिज्ञतावाल परा शिक्षि लक्ष्य करा हैं ये कम समयवर्ती भित्तिवाले अधिक दर्शकवाल मार्जित तथा प्रचारवाले एवं कर्मशालाएँ आरोग्यन कराते अधिक प्रावस्पदिक, फलप्रसु आक आकर्षणीय योगायोग संज्ञिलव प्रयोग्यन। याव वावे, एटा साहारण पारावपेट्टन्ट उपस्थापनव परिवर्ते, प्रतिज्ञन अंशीदावर परा क्रारेटेलव प्रयोग्यनीयता पूर्ण करा विषयवस्तुव निर्दिष्ट विषयसमूहव औरत २-३ मिनिटव भित्तिव तथाचित्त उपस्थापनव बारहाव करा हैं। इयाव प्रियत अंशीदावर आक पेनेलिस्ट्सकलव मार्जित प्रश्नोत्तरव अधिवेशन अनुष्ठित हय यिये त्रह-कलाचालेल शिक्षण परिवेशव शृंखलक उद्दीपित करो। इयाव फलत पि आव आइव अंशीदावसकलव मार्जित नेतृत्वव अमृता बृद्धि पाय आक तेत्तलोकक तेत्तलोकव प्रत्यक्ष अभिज्ञता भाग-वत्तवा करिवले प्रेरणा योगाय।

बाट्टीय कर्मशालाव तृतीय दिनटो अंशग्रहणकावीसकलव क्षेत्र/एजेंपोजाव भ्रमणव वावे निर्धारण करा हैं। राज्य/केन्द्रीय शासित अक्षलव परा इ आव, इ डिस्ट्रिक्ट आवव कार्याक्रमी, आक पि आव आइ विषया आक एह एह एह जिव सदस्यसकलव परा ४२ ज्ञान सर्वेक्षण प्रदर्शनकावी जि पिले समज देशव दरिद्रता मुक्त आक वर्धित जीविका धिमव अधिनत करोलाव डिलासमूह।

बाट्टीय कर्मशालाव दूदिनत आन बाजाव गोटव लगते करेला बाजात कुदुम्हश्री पदक्षेपव अधिनत एह एह एह जि गोटसमूहे मुठ ५०टा प्रदर्शनी टूल छापन करो। टूलसमूहत केंचामाल, खाद्य सामग्री, घरवा सज्जा, माला, कापोव, गहना, पर्यटन, शिल्पकर्म इत्यादिके धरि एह एह एह जिसमूहे उ६पादित सामग्रीसमूह प्रदर्शन करा हय।



### लक्ष्यस्थानीय अंशीदावसकल:

कर्मशालाव उद्देश्य हैं तग्यमूल पर्यायत शेष माइलेके एल एह डि जिव विषयभित्तिक पद्धतिव तथा आक ज्ञान प्रचारव करो। सेयेहे कर्मशालाव प्राथमिक अंशीदावसकले इ आव, जि पि सम्पादक आक एह एह एह जिव सदस्यसकलक। माधामिक अंशीदावसकल हल चरकावी विषया, उमेइन विशेषज्ञ, एन जि आ आइ एन जि आ शैक्षिक प्रतिष्ठान, आक विभीय प्रतिष्ठान। तृतीय पर्यायव अंशीदाव हैं बाट्टीय आक आकर्षिक संवाद माधाम। गतिके, पि आव आइव जरियते गामा उमेइन वावे 'गोटेह परिवेशविज्ञान' पद्धति लाभ करिव परा गलाहेतेन

**पर्यवेक्षण:** समसासमूह चिनाक्तकरण आक समाधान करा एह कर्मशालावने देशज्ञव विभिन्न जिपि आक प्रबन्धवागत आनीय संस्थासमूहे (ट्रिएलव) निज निज अक्षलत बहुमात्रिक दरिद्रता निर्मूल कराव क्षेत्रत ग्रहण करा उत्तम पद्धतिसमूहव भाग-वत्तवा कराव वावे एक मुक्त इचापे काम करिहिल। इयाव उपरिओ करेलाव जिपिसकले ग्रहण करा पदक्षेपव विषये जानिवले आक प्रतिलिपि करिवले क्षेत्र भ्रमणव जरियते निर्वाचित प्रतिनिधिसकलव सामर्थ्य बृद्धि करिलो। सेयेहे कर्मशालाव परा मूल पर्यवेक्षणसमूह हल-

### प्रान्तीयकरणक संस्थानव करा:

- \* प्रान्तीय सम्प्रदायव वावे सूलभ मूलाव गृह निर्माणव वावे आनीयभावे उपलक्ष कम धर्वती सामग्री बारहाव करा।
- \* दूर्वल गोटव आना अनलाइन प्रेटफर्मव जरियते विभिन्न सेवाव सुविधा निश्चित करा डिजिटेल साक्षरता।
- \* कलापमूलक कार्यसूचीत सहाय कराव वावे प्रजन्मव आ एह आव मौलिक वास्त्यसेवा आक शिक्षाव सुविधा।

### प्रान्तीयकरणक संस्थानव करा:

- \* प्रान्तीय आक दूर्वल सम्प्रदायव वावे विशेषके बृद्ध जनसंख्याव वावे प्रश्नमनमूलक वक्तव्यव वावस्था करा।
- \* गर्भनवती महिला आक दूर्घापान करा मातृव वास्त्यसेवाव वावे जीवनचर्चरव पद्धति ग्रहण करा।
- \* वास्त्य सुविधा आक प्राथमिक शिक्षाव सुविधा आक इयाव नियमीया निर्वाचन निश्चित करि बहुमात्रिक दरिद्रता दूर कराव क्षेत्रत एक अभिसरण आचनिर्मूलक पद्धति ग्रहण करा।

### नियोग सुष्टि आक आय बृद्धि:

- \* सौवशक्ति उ६पादनव जरियते आय बृद्धि करा।
- \* आन्तःगांधीनिगत सुविधा, आक कुषि आक अकुषि उ६पादनशीलता आक विपणन उप्रति कराव वावे यन्त्रपाति निर्माण करि कुषकव आय बृद्धि करा।
- \* हजारिल आक हजारतांत आक जीविकाव प्रसावव वावे प्रबन्धवागत शिल्पीव सैतेएह एह एह जिसमूहव जडितता। एह एह जिव सदस्यसकले खाद्य प्रक्रियाकरण, संरक्षण, आक सामग्रीव विपणन।

### आर्थ-सामाजिक आक परिवेश सुरक्षा:

- \* सजागता बृद्धि, हिताधिकावी चिनाक्तकरण आक बाट्टीय सामाजिक साहाय्य कार्यसूची (एन एह ए पि) आचनिसमूहव कपायणव पर्यवेक्षण।
- \* बहनश्यम जीविकाव सुष्टि करा, वहिःप्रब्रजन प्रतिरोध करा, दूर्वल सम्प्रदायव अर्थनेतिक सुरक्षा आक एमाजिएनआवईजिएह जरियते परिवेश सुरक्षा।
- \* दूर्घाप वावस्थापना परिकल्पना प्रकृत करात सक्रिय लोकव अंशग्रहण आक इयाव जिपिडिपित संयुक्त करा।
- \* गांध दरिद्रता छास परिकल्पना (भिपिआवापि) प्रकृत करा आक जिपिडिपित विपणव सैतेइयाव एकत्रीकरण।
- \* आइ आइ टि आक नावार्डव एकाडेमिक आक विभीय प्रतिष्ठानव सैतेएह पि आव आइव संयोग काविकर्वी आक काविकर्वी सहाय आक आय उ६पादनव संसाधा उ६ससमूह टेप कराव वावे आर्थिक सहायव वावे।
- \* मृत्युमृत्युत परा परिवेश तस्त्रसमूहक बहनश्यम जीविकाव सुयोगले संशोधन कराव क्षेत्रत एन जि आ, नागरिक आक चरकावव अभिसरण।



### उद्देश्यप्रणोदित फलाफल:

कर्मशालाव मूल उद्देश्य आधिकारिक बाट्टुसंघव कार्यपाली २०३० लाभ करिवाले शेष माइलोंले के विषयवक्षुसमूहव उपरबत अधिक सजागता आव प्रचार निश्चित कराहियाव भिन्नित कर्मशालाखनव उद्देश्यप्रणोदित फलाफल आशा कर्वा हेछे।



- विषयभित्तिक जिपिडिपि प्रकृत कराव वावे इ आव विशेषकै इ डिब्बिउ आव आक एछ एहिं जिब सदसासकलव माजत सिद्धान्त ग्रहण अमताव जावियाते नेतृत्व बृक्षि।
- स्थानीय अकलव उम्यायनव वावे परिवर्तन-निर्माताव एटा पूल सृष्टि कर्वा।
- आठनिम्नलक अभिसरण प्रकृत आव सम्प्रदायव जाडितताव जावियाते आएहाव सृष्टि, नियोग सृष्टि आव उद्योगीकरण विकाशव वावे पितावआई- एछ-एहिंजि अभिसरण।
- एल एहिं डिजिव लग जनप्रिय कराव जावियाते विषयभित्तिक दृष्टिकोशीव ओपरबत जनसाधारणव सजागता सृष्टि।  
प्रधायतीराज मन्त्रालयव इ-ग्रामस्वाज आव अडिट अनलाईने इ-गभर्नेन्सव वावे बाट्टीय बीटाव अधीनत सोगाली बीटा लाभ कर्वे

प्रधायतीराज मन्त्रालयव इ-प्रकायत मिछन मोड प्रजेक्ट (eGramSwaraj आव AuditOnline)-ए बाट्टीय बीटाव डिजिटेल ट्रेनिंगमेचनव वावे चरकावी प्रक्रिया पुनर अभियान्निकीकरणत उंडकृष्टा शाखाव अधीनत सोगाली बीटा लाभ करिवाले सक्षम हेछे।  
टिम इगभर्नेन्से कर्वा आव टिम एनआइटी-एमआपिआव व सहायत कर्वा उंडकृष्ट आव आदर्शगत कामव बीकाति एहि बीटा।  
२०२२ चनव २६ नवेम्बरत जन्मृत अनुष्ठित इ-गभर्नेन्स सम्पर्कीय २५ संख्याक बाट्टीय सम्मिलनव समयात केन्द्रीय मन्त्रालयव मन्त्री डॉ जितेन्द्र सिंहें एम आ पि आव युटीया सम्पादक श्री आलोक प्रेम नगरक एहि सन्मानीय बाट्टीय बीटा प्रदान कर्वे।  
विभिन्न अश्वीदाव, विशेषकै इ-प्रकायतव आवेदन अति शक्तिप्रतावे ग्रहण कर्वा प्रधायतीराज प्रतिष्ठानसमूहव प्रधायती बाज बाबतक शक्तिशाली कर्वे इ-प्रकायत मिछन मोड प्रकर्तुक सकल कर्वे तोलात सहाय करिवे आव इयाक फलप्रसू व्यक्त आव कार्यक्रम कर्वे तुलिहे।

\*\*\*\*



# ପଞ୍ଚାୟତୀରାଜ ମନ୍ତ୍ରାଲୟର ଇଗ୍ରାମ ସ୍ବରାଜ ଆର୍କ ଅଡ଼ିଟ ଆନଲାଇନେ ଇ-ଗଭର୍ନେସ୍ବ ବାବେ ବାଣ୍ଟ୍ରୀୟ ବୁଟାର ଅଧୀନିତ ସ୍ଵର୍ଣ୍ଣ ଲାଭ କରେ



ପଞ୍ଚାୟତୀରାଜ ମନ୍ତ୍ରାଲୟର ଇ-ପଞ୍ଚାୟତ ମିଛନ ମୋଡ ପ୍ରଜେକ୍ଟ (eGramSwaroj ଆକ AuditOnline)ର ବାଣ୍ଟ୍ରୀୟ ବୁଟାର ଏଡ଼ିଜିଟେଲ ଟ୍ରେସଫର୍ମେଂଚନର ବାବେ ଚରକାରୀ ପ୍ରକିଯା ପୁନର ଆଭିଯାନିକାରିକରଣ ଉଦ୍ଦ୍ଦେଶ୍ୟରେ ଉଦ୍‌ବୃତ୍ତି ଶିତାନ୍ତ ସୋପାଳୀ ବୁଟା ଲାଭ କରିବିଲେ ସମ୍ଭାବ୍ୟ ହେବେ।

ଟିମ ଇ-ଗଭର୍ନେସ୍ବ କବା ଆକ ଟିମ ଏନ ଆଇ ଟି-ଏମ ଆ ପି ଆବର ସହାୟକ କବା ଉଦ୍ଦୃତ ଆକ ଆଦର୍ଶଗ୍ରହ କାମର ସୀକ୍ରିଟି ସକଳେ ଏହ ବୁଟା ପ୍ରଦାନ କବା ହେବେ।

୨୦୨୨ ଚନ୍ଦ୍ର ଷ୍ଟେଟ୍ ନବେଦ୍ୟବନ୍ତ ଜୟନ୍ତ ଅନୁଷ୍ଠାନିକ ଇ-ଗଭର୍ନେସ୍ବ ସମ୍ପକ୍ତୀୟ ୨୫ ସଂଖ୍ୟକ ବାଣ୍ଟ୍ରୀୟ ସାମ୍ବଲନର ସମୟରେ କେନ୍ଦ୍ରୀୟ ରାଜ୍ୟକ ମହୀ ଡା ଜିତେନ୍ଦ୍ର ସିଙ୍ଗେ ଏମ ପି ଆବର ସୀକ୍ରିଟା ସମ୍ପାଦକ ଶ୍ରୀ ଆଲୋକ ପ୍ରେମ ନଗବକ ଏଇ ସନ୍ମାନିୟ ବାଣ୍ଟ୍ରୀୟ ବୁଟା ପ୍ରଦାନ କରେ। ଇ-ପଞ୍ଚାୟତ ଆବେଦନ ଅତି ମୁତ୍ତଗତିତ ପ୍ରହଳ କବା ବିଭିନ୍ନ ଅଂଶୀଦାର, ବିଶେଷକେ ପଞ୍ଚାୟତୀରାଜ ପ୍ରତିଷ୍ଠାନସମୂହେ ପଞ୍ଚାୟତୀରାଜ ବାରହାକ ଶାକ୍ତଶାଳୀ ଆକ ଫଳପ୍ରସ୍ତୁ ଥାଇ ଆକ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ କବି ଇ-ପଞ୍ଚାୟତ ମିଛନ ମୋଡ ପ୍ରକର୍ତ୍ତକ ସଫଳ କବି ତୋଳାତ ସହାୟ କରିଛେ।



\*\*\*\*

# डा: पि.पि. महात्मा गान्धी आन्तःबाण्ड्रीय बँटारे सम्मानित वालानक

\* पंक्षायती बाज मन्त्रालय



दक्षिण आफ्रिकार डाबवानव फिनिज्ज टाउनशिप ड० पि.पि वालानक महात्मा गान्धी आन्तःबाण्ड्रीय शान्ति आक मिलनव बँटा (२०२०) प्रदान करि दक्षिण आफ्रिकार डाबवानव गान्धी डेभलपमेन्ट ट्रास्टव अध्यक्ष इला गान्धीयो।

आक नायबर प्रसारव केन्द्रात तेंतुर असाधारण कामव व्हीकृति व्हकपे थानीय पर्यायात चरकावी सेवासमूह सतता आक अध्यरसायबर सैते प्रदान करात गठनमूलक भुमिका प्रालन करिबले आक सकलो प्राणीय गोट्र अन्तःभृत्य निश्चित काबिबले सक्षम कर्वे।

इयाव पर्वे एह बँटा बाण्ड्रीय नेता येने मेलाहन मेण्डेला, मालाई लामा, केनेथ कोंग्रा आदिक प्रदान करा हैचिल यदिओ एहिवाव आयोजकसकले एह धावगावे प्रकायतव सैते काम करा एजन व्हाण्डिक वाचनी करिहिल ये प्रकृत शान्ति थानीय जनगोष्ठीव प्रवाह आवस्त हय। उम्यानमूलक काम-काजव जरियाते सम्प्रदायव पर्यायात ग्रहण करा प्रदक्षेपे शान्तिपूर्ण सह-अन्तःद्वाव वावे भल फलाफल कठियाइ आनिव पावे तुलि सामितियने मूलायन कर्वे। एह फेन्ड्रात ड० वालानव अवदान एह बँटाव वावे गणना करा हैचिल। ड० वालाने ११ वाहव धावि किलाव सधालक हिचापे कायनिर्वाह कराव लगते ५ वाहव सम्पूर्ण कार्यकाल चपरापप्रदान्तु आम प्रकायतव सभापति हिचापेओ कायनिर्वाह करिहिल (१९९५-२०००)। प्रकायतव सभापति हिचापे तेंतु प्रकायतव उत्तारनीमूलक कार्यसूचीव प्रवर्तन करिहिल - माहित्र हाइडेल प्रकर, युठ गृह निघाल आठान, पानी संवरकण कार्यसूची आक मामलामूळु प्रकायतव इयाव भितकत केहिटामान। जनसाधारणव अंशग्रहणवे प्रकायतवनत केहिवाटाओ कार्यसूची ग्रहण करा हय। मानुहव दलं, मानुहव वाह टार्मिनेल, छात्रव खेलपथाव किछुमान।

## (A) मानुहव दलं:-

• मूकलि करि दियो। एह दलं अन आकर्षणव केन्द्रविन्दु है प्रिला इयाक लिपलह केम्पेहिन फर IX प्रिकरनाव उंपादन हिचापे उत्तराव करि तोला हैचिल, केवालात। मानुहव अंशग्रहणव सर्वेत्तम उदाहरण है प्रिला। दूर-दूरणिव परा मानुहे दलं-थन प्रिलेशनव करि इयाव प्रयुक्ति आक सम्प्रदायव जाडितता ज्ञानिव पावे। विदेशी देशव परा अहा दर्शनार्थीसकलेव इयाक देवि आपूर्त हैचिल। आमेविकाव परा अहा 'जेड आलोचनीयने 'power to the Malayalee People' शीर्षक केपचनव अधीनत दलं-थनव कलाव टृवी प्रकाश करिहिल। जनसाधारणव दलांते किछु ग्रुकर्तपूर्ण वार्ता प्रेषण करिछे:

- यदि आहे जनगोष्ठीव अंशग्रहण थवच वहु प्रियाप्ने कम करिव पावी।
- दलं-थनेव हैचे कोनो थवच नोयेवा कायकलापव सर्वेत्तम उदाहरण।
- काम सम्पूर्ण करात निर्खितता।
- सम्प्रदाव सर्वाधिक वारहाव।
- वाहिडव मालिकीवत्ता।
- थानीय प्रयुक्ति आक ज्ञानव वारहाव।
- आम सभाव आटा दावी एमाहव कम समयव भितवते वात्तरायित हल।



### (ବ) ମାମଲା ମୁକ୍ତ ପଞ୍ଚାୟତ :-

ପଞ୍ଚାୟତର କୋନୋ ନାୟିକ କ୍ଷମତା ନାଥାକିଲେଓ ବିବାଦ ନିଷ୍ପତ୍ତିର ବାବେ ଏଥିନ ସମାଜିତ ଗଠନ କବା ହେଉଳ ସତ ଉଚ୍ଚ ନ୍ୟାୟାଲୟର ସେତେଓ ବିଚାରାଧିନ ବରୁ ଗୋଚର ପୁନର ଆନି ମିଳନର ଡାରିଯତେ ଶୋହର୍ଦ୍ୟପୂର୍ଣ୍ଣଭାବେ ନିଷ୍ପତ୍ତି କବା ହେଉଳା। ପଞ୍ଚାୟତଥିଲେ ପରିବେଶ ସୁରକ୍ଷାର ଓପରତ ଏକତ୍ର ଆବୋପ କବିହିଲ ଆକ ଚାପବାପାତ୍ତେଡୁ ଜୈର ବୈଚିଆର ପଞ୍ଜୀ ପ୍ରତ୍ତତ କବା ପ୍ରଥମଥିନ ପଞ୍ଚାୟତ ହିଚାପେ ପରିଗମିତ ହେଉଳା।

### (ଚ) ମାଇକ୍ରୋ ହାଇଡେଲ ପ୍ରକର୍ଷ :-

ପଞ୍ଚାୟତଥିଲେ ମାଇକ୍ରୋ ହାଇଡେଲ ପ୍ରକର୍ଷ ପ୍ରତିଷ୍ଠା କବି ବିଦ୍ୟୁତ ଉତ୍ସାଦନ କବି ୨୫ଟା ପରିଯାଳକ ବିଦ୍ୟୁତ ସୋଗାନ ଧରେ। ଏହିଟୋ ଆହିଲ ବର୍ତ୍ତମାନର ଆଇନଥିନର ବିବରଣ୍ଣେ। କିନ୍ତୁ ଏଥିନ ପଞ୍ଚାୟତରେ ଯିଦିବେ କବିହିଲ ତେବେଦରେ ଇଯାକ ମାନୁହର ପରିଯୋଜନା ହୋଇବାର ବାବେ ଇଯାକ ଅନୁମୋଦନ ଦିଯାଇଟେ ଚବକାରର କର୍ତ୍ତବ୍ୟ ହେ ପରିଲା। ପିଛତ ଚବକାରେ ପଞ୍ଚାୟତସମ୍ମହର ସମ୍ପଦେ ଆଇନଥିନ ସଂଶୋଧନ କବି ଚର୍ଚତେ ବିଦ୍ୟୁତ ଉତ୍ସାଦନ କବିବିଲେ ଅନୁମତି ଦିଯେ। ଏହି ଅନୁଷ୍ଠାନେ ଦେଖିବାଇଛେ ଯେ ପଞ୍ଚାୟତସମ୍ମହର ହାନୀଯ ଚବକାର ହିଚାପେ ତେଣୁଲୋକେ କବିବ ବିଚରା ଯିକୋନେ ଉତ୍ସାଦନମୂଳକ କାହାତ ହାତ ଦିବ ପାରେ କେବଳା ଚବକାରେ ୧୯୯୭ ଚନତ ପଞ୍ଚାୟତଥିନକ ବିଭିନ୍ନ କ୍ଷେତ୍ରରେ କବା ସାଫଲ୍ୟାର ଦୀର୍ଘତି ଥିବାପେ ବସାଜ ଟୁଫି ପ୍ରଦାନ କରେ।

ଡାଃ ବାଲାନେ କେବଳା ଇନଟିଟିଉଟ ଅବ ହାନୀଯ ପ୍ରଶାସନର ସମ୍ବଲକ ହିଚାପେ କାର୍ଯ୍ୟବୀହ କବିହିଲ (୨୦୦୨-୨୦୦୭ ଆକ ୨୦୧୧-୨୦୧୭)। ଏହି ସମୟହୋରାତ ବୃଦ୍ଧ ପରିଶର୍କଣ କାର୍ଯ୍ୟସ୍ଥିତି - ଗ୍ରାମ ସଭାର ସଦସ୍ୟର ପରା ଆବଶ୍ୟକ କବି ସାଂସଦ ଆକ ବିଧ୍ୟାକ ପର୍ଯ୍ୟାଳେକେ ଆଯୋଜନ କବା ହେଉଳା। ପଞ୍ଚାୟତିବାଜ ସନ୍ଦର୍ଭତ ବାହିନୀତିକ ଦଲର ନେତାଙ୍କ କାନ୍ତକ କାନ୍ତ ମିଳାଇ ବହି ହାନୀଯ ଉତ୍ସାଦନର ଓପରତ ଆଲୋଚନା କବାଟୋ ଏଠା ବିବଳ ଦୁଶ୍ୟା ବାର୍ତ୍ତାଟୋ ଶ୍ରେଷ୍ଠ ପଞ୍ଚାୟତିବାଜର ସମ୍ମାନ ବର୍ଣ୍ଣିତ କାକେ ବାଦ ଦିବ ନୋରାବି। କିଲାଇ ବିକେନ୍ଦ୍ରିକବଗର ଓପରତ ବାହିନୀ ଆକ ଆନ୍ତଃବାହିନୀ ପାଠ୍ୟକ୍ରମର ଆବଶ୍ୟକ କବେ ସତ ଦକ୍ଷିଣ ଆକ ପୂର ଏହିଯା ଆକ ଆନ୍ତଃକାନ୍ତ ଦେଶର ନିର୍ବାଚିତ ପ୍ରତିନିଧି ଆକ ବିଷୟାସକଲେ ଅଂଶଗ୍ରହଣ କରେ।

ଯିହେତୁ ସଂବାଦ ଯାଧ୍ୟରେ ବିକେନ୍ଦ୍ରିକବଗର ସମ୍ପଦେ ସକ୍ରିୟ ସମ୍ବନ୍ଧି ଦିବ ଲାଗିବ ସେଯେହେ ତେଣୁଲୋକକେ ସଂବେଦନଶୀଳ କବା ହେଉଳା। ବାଜାସମ୍ମହର ଉଚ୍ଚତର ମାଧ୍ୟମିକ ବିଦ୍ୟାଲୟର ଛାତ୍ର-ଛାତ୍ରୀସକଳକ ପଞ୍ଚାୟତ ନିର୍ବାଚନର ବାବେ ଭୋଟଦାନର ବୟସ ହୋଇବ ବାବେ ପଞ୍ଚାୟତିବାଜକ ଲୈ ଅବିଯୋଗେଟିଚନ ଦିଯା ହୟ। ୨ ମାହର କମ ସମୟର ଭିତରରେ ପ୍ରାୟ ୩୪,୦୦,୦୦୦ ଗ୍ରାମ ସଭାର ସଦସ୍ୟର ସଂବେଦନଶୀଳ କବି ତୋଳା ହେଉଳା। ଢାଟିଫିକେଟ୍ ପାଠ୍ୟକ୍ରମର କାର୍ଯ୍ୟସ୍ଥିତି ଆଯୋଜନ କବା, ନିର୍ବାଚିତ ପ୍ରତିନିଧିବିସକଳକ ମାଟ୍ଟିର ପରିଶର୍କଣ ହିଚାପେ ଗଢି ତୋଳାଟୋ ଆନ ଏକ ପଦକ୍ଷେପ। ସାମର୍ଥ୍ୟ ବିକାଶଟୋ ଆହିଲ ସକଳୋକେ ସାମର୍ଥ୍ୟ ଲୋଗା ଆକ କାକେ ଏବି ହୋଇ ନାହିଁଲା। ଡାଃ ବାଲାନେ ନେପାଳ ଆକ ଶୀଳଙ୍କା ଚବକାରର ଉପଦେଶ୍ତୀ ହିଚାପେ କାର୍ଯ୍ୟବୀହ କବିହିଲା। ଭାବତର ପଞ୍ଚାୟତସମ୍ମହର ପ୍ରତ୍ତତ କବା ପରିବକ୍ରମ କବିବିଲା ପରିବକ୍ରମର ବାବେ ଏହିତେ ଆନ୍ତଃବାହିନୀ ଆନ୍ତଃକାନ୍ତ ଦେଶର ପ୍ରଦେଶୀୟ ସଭାସମ୍ମହର ଜିପିଡିପି ପ୍ରତ୍ତତ କବିହିଲା।

ଉପରୋକ୍ତ ସକଳୋ ଦିଶ ବିବେଚନା କବି ବିଟା ବିଚାରକ ସମିତିଯେ ଏକମତତ ଉପନୀତ ହୟ ସେ ୨୦୨୦ ବର୍ଷର ଗାନ୍ଧୀ ଶାନ୍ତି ବିଟା ହାନୀଯ ପଞ୍ଚାୟତ କାମ କବା ବାହିନୀର ହାତଲେ ଥାବ ଲାଗେ ତେଣୁଲୋକେ ଏଥିନ ଅନୁସନ୍ଧାନ ସମାଜିତ ଗଠନ କବେ ଆକ ସମିତିଥିଲେ ୬ ମାହର ଅନୁସନ୍ଧାନ ଆକ ମଲାଯାନର ଅନ୍ତତ ସର୍ବସମ୍ମତିକ୍ରମେ ବାହିନୀକ ଅର୍ଥାତ୍ ବର୍ତ୍ତମାନ ନେତୁନ ଦିଲ୍ଲୀର ପଞ୍ଚାୟତିବାଜ ମହାଲୟାତ ଜ୍ୟୋତି ପରାମର୍ଶଦାତା ହିଚାପେ କର୍ମଚାର ଡାଃ ପି ପି ବାଲାନ୍କ ବିଚାରି ପାଯା ପଞ୍ଚାୟତିବାଜ ମହାଲୟାତ ସମ୍ପାଦକ ଶୀଘ୍ର ସୁନୀଲ କୁମାର ଏ ମହାଲୟାତ ଅନ୍ୟାନ୍ୟ ଜ୍ୟୋତି ପରାମର୍ଶକଲେ ଡାଃ ବାଲାନ୍କ ଭାବତର ପଞ୍ଚାୟତିବାଜ ମହାଲୟାତ ସମ୍ପାଦକ ଶୀଘ୍ର ସୁନୀଲ କୁମାର ଅନ୍ୟାନ୍ୟ ବାହିନୀର ପରାମର୍ଶକଲେ ଏହି ବିଟା କେବଳ ଏହି ବିଟା କେବଳ ଏଜନ ବାହିନୀର ବାବେଇ ନହୁଁ, ପଞ୍ଚାୟତିବାଜ ମହାଲୟାତ ବାବେଇ ଦିଯା ବିଟା।

### ପଞ୍ଚାୟତିବାଜ ମହାଲୟାତ ସମ୍ବର୍ଧନ

ପଞ୍ଚାୟତିବାଜ ମହାଲୟାତେ ୨୦୨୨ ଚନବ ୨୧ ଆନ୍ତାବରତ ଡାଃ ପି ପି ବାଲାନ୍କ ସମ୍ବର୍ଧନ ଜନୋରାବ ବାବେ ଏକ ଅଭିନନ୍ଦନ ଅନୁଷ୍ଠାନର ଆୟୋଜନ କବେ, ଶାନ୍ତି ଆକ ମିଳନର ବାବେ ମହାନ୍ତା ଗାନ୍ଧୀ ଆନ୍ତଃବାହିନୀ ବିଟା। ପଞ୍ଚାୟତିବାଜ ମହାଲୟାତ ସମ୍ପାଦକ ଶୀଘ୍ର ସୁନୀଲ କୁମାର & ମହାଲୟାତ ଅନ୍ୟାନ୍ୟ ଜ୍ୟୋତି ପରାମର୍ଶକଲେ ଡାଃ ବାଲାନ୍କ ଭାବତର ପଞ୍ଚାୟତିବାଜ ବାହିନୀର ଶକ୍ତିଶାଳୀ କବାର ଦିଶତ ଆକ ତାବ ଦ୍ୱାବା ସମାଜର ମାଜତ ଶାନ୍ତି ଆକ ସମ୍ପ୍ରାଦାତିର କାର୍ଯ୍ୟକ ପ୍ରସାରିତ କବାର ଦିଶତ ଆଗବରୋଦା ଅବଦାନର ଦୀର୍ଘତ ହକାପେ ଏହି ବିଟା ପ୍ରଦାନ କବାର ବାବେ ଅଭିନନ୍ଦନ ଜାପନ କବେ।

ଶେଷର ଆବରଣ ଭିତରରତ

MoS, ପଞ୍ଚାୟତ ବାଜ ଶ୍ରୀ ପାଟିଲେ ପରକର ଚାଲିତ ବ୍ରକ ପଞ୍ଚାୟତ ଉତ୍ସାଦନ ପରିକର୍ମକାରୀଙ୍କ ଆକ ଡିଲା ପଞ୍ଚାୟତ ଉତ୍ସାଦନ ପରିକର୍ମକ ଓପରତ ବ୍ରକ ପରିକର୍ମକ ଭାବତର ପଞ୍ଚାୟତିବାଜ ମହାଲୟାତ ଉଦ୍ୟୋଗତ ୨୦୨୩ ଚନବ ୫-୬ ଜାନୁରାବି ଭିତରର ନେତୁନ ଦିଲ୍ଲୀତ ପରକର ଚାଲିତ ବ୍ରକ ପଞ୍ଚାୟତ ଉତ୍ସାଦନ ପରିକର୍ମକାରୀ ଡି ପି ଡି ପି ଆକ ଡିଲା ପଞ୍ଚାୟତ ଉତ୍ସାଦନ ପରିକର୍ମକାରୀ ଡି ପି ଡି ପି ବ୍ରକ ପରକର ଦୁଦିନୀଯା ବାହିନୀ କରିଶାଳାର ଆୟୋଜନ କବା ହୟ।

ପଞ୍ଚାୟତିବାଜ ମହାଲୟାତ ସମ୍ପାଦକ ଶୀଘ୍ର ସୁନୀଲ କୁମାର, ଏମ ଡାଃ ପି ଆବର ପ୍ରାନ୍ତନ ସମ୍ପାଦକ ଡାଃ ଏହ ଏମ ବିଜ୍ଞାନନ୍ଦ, ପ୍ରାନ୍ତନ ବିଶେଷ ସମ୍ପାଦକ ଡାଃ ବାଲା ପ୍ରସାଦର ଉପର୍ଦ୍ଵିତି ପଞ୍ଚାୟତିବାଜ ମହାଲୟାତ କେନ୍ଦ୍ରୀୟ ବାଜିକ ମହି ଶୀଘ୍ର କାର୍ପିଲ ମରେଶ୍ଵର ପାଟିଲେ କରିଶାଳାଥିନ ଉଦ୍ୟୋଧନ କବେ, MoPR ଆକ ପଞ୍ଚାୟତ ବାଜ ମହାଲୟାତ ଯୁଟିଯା ସମ୍ପାଦକ ଶ୍ରୀ ଆଲୋକ ପ୍ରେମ ନଗରା ଦେଶର ବିଭିନ୍ନ ପ୍ରାନ୍ତର ପରିଶର୍କଣ ଆକ ପରିଶର୍କଣ ନିର୍ବାଚିତ ପ୍ରତିନିଧି ଆକ କାର୍ଯ୍ୟକବୀ ଆକ ବିଭିନ୍ନ ଲାଇନ ମହାଲୟା/ ବିଭାଗ ଆକ ବିଭିନ୍ନ ସଂଗ୍ରହ/ ପ୍ରତିନିଧାନ ଯେଣେ ନାବାର୍ଡ, ଇବମା, ଇଡ଼ନିଚେଫ୍ ଆଦିର ପ୍ରତିନିଧିକେ ଥିବ ୬୫୦ ଜନତକେ ଅଧିକ ପ୍ରତିନିଧିୟେ ଦୁଦିନୀଯା କରିଶାଳାତ ଅଂଶଗ୍ରହଣ କବେ।

ଶ୍ରୀ କାର୍ପିଲ ମରେଶ୍ଵର ପାଟିଲେ ଦୁଦିନୀଯା ବାହିନୀ କରିଶାଳାତ ଭାବଣ ଦି ଅଂଶଗ୍ରହଣକାରୀଙ୍କଲକ ଶ୍ରେଷ୍ଠର ଜାପନ କବି କମ ଯେ ବାହିନୀ କରିଶାଳାବ ଆୟୋଜନ କବା ହୈଛେ ଉପଯୁକ୍ତ ସମୟର ନରବର୍ଷ ଆବଧିନିତେଇ - ଗ୍ରାମ ଅନ୍ଧଲାବ ସର୍ବାଂଶୀମ ଉତ୍ସାଦନର ବାବେ ପରିକର୍ମକାରୀ ପରିକର୍ମକାରୀ ଆବଶ୍ୟକ କାମ କବି ଜାତି ଗ୍ରହଣ ଆକ ଉପରୋକ୍ତ କାମ କବି ଜାତି ଗ୍ରହଣ ଆକ ଉପରୋକ୍ତ ଆବିହଣା ଯୋଗେଇବାଟୋ ଆମାର ସମ୍ମାଇକ ସଂକଳନ ହବ ଲାଗେ। ଡିଲା, ବ୍ରକ ଆକ ଗ୍ରାମ ପଞ୍ଚାୟତ ପରାମର୍ଶକ କାମ କବି ଜାତି ଗ୍ରହଣ ଆକ ଉପରୋକ୍ତ ଆବିହଣା ଯୋଗେଇବାଟୋ ଆମାର ସମ୍ମାଇକ ସଂକଳନ ହବ ଲାଗେ।





श्री कपिल मरेश्वर पाटिले पञ्चायतीवाज प्रतिष्ठान र जबियाते सुसमित्रित भावे ग्राम्य अखलत बहनकूम उम्यन व लग्जसमूह छानीयकरण आक बास्तवायित कराव वावे सकलो अंशीदाव एकत्रित प्रचेष्टाव आहान जनाया त्रिक्तीय पञ्चायतसमूहे नगर-ग्राम्य विभाजन दूर कराव वावे सकलो योग्यिक सूविधा सृष्टि करि आक नगर चहरत उपलक्ष सकलो सूविधा / सुयोग प्रदान करि गांधी आक ग्राम्य अखलव उम्यन व वावे सर्वोच्च अग्राधिकार दिव लागे।

प्रकल्प-चालित विपिडिपि आक डिपिडिपि ओपवत कारिकरी अधिवेशनव सभापतिष्ठ करे पञ्चायतीवाज मस्तालयव सम्पादक श्रीमृत सुनील कुमारो केन्द्रीय चरकावे पकायतीवाज प्रतिष्ठानसमूहक प्रदान करि दका सम्पदसमूह निबन्धव उप्रति साधन है थकाव लगाते पोक्तवतम विन्त आयोगव परामर्श अनुसवि त्रुक आक जिला पञ्चायतसमूहको ग्राम्य छानीय संसासमूहव वावे अनुदान आगवडोताव कथा आलोकपात करो विपिडिपि आक डिपिडिपि विशेषणव ओपवत उपस्थापन करे पञ्चायत वाज मस्तालयव घुटीया सम्पादक श्री आलोक प्रेम नगरो।

\*\*\*\*



## ব্লক পঞ্চায়ত উন্নয়ন পরিকল্পনা আৰু জিলা পঞ্চায়ত উন্নয়ন আঁচনিখনৰ ওপৰত দুদিনীয়া বাস্তীয় কৰ্মশালাৰ উদ্বোধন



ভাৰত চৰকাৰৰ পঞ্চায়তীবাজ মন্ত্রালয়ৰ উদ্যোগত ২০২৩ চনৰ ৫  
জানুৱাৰীৰ পৰা ৬ জানুৱাৰীলৈ নতুন দিল্লীত ব্লক পঞ্চায়ত উন্নয়ন  
পৰিকল্পনা (বিপডিপি) আৰু জিলা পঞ্চায়ত উন্নয়ন পৰিকল্পনাৰ  
ঘাৰা কপাইত হৈ থকা প্ৰকল্পসমূহৰ ওপৰত দুদিনীয়া বাস্তীয়  
কৰ্মশালাৰ আয়োজন কৰা হয়।

কৰ্মশালাখন উদ্বোধন কৰে কেন্দ্ৰীয় পঞ্চায়তীবাজ বাজিক মন্ত্ৰী  
কপিল মুখেশৰ পাটিল ডাঙুবীয়া, পঞ্চায়তীবাজ মন্ত্রালয়ৰ সম্পাদক  
সুনীল কুমাৰ ডাঙুবীয়া, ড° এছ, এম বিজয়নন্দৰ প্ৰাক্তন সম্পাদক  
মন্ত্রালয়, ড° বলা প্ৰসাদ প্ৰাক্তন বিশেষ সম্পাদক মন্ত্রালয় আৰু শ্ৰী  
আলোক প্ৰেম নগৰ ঘূটীয়া সম্পাদক পঞ্চায়ত বাজ মন্ত্রালয়।

এই দুদিনীয়া কৰ্মশালাত সমগ্ৰ জিলাৰ পৰা জিলা পঞ্চায়ত আৰু ব্লক  
পঞ্চায়তৰ নিৰ্বাচিত প্ৰতিনিধি আৰু বিষয়বোৰীয়া, বিভিন্ন লাইন  
মন্ত্রালয়ৰ বিভাগৰ লগতে নাবাৰ্ড, ইবমা, ইউনিচেফ আদি বিভিন্ন  
সংগঠন/প্ৰতিষ্ঠানৰ প্ৰতিনিধিয়ে অংশগ্ৰহণ কৰে।

শ্ৰী কপিল মুখেশৰ পাটিলে দুদিনীয়া বাস্তীয় কৰ্মশালাত ভাষণ দি  
অংশগ্ৰহণকাৰীসকলক শুভেচ্ছা জনাই কয় যে বাস্তীয় কৰ্মশালাখন  
সুবিধাজনক সহযোগত আয়োজন কৰা হৈছো। নতুন বছৰৰ আৰম্ভণিতে  
গ্রামাঞ্চলৰ সৰ্বাংগীন উন্নয়নৰ পৰিকল্পনা প্ৰক্ৰিয়া আৰম্ভ কৰি  
সকলোকে সবকা সাধ-সবকা বিকাশ, সবকা বিশ্বাস-সবকা প্ৰয়াসৰ  
মনোভাৱৰ সৈতে লৈ যাওকা তেওঁ কয় যে জিলা, ব্লক আৰু গাঁও  
পঞ্চায়ত পৰ্যায়ত কাম কৰি জাতি গঠন আৰু উন্নয়নত আৰিহণা  
যোগোৱাটো আমাৰ সকলোৰে সামুহিক সংকল্প হ'ব লাগে।

ভাৰত চৰকাৰৰ পঞ্চায়তীবাজ মন্ত্রালয়ৰ উদ্যোগত ২০২৩ চনৰ ৫  
জানুৱাৰীৰ পৰা ৬ জানুৱাৰীলৈ নতুন দিল্লীত ব্লক পঞ্চায়ত উন্নয়ন  
পৰিকল্পনা (বিপডিপি) আৰু জিলা পঞ্চায়ত উন্নয়ন পৰিকল্পনাৰ  
ঘাৰা কপাইত হৈ থকা প্ৰকল্পসমূহৰ ওপৰত দুদিনীয়া বাস্তীয়  
কৰ্মশালাৰ আয়োজন কৰা হয়।

কৰ্মশালাখন উদ্বোধন কৰে কেন্দ্ৰীয় পঞ্চায়তীবাজ বাজিক মন্ত্ৰী  
কপিল মুখেশৰ পাটিল ডাঙুবীয়া, পঞ্চায়তীবাজ মন্ত্রালয়ৰ সম্পাদক  
সুনীল কুমাৰ ডাঙুবীয়া, ড° এছ, এম বিজয়নন্দৰ প্ৰাক্তন সম্পাদক  
মন্ত্রালয়, ড° বলা প্ৰসাদ প্ৰাক্তন বিশেষ সম্পাদক মন্ত্রালয় আৰু শ্ৰী  
আলোক প্ৰেম নগৰ ঘূটীয়া সম্পাদক পঞ্চায়ত বাজ মন্ত্রালয়।

এই দুদিনীয়া কৰ্মশালাত সমগ্ৰ জিলাৰ পৰা জিলা পঞ্চায়ত আৰু ব্লক  
পঞ্চায়তৰ নিৰ্বাচিত প্ৰতিনিধি আৰু বিষয়বোৰীয়া, বিভিন্ন লাইন  
মন্ত্রালয়ৰ বিভাগৰ লগতে নাবাৰ্ড, ইবমা, ইউনিচেফ আদি বিভিন্ন  
সংগঠন/প্ৰতিষ্ঠানৰ প্ৰতিনিধিয়ে অংশগ্ৰহণ কৰে।

শ্ৰী কপিল মুখেশৰ পাটিলে দুদিনীয়া বাস্তীয় কৰ্মশালাত ভাষণ দি  
অংশগ্ৰহণকাৰীসকলক শুভেচ্ছা জনাই কয় যে বাস্তীয় কৰ্মশালাখন  
সুবিধাজনক সহযোগত আয়োজন কৰা হৈছো। নতুন বছৰৰ আৰম্ভণিতে  
গ্রামাঞ্চলৰ সৰ্বাংগীন উন্নয়নৰ পৰিকল্পনা প্ৰক্ৰিয়া আৰম্ভ কৰি  
সকলোকে সবকা সাধ-সবকা বিকাশ, সবকা বিশ্বাস-সবকা প্ৰয়াসৰ  
মনোভাৱৰ সৈতে লৈ যাওকা তেওঁ কয় যে জিলা, ব্লক আৰু গাঁও  
পঞ্চায়ত পৰ্যায়ত কাম কৰি জাতি গঠন আৰু উন্নয়নত আৰিহণা  
যোগোৱাটো আমাৰ সকলোৰে সামুহিক সংকল্প হ'ব লাগে।

\*\*\*\*



## পঞ্চায়তীবাজ মন্ত্রালয়ৰ উদ্যোগত লক্ষ্মীট 'গ্ৰাম্য জনগোষ্ঠী সবলীকৰণ' শীৰ্ষক বিষয়ত দুদিনীয়া আৰ্ট ভিলেজ পঞ্চায়ত সমিলন

পঞ্চায়তী বাজ প্রতিষ্ঠানসমূহে প্ৰযুক্তিগত উন্নতিৰ ক্ষেত্ৰত বহু দূৰ আগবঢ়িছে যাৰ ফলত বচতা, জৰাবদিহিতা আৰু জৰাবদিহিতা বৃদ্ধি পাইছে; শ্ৰী গিৰিবৰাজ সিং



প্ৰযুক্তিৰ জৰিয়তে চৰকাৰৰ ততীয় ভৱৰ পঞ্চায়তসমূহত মূল্যাত্মক চৰকাৰ সৰ্বোচ্চ শাসন ব্যৱস্থা ক'কো পিছুৱাই নাৰাখি'ৰ মৃষ্টিভঙ্গীক সমৰ্থন কৰিবলৈ পঞ্চায়তী বাজ মন্ত্রালয়ে ১৫ - ২০২০ তাৰিখে কৰা 'গাঁওবাসীক সবলীকৰণ'ৰ ওপৰত দুদিনীয়া আৰ্ট গ্ৰাম পঞ্চায়ত সমিলনৰ আয়োজন কৰে। ১৬ ছেপ্টেম্বৰ ২০২২ তাৰিখে উভৰ প্ৰদেশৰ লক্ষ্মীট।

বাস্তীয় পৰ্যায়ৰ সমিলনৰ উদ্বোধনী অধিবেশনত কেন্দ্ৰীয় আমোদয়ন আৰু পঞ্চায়তীবাজ মন্ত্ৰী শ্ৰী গিৰিবৰাজ বাজ সিং, উভৰ প্ৰদেশৰ মুখ্যমন্ত্ৰী শ্ৰীযুক্ত ঘোষী আদিত্যনাথ আৰু পঞ্চায়তীবাজৰ বাজিক মন্ত্ৰী শ্ৰীযুক্ত কপিল মৌখোধৰ পাটিলে নেতৃত্ব দিয়ে।

তেওঁৰ ভাষণত শ্ৰী গিৰিবৰাজ সিঙে কঢ় যে পঞ্চায়তী বাজ প্রতিষ্ঠানসমূহে প্ৰযুক্তিগত অগ্ৰগতিৰ ক্ষেত্ৰত বহু দূৰ আগবঢ়িছে। আৰ্ট ভিলেজৰ বিষয়ে ব্যাখ্যা কৰি তেওঁ কঢ় যে ইয়াৰ দ্বাৰা বচতা, জৰাবদিহিতা আৰু জৰাবদিহিতাৰ ভৱ বৃদ্ধি পাব।

তেওঁ বৰ্তমানৰ প্ৰযুক্তিসমূহ গ্ৰহণ আৰু কপায়ণৰ ক্ষেত্ৰত কেন্দ্ৰ আৰু বাজা চৰকাৰৰ নিৰ্বাচিত প্ৰতিনিধিৰ ভূমিকাৰ ওপৰত গুৰুত্ব আৰোপ কৰে।

এই উপলক্ষে ভাষণ দি শ্ৰী ঘোষী আদিত্যনাথে পঞ্চায়তী বাজ প্রতিষ্ঠানসমূহৰ অৱসানৰ ওপৰত গুৰুত্ব আৰোপ কৰে। তেওঁ কঢ় যে উভৰ প্ৰদেশে ভাৰতৰ ৫ ট্ৰিলিয়ন ডলাৰৰ অৰ্থনৈতিক আকাংক্ষাক আগুৱাই লৈ গৈছে। শ্ৰী ঘোষী আদিত্যনাথে আৰু উল্লেখ কৰে যে আৰ্ট গাঁও সৃষ্টি হাৰলদী আৰ্টস: গাঁথনি, দায়িত্বশীল নাগৰিক আৰু আচৰণ পৰিবৰ্তনৰ সৈতে প্ৰত্যক্ষভাৱে জড়িত। তেওঁ বিভিন্ন চৰকাৰী আৰু বেচৰকাৰী নাগৰিককেন্দ্ৰিক সেৱা প্ৰদানৰ বাবে দুতবেগী ইণ্টাৰনেট সেৱাৰ উপলক্ষ্তাৰ ওপৰতো গুৰুত্ব আৰোপ কৰে।

এই উপলক্ষে ভাষণ দি শ্ৰী কপিল মৌখোধৰ পাটিলে আইচিটি, ইণ্টাৰনেট, ডিআইএছ আৰু বিমট চেলিণ্ডৰ সহায় লৈ তণমূল পৰ্যায়ত সামাজিক অৰ্থনৈতিক আৰু পৰিবেশৰ বহনক্ষম কলাগৰ বিষয়ে কঢ়। ডিজিটেল আৰ্টস: গাঁথনি, বৃদ্ধি পোৱা জনসংখ্যা আৰু মুৰ অপযোজনীয় নগৰায়নৰ সৈতে পঞ্চায়তসমূহে সন্মুখীন হ'বলগীয়া চাহিদা-যোগান বাবস্থাপনাৰ দৰে প্ৰত্যাহানসমূহৰ ওপৰত তেওঁ গুৰুত্ব আৰোপ কৰে।

এই উপলক্ষে বহনক্ষম উন্নয়নৰ লক্ষ্যৰ ছানীয়ুকৰণ, ই-লার্নিং ফডিউলৰ আৰম্ভণি শীৰ্ষক এখন গুৰু মুকলি কৰা হয়।



**Ministry of Panchayati Raj  
Government of India**



## सशक्त पंचायत सतत् विकास



Ministry of Panchayati Raj

-  [www.facebook.com/MinistryofFinanceIndia](http://www.facebook.com/MinistryofFinanceIndia)

 [www.youtube.com/channel/UCEVbyQXyAudiqzswtobA](http://www.youtube.com/channel/UCEVbyQXyAudiqzswtobA)

 [@mpr\\_govind\\_sen](http://www.twitter.com/mpr_govind_sen) <https://www.google.com/search?q=mpriyadarsh+sen+author>

 [www.panchayat.gov.in/](http://www.panchayat.gov.in/)

पंचायती दाज गंत्रालय हाटा मुटित एवं प्रकाशित

महाय संपादक: श्री हृषील कमाट, संस्थित, पंचायती टाज मंत्रालय

पंचायती टाज नंगालय, आदत टाटकाट, टाबड-2, बौद्धा तल.

जीवन आदती शिल्पिंग, कार्बोन फ्लैट, बर्ड टिल्ली 110091 इटा प्रकाशि